শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 127 | गुवाहाटी | सोमवार, 28 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मृत वन रक्षक के परिवार को 14 लाख व पत्नी को सरकारी नौकरी पेज 3
नौसेना अकादमी ने तैयार किए सात मित्र देशों के 51 विदेशी कैडेट, पास... पेज 4
तंबाकू के सेवन से बचें,जीवन सुरक्षित रखे : एसपी पेज 5
जम्मू-कश्मीर में सुशासन-व्यवस्था का अगला चरण जल्द होगा शुरू : मनोज सिन्हा पेज 8

असम-मेघालय यात्रा पर प्रतिबंध छह दिन के बाद हटा

गुवाहाटी। असम ने अंतर्राज्यीय सीमा पर एक विवादित क्षेत्र में हुई हिंसा के बाद मेघालय के लिए लगाए गए यात्रा प्रतिबंध को छह दिन के बाद रविवार को हटा लिया। गुवाहाटी शहर के डीसीपी सुधाकर सिंह ने कहा कि हमने सभी वाहनों को मेघालय में प्रवेश करने की इजाजत दे दी है। उधर कछार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) नोमल महता ने कहा कि जहां भी आवश्यक है, वहां वाहनों को सुरक्षा घेरे में ले जाया जा रहा है। अन्य संवेदनशील इलाकों में पुलिस गश्त की व्यवस्था की गई है। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि रविवार से वाहनों की आवाजाही की अनुमति दी गई है क्योंकि संपूर्ण स्थिति में सुधार हुआ है। असम पुलिस ने एक परामर्श जारी कर लोगों से मंगलवार को हुई घटना के बाद पड़ोसी राज्य की यात्रा करने से बचने को कहा था। अधिकारियों ने कहा कि गुवाहाटी और कछार जिले के पास जोराबाट में अवरोधक लगाए गए थे, जिन्हें प्रतिबंध हटाने जाने के बाद अब हटा दिया गया है। हालांकि, ट्रक, सामान और अन्य सामान ले जाने वाले वाणिज्यिक वाहनों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया था। बता दें कि असम-मेघालय सीमा के विवादित क्षेत्र में भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है और धारा 144 लागू की गई है। मालूम हो कि सीमा पर हाल में हिंसक झड़पों के बाद 6 लोग मारे गए थे। अधिकारियों ने बताया कि दोनों राज्यों के बीच यात्रा प्रतिबंध रविवार को लगातार छठे दिन भी जारी था। मंगलवार को हुई इस घटना के बाद असम पुलिस ने लोगों से पड़ोसी राज्य की यात्रा करने से बचने को कहा है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि मेघालय में अभी भी स्थिति पूरी तरह शांतिपूर्ण नहीं है। असम से लोगों या वाहनों पर हमले हो सकते हैं। इसलिए, हम लोगों से उस राज्य की यात्रा नहीं करने के लिए कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को यात्रा करनी ही है तो हमने उन्हें मेघालय में पंजीकृत वाहनों से जाने को कहा है। गुवाहाटी और कछार जिले के जोराबाट में पुलिस बैरिकेड्स लगाए गए हैं, जो असम से मेघालय में प्रवेश के दो मुख्य बिंदु हैं। अधिकारी ने कहा कि ट्रकों, सामान और अन्य सामान ले जाने वाले वाणिज्यिक वाहनों पर हालांकि कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। संघर्ष स्थल और आस-पास के इलाकों में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत प्रतिबंध जारी है। पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले में दोनों राज्यों के बीच विवादित सीमा के पास मुकरोह गांव में मंगलवार की तड़के हिंसा भड़क गई थी, जब असम के वन रक्षकों द्वारा कथित रूप से अवैध रूप से काटी गई लकड़ियों से लदे एक ट्रक को रोका गया था। शनिवार को मेघालय में विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने सीमा पर हिंसा के विरोध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री कॉनराड के सांग्मा सहित अन्य लोगों का पुतला जलाया। एक अन्य सामाजिक संस्था हाइनीवट्रेप स्वदेशी प्रादेशिक संगठन ने भी शिलांग में यू सोसो थम आडिटोरियम के परिसर में *रेड फ्लैग डे* मनाया।

गुवाहाटी को कृत्रिम बाढ़ मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हूं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मिशन गुवाहाटी फ्लड फ्री के तहत रविवार को जनता भवन (असम सचिवालय) में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में गुवाहाटी के कृत्रिम बाढ़ मुक्त बनाने के लिए एक बैठक आयोजित की गयी। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने बैठक में कहा कि गुवाहाटी को बाढ़ मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने गुवाहाटी शहर को कृत्रिम बाढ़ से मुक्त करने के उद्देश्य से विभिन्न रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए जनता -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में घरे-घरे बीजेपी अभियान शुरू

अगरतला। त्रिपुरा भाजपा का *घरे-घरे बीजेपी* अभियान की शुरुआत रविवार को हुई। त्रिपुरा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्जी ने रविवार को विशालगढ़ नें जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि घरे-घरे भाजपा अभियान को पूरे त्रिपुरा में अपार जनसमर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि रविवार सुबह प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रमों को सभी 60 मंडलों में एक नियत जगह पर उपस्थित होकर कार्यकर्ताओं ने सुना, उसके बाद इस अभियान की विधिवत शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह अभियान केवल अभियान नहीं है, बल्कि 2018 से अब तक सरकार ने जो विकास के कार्य किए, उसका रिपोर्ट कार्ड के साथ हम लोगों के बीच जा रहे हैं। लोगों को बता रहे हैं कि किस तरह से भाजपा की सरकार ने पिछले पांच बर्षों में विकास के कार्य किए। उन्होंने कहा कि रविवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन -शेष पृष्ठ दो पर

उत्तर 24 परगना में फेंके गए बम चार घायल

कोलकाता। उत्तर 24 परगना जिले के जगद्दल इलाके में रविवार को कई स्थानों पर बम फेंके गए, जिनमें चार लोग घायल हो गए। वहीं एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। बैरकपुर पुलिस आयुक्त के कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात मैरिज हॉल में संगीत बजने को लेकर शादी पार्टी के कुछ सदस्यों और एक स्थानीय निवासी के बीच कहासुनी हो गई। अधिकारी ने बताया, रविवार तड़के मैरिज हॉल से पहले कई जगह देशी बम विस्फोट हुए, जिसमें चार बराती घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने इलाके में छापेमारी की। घटना के सिलसिले में पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। छापेमारी के दौरान इलाके से दो और जिंदा बम बरामद किए गए हैं। इस घटना के साथ सियासी आरोप-प्रत्यारोप भी शुरु हो गए हैं। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर आरोप लगाया कि उसने 2023 के पंचायत चुनावों से पहले राज्यभर में बमों का भंडार किया है। हालांकि, टीएमसी ने इन आरोपों का खंडन किया है और कहा कि भाजपा झूठे आरोप लगा रही है।

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

11वें संगई महोत्सव में विदेश मंत्री भी

इंफाल। विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने इंफाल के जापानी वॉर मेमोरियल पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इंफाल पीस म्यूजियम का भी दौरा किया। इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर और विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह ने इंफाल में चल रहे 11वें संगई महोत्सव में भाग लिया। उन्होंने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के साथ जी20 इंडिया पवेलियन का भी दौरा किया। मणिपुर उन कई राज्यों में से एक है, जहां अगले महीने की शुरुआत में भारत की जी-20 अध्यक्षता का जश्न मनाने के लिए समारोह आयोजित किए जाएंगे।

रेलवे स्टेशन पर बना फुटओवरब्रिज ढहा 20 यात्री घायल

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में बल्लारशाह रेलवे स्टेशन पर फुटओवरब्रिज का एक हिस्सा गिरने से 20 यात्री घायल हो गए। इन सभी को तत्काल बल्लारपुर के ग्रामीण अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इनमें से आठ की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। आरपीएफ और जीआरपी पुलिस ने मौके पर पहुंच कर राहत और बचाव अभियान चलाया। पुलिस के अनुसार रविवार शाम को बल्लारशाह रेलवे स्टेशन पर काजीपेट-पुणे -शेष पृष्ठ दो पर

मुंबई में बनेगा असम भवन

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि उन्होंने नवी मुंबई में असम भवन के निर्माण को मंजूरी दे दी है। उनके असम समकक्ष हिमंत विश्व शर्मा ने अनुरोध किया था। गुवाहाटी में शर्मा के साथ बैठक के बाद शिंदे ने कहा कि इसी तरह असम में महाराष्ट्र भवन बनेगा। हालांकि, उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के नेता संजय राउत ने कहा कि असम भवन पहले से ही नवी मुंबई में मौजूद है। हर राज्य यहां जमीन चाहता है, महाराष्ट्र के पास अन्य राज्यों में जमीन नहीं है। शिंदे और शर्मा के बीच रविवार को गुवाहाटी के उसी होटल में बैठक हुई, जहां शिंदे और शिवसेना के अन्य बागी विधायक उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार को गिराने से पहले 11 दिनों -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

कांग्रेस में फूट डालने की कोशिश कर रही है भाजपा : खड़गे

अहमदाबाद (हि.स.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को नर्मदा जिले के डेडियापारा में एक जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयानों पर पलटवार किया। 70 सालों में कुछ नहीं करने के भाजपा के आरोपों का भी उन्होंने जवाब दिया। उन्होंने आदिवासियों की जमीन लूटने और बेरोजगारी दूर नहीं के लिए भाजपा को घेरा। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद गुजरात विधानसभा चुनाव में पहली बार सभा करने आए मल्लिकार्जुन खड़गे आक्रमक दिखे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के दिए एक-एक बयान पर जवाब दिया। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

समान नागरिक संहिता ज्यादा से ज्यादा राज्यों में लागू करना चाहेंगे : नड्डा

अहमदाबाद। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने समान नागरिक संहिता को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) एक राष्ट्रीय मुद्दा है। इसे ज्यादा से ज्यादा राज्यों में लागू करना चाहेंगे। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी लगातार इसको लेकर बात करती है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह पार्टी के लिए एक राष्ट्रीय मुद्दा है और यह इसके लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि देश के संसाधनों पर सभी का समान रूप से हक हैं। इसलिए, समान नागरिक संहिता एक स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कहा कि देश और समाज के खिलाफ काम करने वाली ताकतों पर नजर रखना राज्य की जिम्मेदारी है। उन्होंने मानव शरीर का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह शरीर में एंटीबॉडी -शेष पृष्ठ दो पर

आतंक पर कांग्रेस की विचारधारा वही है : मोदी

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों को याद करते हुए रविवार को कहा कि गुजरात और देश को कांग्रेस तथा समान विचारों वाले ऐसे दलों से बचाना जरूरी है जो अपने वोट बैंक को सुरक्षित रखने के लिए *बड़े आतंकवादी हमलों* पर चुप रहते हैं। गुजरात के खेड़ा जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस और उसके समान विचार वाले कई दल आतंकवाद को कामयाबी पाने का *शॉर्टकट* समझते हैं। गुजरात विधानसभा चुनाव के तहत एक और पांच दिसंबर को मतदान होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आतंकवाद -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

एक संतुलित मन के बराबर कोई तपस्या नहीं है। संतोष के बराबर कोई खुशी नहीं है। लोभ के जैसी कोई बीमारी नहीं है। दया के जैसा कोई सदाचार नहीं है।

\- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

कम बुखार होने पर एंटीबायोटिक लेने से करें परहेज

नई दिल्ली। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने दिशा-निर्देश जारी कर लोगों को कम बुखार या वायरल ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियों के लिए एंटीबायोटिक का इस्तेमाल नहीं करने को कहा है और चिकित्सकों को इन दवाओं का परामर्श देते समय समय-सीमा का ध्यान रखने की सलाह दी है। आईसीएमआर के दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि त्वचा और कोमल ऊतकों के संक्रमण -शेष पृष्ठ दो पर

जी-20 की अध्यक्षता मिलना गौरव की बात : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के संगठन जी-20 की अध्यक्षता मिलना भारत के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि देश को इस अवसर का उपयोग वैश्विक भलाई पर ध्यान केंद्रित करके करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम *मन की बात* के 95वें संस्करण में अपने विचार साझा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम बहुत तेजी से मन की बात के शतक की तरफ बढ़ रहे हैं। ये कार्यक्रम मेरे लिए 130 करोड़ देशवासियों से जुड़ने का एक और माध्यम है। मोदी ने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि बनकर आई है। हमें इस मौके का पूरा उपयोग वैश्विक भलाई और कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए करना है। उन्होंने कहा कि भारत विभिन्न वैश्विक -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदी थोपने के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी : स्टालिन

सलेम। तमिलनाडु के मेट्टुल के पास करुमलाईकूडल के रहने वाले द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के कार्यकर्ता और किसान 85 वर्षीय थंगावेल ने कथित तौर पर आत्मदाह कर लिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। थंगावेल सलेम जिले में डीएमके के दफ्तर के बाहर हिंदी थोपे जाने के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान वहां कुछ बैनर भी लगे थे, जिन पर मोदी सरकार, केंद्र सरकार, हमें हिंदी नहीं चाहिए लिखा गया था। रिपोर्टों के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 11 बजे थंगावेल ने कथित तौर पर अपने शरीर पर पेट्रोल डाला और खुद को आग लगा ली। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। थंगावेल हिंदी को शिक्षा के माध्यम के रूप में लागू करने के केंद्र सरकार के कथित कदम से व्यथित थे। इसके बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकर्ता ऐसा आत्मघाती कदम नहीं उठाएं। हिंदी थोपने के खिलाफ लड़ाई तब तक नहीं रुकेगी, जब तक कि यह मांग केंद्र सरकार के कानों तक नहीं पहुंचती। इससे पहले अक्तूबर में मुख्यमंत्री एमके -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

जनसंख्या नियंत्रण के लिए बने सख्त कानून : गिरिराज

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को यहां जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून लाए जाने की मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि चीन ने अपनी जनसंख्या को नियंत्रित कर आर्थिक प्रगति का मार्ग अपनाया और भारत को भी अपने सीमित संसाधन देखते हुए ऐसा ही कानून लाना चाहिए। दिल्ली के जंतर-मंतर पर रविवार को जनसंख्या समाधान फाउंडेशन की ओर से जनसंख्या नियंत्रण पर कानून लाए जाने की मांग को लेकर रैली का आयोजन किया गया। रैली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारणी के सदस्य इंद्रेश कुमार भी मौजूद रहे। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वे जनसंख्या नियंत्रण के लिए लाए जाने वाले कानून का समर्थन करते हैं। भारत के सीमित संसाधन को देखते हुए यह जरूरी है। भारत में दुनिया की 18 से 20 प्रतिशत आबादी है और जमीन ढाई प्रतिशत और जल 4 प्रतिशत है। गिरिराज ने कहा कि यह कानून सभी मत, पंथ और संप्रदायों में समान रूप से लागू होना चाहिए। कानून को सख्त बनाया जाना चाहिए। उल्लंघन करने वालों को सरकारी लाभ से वंचित किया जाना चाहिए। वहीं उनका मतदान का अधिकार छीन लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन ने एक बच्चा पैदा करने की नीति से 60 करोड़ तक की आबादी रोकने का काम किया है। चीन में जहां हर एक मिनट में 10 बच्चे और भारत में हर मिनट में 30 से अधिक बच्चे पैदा हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के प्रयासों से इस दिशा में जागरुकता आई है। संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा कि लोकतंत्र के कारण कुछ राजनीतिक दल और नेता सोचते हैं कि मजहब के नाम पर जनसंख्या बढ़ाकर अपने सांसद और विधायक बढ़ा सकते हैं। इसलिए मजहबी जनसंख्या का असंतुलन भी बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया बढ़ती हुई जनसंख्या से प्रभावित और चिंतित है। विकास के लिए जरूरी है कि जनसंख्या नियंत्रण हो। हमारे देश में जनसंख्या अधिक है और प्राकृतिक संसाधन बेहद कम हैं। उल्लेखनीय है कि भारत अगले साल दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने जा रहा है। भारत की जनसंख्या चीन को पीछे छोड़ देगी। हालांकि संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जनसंख्या वृद्धि दर अब स्थिरिकरण की ओर बढ़ रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कराने में अभाविप की अहम भूमिका : प्रधान

जयपुर (हि.स.)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के राष्ट्रीय अधिवेशन में युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन में बहुत सी चुनौतियां हैं। बावजूद इसके केंद्र सरकार ने इस ओर कदम बढ़ा दिया है। अभाविप को भी कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू कराने में अभाविप की महत्वपूर्ण भूमिका है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान अभाविप के तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के अंतिम दिन रविवार को आयोजित प्राध्यापक यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अभाविप को हनुमान की संज्ञा दी और कहा कि इसके कार्यकर्ताओं में असीम ऊर्जा है। इनके बल को याद दिलाना पड़ता है। यह ऊर्जा संगठनात्मक कार्यों में दिख रही है। कार्यकर्ताओं ने भारत में हायर एजुकेशन के लिए पढ़ाई कर रहे लगभग चार करोड़ छात्र-छात्राओं में से 45 लाख को सदस्यता दिला दी है। यह वाकई बहुत बढ़ा काम है। प्रधान ने चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि शिक्षा से महरूम लगभग 20 करोड़ युवाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना है। वर्तमान में स्कूली छात्र-छात्राओं की संख्या लगभग 24 करोड़ और हायर एजुकेशन में शिक्षा ले रहे छात्र-छात्राओं की संख्या लगभग चार करोड़ है। यह आंकड़ा लगभग 30 करोड़ पहुंचता है, लेकिन भारत में 15 से 23 वर्ष के बीच के युवाओं की संख्या लगभग 50 करोड़ के आंकड़े को छू रहा है। यानी 20 करोड़ युवा शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़े ही नहीं। इन्हें शिक्षित करना सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अभाविप कार्यकर्ता ऐसे 20 करोड़ युवाओं के प्रति संवेदनशील रहेंगे। इनके प्रति करुणा और समर्पण का भाव रखेंगे। उन्होंने 25 से 50 वर्ष के युवाओं के हाथों में देश की बागडोर संभालने की क्षमता का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि दुनिया में बहुत बदलाव आया है। देश में भी बदलाव संभव है। ऐसे में इस होने वाले बदलावों पर अभाविप के कार्यकर्ताओं की पैनी नजर रहनी चाहिए। कोई भी बदलाव देशहित में तभी होता है जब वह सकारात्मक दिशा में हो। हमें यह याद रखने की जरूरत है कि भारतीय सभ्यता का विकास सृष्टि के समय से ही सकारात्मक रहा है। उन्होंने कहा कि 60-70 के दशक में गेहूं की आपूर्ति के लिए अमेरिका की ओर टकटकी लगाने वाला भारत अब अमेरिका जैसे देश को दवा की सप्लाई करता है। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने अभाविप कार्यकर्ताओं में राष्ट्रीय एकता का भाव भी भरा और कहा कि भाषावाद कभी समस्या रही, लेकिन अब सभी भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिया जा रहा है। काशी में आयोजित तमिल संगमम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिल भाषा को सबसे प्राचीन भाषा बताया था। प्रधान ने वर्ष 1992 में उत्तर प्रदेश के कानपुर में होने वाले अभाविप के राष्ट्रीय अधिवेशन का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि तब जयश्रीराम के नारे लगाए जाते थे। अभाविप का वह सपना पूरा हो रहा है। काशी में भी भव्य मंदिर निर्माण हो चुका है। यद रखिये, अभाविप को विश्व की नई परिभाषा लिखनी है।

पूर्वांचल जैन खंडेलवाल महासभा की परिचय सभा

गुवाहाटी (नसं)। हरियाणा भवन नारायण नगर में भारतवर्षीय खंडेलवाल दिगंबर जैन महासभा पूर्वांचल की परिचय सभा का आयोजन हुआ। खंडेलवाल पूर्वांचल की इस महासभा मे कार्याध्यक्ष संतोष कुमार काला जैन, संरक्षक कपुरचंद पाटनी, उपाध्यक्ष रामचंद्र सेठी, उपाध्यक्ष महिपाल पाटनी एवम महामंत्री सुभाष बड़जात्या ने मंच पर आसन ग्रहण किया। कपूर चंद पाटनी ने तथा संतोष जैन काला ने खंडेलवाल जैन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। तथा मंत्री वीणा छाबड़ा ने संगठन में शक्ति है पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया । मंच का संचालन महामंत्री सुभाष बड़जात्या ने बखूबी निभाई। मंगलाचरण मंत्री वीणा छाबड़ा, कुसुम छाबड़ा व रेणु बाकलीवाल द्वारा प्रस्तुत किया गया। उपस्थित सदस्य राजकुमार पांड्या, कैलाश पाटनी, कैलाश पांड्या, मनोज रांवका, सुधीर पांड्या,, जयकुमार सेठी, भागचंद बड़जात्या, विकाश जैन पाटनी, योगाचार्य अनिल सेठी, पदमचंद पाटनी, कुसुम छाबड़ा, रेणु बाकलीवाल ने क्रमश मंच पर आकर अपना संक्षिप्त परिचय दिया व सदस्यों का स्वागत कर तिलक व माला से अभिनंदन किया।

सहारा इंड़िया के कार्यकर्ताओं ने सांसद प्रद्युत बरदलै को सौपा ज्ञापन

होजाई (निसं)। होजाई में गत रात्री कांग्रेस के सभी बड़े दिग्गज नेताओं के साथ नगांव सांसद प्रद्युत बरदलै, भारत जोडों यात्रा के अंतर्गत होजाई नेताजी पुलिस पोंट के सामने उपस्थित हुए पहले से ही उक्त स्थान पर सहारा इंड़िया के कार्यकर्ताओं आल इंड़िया जन आंदोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के बैनर तले सैकड़ों कि तादात में लोगों का जमावड़ा लगा हुआ था। ज्ञात हो कि सहारा इंड़िया में निवेशकों का जमा धनराशि को लेकर चल रहे विवाद पर लिखीत रुप से नगांव सांसद और कांग्रेस के असम प्रदेश अध्यक्ष भुपेन कुमार बोरा सहीत सासंद गौरव गोगोई, रकिबुल हुसैन, देवब्रत सैकिया को फुलाम गमछा से स्वागत कर, संगठन के ओर से ज्ञापन पत्र के जरिए उपस्थित सांसदो तथा विपक्षी नेताओं को सांसद में प्रश्न काल के दौरान वर्तमान सरकार द्वारा लाखों करोड़ों देशवासियों का जमा धनराशि को लेकर सरकार को घेरने का अनुरोध किया। वही सहारा इंड़िया के कार्यकर्ताओं ने संवाददाता को बताया कि केंद्र की भाजपा सरकार से देश तथा होजाई जिले के लाखों लोगों कि बहुत आशा थी किंतु भाजपा के नेतृत्व में मोदी कि सरकार ने अबतक कुछ न करते हुए जनता के मूल समस्या को नजरअंदाज कर चुप्पी साधे हुए हैं। इन सभी समस्याओं के समाधान के लिए मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेताओं से अनुरोध किया गया है। साथ ही सांसद प्रद्युत बरदलै सहीत सभी ने विषय कि गंभीरता को लेकर आल इंड़िया जन आंदोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के बैनर तले सैकड़ों कार्यकर्ताओं को खुली मंच पर अस्वासन दिया, कि इस विषय को संसद में उठायेंगे, साथ ही सांसद प्रद्युत बरदलै ने वर्तमान सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि आम जनता के साथ किए गए चुनावी वादों को आड़ हाथों लेते हुए महंगाई, रोजगार, धार्मिक तथा जातीय धुर्वीकरण का आरोप लगा कर देश तथा लोगों को विभाजित करने का काम कर रही है। होजाई जिले के सभी जाती जंगोष्टी को सरकार के खिलाफ निकल कर आने का आह्वान किया।

रंगिया : सांसद दिलीप सैकिया ने जनता संग सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

रंगिया (नसं)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उत्तर कामरूप जिला समिति के अंतर्गत रंगिया नगर मंडल के बूथ संख्या 44, 45, 46, 47 पर प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। रंगिया के उच्चत्तर माध्यमिक खेल मैदान प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में मंगलदै लोकसभा के सांसद दिलीप सैकिया उपस्थित रहे। इस मौके पर उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। जिलाध्यक्ष सुबल पाल द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में जिला समिति के उपाध्यक्ष भवेश डेका, जिला समिति मन की बात के समन्वयक रोबिन सैकिया, प्रदेश भाजपा सदस्य डॉ खनीन कलिता, भाजपा रंगिया नगर मंडल की अध्यक्ष दीप्ति लहकर, वार्ड नं 3 की पार्षद गुनुमोनी बोड़ो सहित उक्त बूथो के सभी अध्यक्ष समेत कई भाजपा नेता व कार्यकर्ता व स्थानीय लोग शामिल हुए।

पृष्ठ एक का शेष

गुवाहाटी को कृत्रिम ...

भवन में संबंधित एजेंसियों के साथ एक बैठक की। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे इन कृत्रिम बाढ़ के कारकों का जायजा लें जो लंबे समय से लोगों द्वारा समस्याओं का सामना कर रहे हैं और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएं। बैठक में उन्होंने नालों की प्रवाह क्षमता बढ़ाने और जरूरत के अनुसार उनका पुनर्निर्माण करने के लिए शहर में नालों की सफाई और निकासी करने का प्रस्ताव रखा। इस संबंध में, गुवाहाटी नगर निगम को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करके पुनर्गठित करने की बात भी कही। बैठक में कैबिनेट मंत्री अशोक सिंघल के साथ ही संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी भी मौजूद थे।

त्रिपुरा में घरे-घरे बीजेपी ...

की बात सभी 60 मंडलों में सुनी। इसके लिए एक नियत जगह तय की गई थी। यहां पर एकत्रित होकर सभा कार्यकर्ता और नेताओं ने मन की बात सुनी। उन्होंने कहा कि इसके बाद घरे-घरे भाजपा अभियान की शुरुआत हुई है। मुझे जो जानकारी मिली है, सभी जगह कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। विशालगढ़ में भी कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखने को मिल रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि हमने जो काम इन पांच वर्षों में किया है। जो जनकल्याण के काम भाजपा ने राज्य में किए हैं, वह सबको दिखाई दे रहा है। यही कारण है कि लोगों का विश्वास हमारे प्रति बढ़ा है। लोग भाजपा को एक बार फिर ताज पहनाने के लिए लालायित हैं। इस बीच, शाम को अगरताल स्थित भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा के प्रवक्ता नवेंदु भट्टाचार्जी और अस्मिता बनिक ने कहा कि घरे-घरे भाजपा अभियान की आज शुरुआत हो गई है। सभी 60 मंडलों में भाजपा को लोगों का सहयोग मिल रहा है। अब यह अभियान मंडल स्तर से बूथ स्तर तक जाएगा। भाजपा के कार्यकर्ता इस दौरान सरकार का रिपोर्ट कार्ड लोगों से साझा करेंगे।

रेलवे स्टेशन पर बना ...

एक्सप्रेस पकड़ने के लिए यात्री प्लेटफार्म नंबर 1 से 4 नंबर प्लेटफार्म पर जा रहे थे। तभी अचानक पुल के बीचोबीच स्लैब का एक हिस्सा ढह गया, जिससे वहां से गुजर रहे यात्री फुटओवर ब्रिज से पटरियों पर गिर गए। बताया जा रहा है कि हादसे के समय कई यात्रियों को ओवरहेड वायर का शॉक भी लगा। इस हादसे में 20 लोग घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिल ही आरपीएफ और जीआरपी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत और बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने घायल यात्रियों को बल्लारशाह ग्रामीण अस्पताल में पहुंचाया है। घायलों में आठ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना में फंसे हुए अन्य लोगों को निकालने के प्रयास चल रहे हैं। माना जा रहा है कि घायलों की संख्या अभी बढ़ सकती है।

मुंबई में बनेगा असम...

तक रुके थे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने उद्योग, व्यापार और पर्यटन के क्षेत्र में दोनों राज्यों के बीच आपसी सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। बयान में कहा गया है कि शिंदे ने महाराष्ट्र में सत्ता संघर्ष के दौरान समर्थन के लिए शर्मा का धन्यवाद दिया। शिंदे ने शर्मा को महाराष्ट्र आने का न्योता भी दिया। इसमें आगे कहा गया है कि शिंदे ने नवी मुंबई में असम भवन के निर्माण के लिए शर्मा के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। असम सरकार भी उत्तर पूर्वी राज्य में महाराष्ट्र भवन की स्थापना के लिए भूमि प्रदान करेगी। बयान में शर्मा के हवाले से कहा गया है कि जब शिंदे को अहसास हुआ कि उनकी पार्टी (शिवसेना) का रास्ता गलत है और वह इसे ठीक करना चाहते हैं, तो सभी सहायता प्रदान की गई। इस बीच, पत्रकारों से बात करते हुए राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कहा कि नवी मुंबई में असम भवन पहले से मौजूद है। राउत ने कहा कि हर राज्य मुंबई में जमीन चाहता है। लेकिन, महाराष्ट्र की अन्य राज्यों में जगह नहीं है। उसके उद्योग छीन लिए जाते हैं और उसकी जमीन पर दावा ठोक दिया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि असम के मुख्यमंत्री एक पूर्व कांग्रेसी हैं और शिंदे एक पूर्व शिवसैनिक हैं। दोनों पार्टी बदलने के बाद मुख्यमंत्री बने। इसलिए, दलबदलुओं का साथ अच्छा चल रहा है।

कांग्रेस में फूट डालने ...

मोदी के खुद को गरीब, बताने, चाय बेचने वाले और औकात बताने संबंधी बयानों पर कहा कि हम तो उनसे भी गरीब हैं। गरीबों से गरीब हैं। उनकी तो कोई चाय पीता है, लेकिन हम तो अछूतों में आते हैं, मेरी कोई चाय भी नहीं पीता। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री ऐसा कर लोगों की सहानुभूति बटोरने का प्रयास करते हैं। वे कितनी बार वे झूठ बोलेंगे, वे झूठों के सरदार है। खड़गे ने राज्य पर बढ़ रहे कर्ज पर चिंता जताते हुए कहा कि यह राशि भी प्रधानमंत्री मोदी लोगों की जेब से वसूलेंगे। कांग्रेस को फिर से मौका देने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान में बाबा साहब अम्बेडकर ने उन्हें सरकार बदलने का अधिकार दिया है, वे इसका उपयोग करें। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र डेडियापार में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि गुजरात का यह चुनाव गुजरात के लिए ही नहीं सारे देश के लिए महत्वूपूर्ण है। भाजपा यहां 27 साल से हुकूमत कर रही है। इतने वर्षों जनता की समस्या अगर हल नहीं कर सकती है तो जनता उन्हें हटा दें। आम आदमी पार्टी का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि दिल्ली से आकर लोग टांग मारते हैं, उनका कुछ नहीं होगा। गांधी, नेहरू और सरदार पटेल की चर्चा कर उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इस देश को बनाया है। गांधी ने आजादी दिलाई, पटेल ने एकता दिलाई और नेहरू ने लोकतंत्र की बुनियाद डाली और इसे चलाया। आजादी के बाद लोकतंत्र के अनुसार देश चल रहा है। कांग्रेस के जमाने में मजबूती से काम हुआ, ऐसा नहीं हुआ कि पुल बना और गिर गया। उन्होंने देश को मजबूती के साथ रखा है। खड़गे ने कहा कि इसके बावजूद उनसे पूछा जाता है कि 70 साल में कांग्रेस ने क्या किया। यदि हम कुछ नहीं करते तो लोकतंत्र नहीं मिलता। भाजपा सरकार पर उन्होंने गरीबों और उनकी जमीन लूटने का आरोप लगाया। आदिवासियों की जमीन, जंगल और पानी खत्म कर अमीरों को देने की बात कही। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के लोग कांग्रेस पर सरदार पटेल का सम्मान न रखने का आरोप लगाते हैं।

समान नागरिक संहिता...

खराब कोशिकाओं पर नजर रख कर उन्हें खत्म कर देती है और शरीर को स्वस्थ रखती हैं, उसी तरह देश में राष्ट्र-विरोधी कोशिकाओं पर नजर रखना राज्य की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कुछ राष्ट्रविरोधी कोशिकाएं, भूमिगत होकर काम करती हैं ऐसे में इन पर नजर रखने के लिए एंटी-रेडिकलाइजेशन सेल की आवश्यकता होती है। इससे पहले गुजरात चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी करते हुए भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने शनिवार को आतंकवादी संगठनों और भारत विरोधी ताकतों के संभावित खतरों और स्लीपर सेल की पहचान करने और उन्हें खत्म करने के लिए सेल गठित करने की घोषणा की थी। साक्षात्कार के दौरान, गुजरात में भाजपा द्वारा मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारने के बारे में पूछे जाने पर जेपी नड्डा ने कहा कि चुनाव के लिए टिकट विशुद्ध रूप से जीतने की क्षमता के आधार पर दिए जाते हैं। नड्डा ने उदाहरण देते हुए कहा कि स्वर्गीय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम भाजपा के समर्थन से राष्ट्रपति बने थे। इसके अलावा फिर केंद्र की मोदी सरकार ने मुस्लिम राज्यपालों को भी नियुक्त किया। हम सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत का पालन करते हैं। भाजपा के घोषणापत्र में विपक्षियों की तरह मुफ्त के वादों पर जवाब देते हुए भाजपा अध्यक्ष ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि किसी को भी सशक्तिकरण और आकर्षण के बीच अंतर करना चाहिए। भाजपा की विरोधी पार्टियां विशेष रूप से आप और कांग्रेस जानती हैं कि वे गुजरात की सत्ता में नहीं आने जा रहे। इसलिए, वे अपने लिए आवश्यक धन और बजट का हिसाब किए बिना मुफ्त की घोषणा कर सकते हैं, लेकिन हमारी योजनाएं और कार्यक्रम गरीबों और जरूरतमंदों को सशक्त बनाने के लिए हैं। यह मुफ्त उपहारों की तरह नहीं है, जो सभी के लिए मुफ्त हैं। हमारे कार्यक्रम विशेष रूप से आबादी के एक वर्ग के लिए हैं। भाजपा के कल्याणकारी कार्यक्रम गरीबों और जरूरतमंदों के सशक्तिकरण के लिए हैं। साक्षात्कार के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अपनी पार्टी की बड़ी जीत को लेकर आश्वस्त दिखे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के लोगों के दिलों में बसते हैं। यहां के लोग फिर से भाजपा में अपना विश्वास जताएंगे और पार्टी एक और कार्यकाल के लिए जीत दर्ज करेगी।

आतंक पर कांग्रेस ...

को वोट बैंक के चश्मे से देखती है। न केवल कांग्रेस, बल्कि उसके समान विचार वाले कई दल आ गए हैं जो आतंकवाद को कामयाबी पाने के शॉर्टकट के रूप में देखते हैं और ऐसे छोटे दलों की सत्ता की भूख और भी बड़ी है। मोदी ने कहा कि जब बड़े आतंकवादी हमले होते हैं तो इन दलों के मुंह बंद रहते हैं कि कहीं उनका वोट बैंक नाराज न हो जाए। वे आतंकवादियों को बचाने के लिए पिछले दरवाजे से अदालत भी जाते हैं। मोदी ने कहा कि जब बटला हाउस मुठभेड़ हुई थी तो एक कांग्रेस नेता आतंकवादियों के लिए रोये थे। गुजरात और देश को ऐसे दलों से सतर्क रहना चाहिए।

जी-20 की अध्यक्षता...

चुनौतियों का समाधान प्रदान करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि शांति हो या एकता, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता हो या सतत विकास, भारत के पास इन सभी चुनौतियों का समाधान है। उन्होंने कहा कि हमने एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य की जो थीम दी है, उससे वसुधैव कुटुम्बकम के लिए हमारी प्रतिबद्धता जाहिर होती है। उल्लेखनीय है कि 16 नवंबर को बाली शिखर सम्मेलन के समापन समारोह में जी-20 की अध्यक्षता भारत को सौंपी गई। भारत आधिकारिक तौर पर 1 दिसंबर को इंडोनेशिया के मौजूदा अध्यक्ष से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में देशभर में जी-20 से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान, दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से लोग यहां आएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि जी-20 में आने वाले लोग, भले ही अभी एक डेलीगेट के रूप में आयें, लेकिन भविष्य के पर्यटक भी हैं। उन्होंने युवाओं से किसी ना किसी रूप में जी-20 से जुड़ने आ आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि तेलंगाना के राजन्ना सिर्सिल्ला जिले के एक बुनकर येल्धी हरिप्रसाद गारू ने उन्हें जी-20 के प्रतीक चिन्ह वाला उपहार भेजा है। उन्होंने कहा कि देश के लोग स्वयं को जी-20 से जोड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जी-20 की विश्व की जनसंख्या में दो-तिहाई, वैश्विक व्यापार में तीन-चौथाई, और वैश्विक जीडीपी में 85 प्रतिशत भागीदारी है आप कल्पना कर सकते हैं - भारत अब से 3 दिन बाद यानी 1 दिसंबर से इतने बड़े समूह की, इतने सामर्थ्यवान समूह की, अध्यक्षता करने जा रहा है । भारत के लिए, हर भारतवासी के लिए, ये कितना बड़ा अवसर आया है। उन्होंने रॉकेट *विक्रम एस* के प्रक्षेपण की सराहना करते हुए कहा कि 18 नवंबर को, भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक उपलब्धि हासिल की, जब एक रॉकेट *विक्रम एस* को अंतरिक्ष में लॉन्च किया गया। इसे निजी क्षेत्र द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत स्पेश के क्षेत्र में अपनी सफलता पड़ोसी देशों से भी साझा कर रहा है। कल ही भारत ने एक उपग्रह प्रक्षेपण किया जिसे भारत और भूटान ने मिलकर तैयार किया है। यह उच्च-रिजॉल्यूशन वाली तस्वीरें भेजेगा जो भूटान को प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन में मदद करेगी। उपग्रह का प्रक्षेपण भारत और भूटान के बीच मजबूत संबंधों का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने ड्रोन के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि ड्रोन के क्षेत्र में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बर्ढ़बारी के दौरान हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में ड्रोन के जरिए सेब की ढुलाई की गई। किन्नौर हिमाचल का एक दूरस्थ जिला है और इस मौसम में यहां भारी बर्फबारी होती है। ऐसे में वहां से सेब की ढुलाई कठिन होती है। ड्रोन से हमारे किसानों का खर्च कम होगा और सेब समय पर मंडी पहुंच पायेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने महात्मा गांधी के पसंदीदा *वैष्णव जन तो* गाने वाले ग्रीस के एक कलाकार कोन्स्टेंटिनोस कलित्जसि का जिक्र करते हुए कहा कि संगीत न केवल मन को सुकून देता है बल्कि हमारे समाज को भी जोड़ता है। उन्होंने इसे गांधीजी के 150वें जन्म-जयंती समारोह के दौरान गया था। उनके मन में भारत और यहां के संगीत को लेकर गजब का पेशन है। भारत से जुड़े अपने इन तमाम अनुभवों को अब उन्होंने एक पुस्तक में बहुत ही खूबसूरती से पिरोया है। दूसरे देशों में भारतीय संस्कृति को लेकर ऐसा उत्साह और आकर्षण वाकई आनंद से भर देने वाला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि पिछले आठ वर्षों में भारत से वाद्य यंत्रों का निर्यात साढ़े तीन गुना बढ़ गया है। विद्युत संगीत वाद्ययंत्रों के बारे में बात करें तो उनका निर्यात 60 गुना बढ़ गया है। इससे पता चलता है कि पूरी दुनिया में भारतीय संस्कृति और संगीत का क्रेज बढ़ता जा रहा है।

हिंदी थोपने के ...

स्टालिन के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने राज्य विधानसभा में *हिंदी थोपने* के खिलाफ एक प्रस्ताव पेश किया था। प्रस्ताव में कहा गया था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व वाली राजभाषा पर संसदीय समिति द्वारा हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी गई रिपोर्ट पर आज देश भर में बहस हुई है। तमिलनाडु सरकार ने कहा कि उस रिपोर्ट में की गई कई सिफारिशें तमिलनाडु सहित गैर-हिंदी भाषी राज्यों के लोगों के लिए हानिकारक हैं और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा किए गए वादे के विपरीत हैं। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि यह सदन इस बात पर चिंता व्यक्त करता है कि संसदीय समिति की सिफारिशें, जो अब प्रस्तुत की गई हैं, इस अगस्त सदन में पेरारिग्नर अन्ना द्वारा पेश किए गए और पारित किए गए दो-भाषा नीति प्रस्ताव के खिलाफ हैं। यह पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू द्वारा किए गए वादे के विपरीत गैर- हिंदी भाषी राज्य और राजभाषा को लेकर 1968 और 1976 में पारित प्रस्तावों द्वारा सुनिश्चित की गई आधिकारिक भाषा के रूप में अंग्रेजी के उपयोग के खिलाफ हैं। अब तमिलनाडु को एक बार फिर मातृभाषा तमिल की रक्षा, अंग्रेजी को आधिकारिक भाषा के रूप में बनाए रखने के लिए संघर्ष करना है। प्रस्ताव में कहा गया कि संविधान की 8वीं अनुसूची में सभी 22 भाषाओं को संरक्षित करने और गैर-हिंदी भाषी राज्यों के लोगों के अधिकारों को बनाए रखने के लिए उन्हें सबसे आगे रखा गया है।

कम बुखार होने पर ...

के लिए पांच दिन, समुदाय के संपर्क में आने से हुए निमोनिया के मामले में पांच दिन और अस्पताल में हुए निमोनिया के लिए आठ दिन के लिए एंटीबायोटिक दी जानी चाहिए। दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि नैदानिक जांच हमें रोग के लक्षणों का कारण बनने वाले रोगजनकों के बारे में पता करने में मदद करती है। इससे संक्रमण का निदान करने के लिए बुखार, प्रोकैल्सीटोनिन स्तर, डब्ल्यूबीसी गणना, कल्चर या रेडियोलॉजी पर आंख मूंदकर भरोसा करने के बजाए एंटीबायोटिक की सही मात्रा तैयार करने में मदद मिलेगी। आईसीएमआर ने गंभीर रूप से बीमार रोगियों के लिए अनुभवसिद्ध एंटीबायोटिक चिकित्सा को सीमित करने की सलाह दी है। इस अनुसंधान निकाय द्वारा एक जनवरी और 31 दिसंबर, 2021 के बीच किए गए सर्वेक्षण में कहा गया था कि भारत में बड़ी संख्या में अब रोगियों के लिए *कार्बापेनम* एंटीबायोटिक उपयोगी साबित नहीं हो रही और उन पर अब इसका कोई असर नहीं हो रहा। डेटा के विश्लेषण ने दवा के प्रभाव को बेसर करने वाले रोगजनकों में निरंतर वृद्धि की ओर इशारा किया है और इस वृद्धि के परिणामस्वरूप उपलब्ध दवाओं के जरिए कुछ संक्रमणों का इलाज करना मुश्किल हो गया है।

स्वर्वेद भाष्य

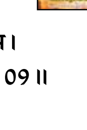

चतुर्थ मंडल **पंचम अध्याय**

(आनन्द)

डुबुकी मार समुद्र में, दशो दिशा सुखरास।
आनन्द आनन्द हो रहा, पूरणानन्द विकाश॥ 09॥

शब्दार्थ : (सुखरास) ब्रह्मानंद (विकाश) उत्थान।

भाष्य : समुद्र में डुबकी मारने पर चारों ओर जल-ही-जल दिखाई पड़ता है, उसी प्रकार योग-बुद्धि से सद्गुरु-मार्ग द्वारा डुबकी लगाने पर चारों ओर आनंद-ही-आनंद प्राप्त होता है और पूर्ण आनंद का विकास उपलब्ध होता है।

आप आनंद स्वरूप भो, अन्य आनन्द न कोय।
सोइ आनन्द समाधि है अनुभव अनुभव होंय॥ 10॥

शब्दार्थ : (आनन्द) परब्रह्म (अनुभव) सद्ज्ञान।

भाष्य : परमानंद के समान दूसरा कोई आनंद नहीं है। आत्मा उस आनंद को भोगतो-भोगते आनंदस्वरूप हो जाती है, वही आनंद-समाधि है, जो आत्मा द्वारा अनुभव होने पर चेतन योग से प्राप्त होती है।

श्री गुरु तेग बहादुर साहब ने हमें शांति और सद्भाव का मार्ग दिखाया : मुखी

राज्यपाल ने किया धुबड़ी गुरुद्वारा साहिब का दौरा

धुबड़ी (हि.स.)। राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने सिक्खों के नौवें गुरु श्रीगुरु तेग बहादुर साहबजी के 347वें शहीदी दिवस के अवसर पर धुबड़ी गुरुद्वारा साहिब का दौरा किया। उन्होंने गुरु तेग बहादुर साहब को नमन किया और असम के सर्वांगीण प्रगति और शांति के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर प्रो. मुखी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने हमें जीवन के वास्तविक उद्देश्यों से परिचित कराया, हमें विभिन्न मानवीय कष्टों के निवारण को सिखाया और हमें शांति और सद्भाव का मार्ग दिखाया। नौवें गुरु तेग बहादुरजी के साहस और बलिदान की गाथा इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखी गई है। अपने धर्म, मानवीय मूल्यों, आदर्शों और सिद्धांतों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों में गुरु साहिब का स्थान सर्वोपरि है। राज्यपाल ने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिबजी ने अपने अनुयायियों को परिणाम के बारे में चिंता न करने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि सब कुछ नानक द्वारा नियंत्रित किया जाता है। उन्होंने ईश्वर की सर्वव्यापकता का भी सुंदर चित्रण किया है। उन्होंने सिखाया कि भगवान हर जगह मौजूद हैं, मेरे भीतर, तुम्हारे भीतर, मेरे बाहर और तुम्हारे बाहर। उन्होंने निर्देश दिया कि हर स्थिति में शांति बनाए रखना ही जीवन मुक्ति का वास्तविक मार्ग है। प्रो. मुखी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर का साहस और बलिदान अनुकरणीय था। वर्तमान समाज तेग बहादुरजी का ऋणी है। इस दिन हमें उस समाज को मजबूत करने के लिए गुरु तेग बहादुर के सपनों को पूरा करने और बनाए रखने के लिए काम करने का संकल्प लेना चाहिए, जिसका गुरु ने सपना देखा था। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर के दर्शन और शिक्षाएं मानवता को प्रेरित करती हैं। उन्होंने अपने अनुयायियों को सिखाया कि अहंकार, लालच, मोह और अन्य खामियों को कैसे दूर किया जाए। राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि सिख प्रतिनिधि बोर्ड पूर्वी क्षेत्र गुरु तेग बहादुरजी के संदेशों को फैलाने के साथ-साथ सिखों के स्वर्णिम इतिहास और परंपरा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कार्य करेगा।

क्रिकेट को गुवाहाटी से आगे ले जाने पर ध्यान : एसीए के नए अध्यक्ष

गुवाहाटी। असम क्रिकेट संघ (एसीए) के अध्यक्ष तरंगा गोगोई ने कहा कि नई समिति का ध्यान इस खेल को गुवाहाटी से आगे छोटे शहरों में ले जाने पर होगा। गोगोई के अगुवाई में नई समिति ने रविवार को अपना कार्यभार संभाला। उन्होंने कहा कि उनकी समिति बुनियादी ढांचा और कोचिंग सुविधाएं प्रदान करने पर ज्यादा ध्यान देगी। एसीए अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद गोगोई ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि क्रिकेट केवल गुवाहाटी तक ही सीमित न रहे। गोगोई का संबंध भारतीय जनता पार्टी से है और वह नाहरकटिया निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार विधायक बने है। उन्होंने खेल के विकास के लिए उचित बुनियादी ढांचे और कोचिंग सुविधाओं के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारी पूर्ववर्ती समिति ने राज्य भर में बहुत सारे बुनियादी ढांचे के विकास कार्य शुरू किए हैं। हम उन्हें पूरा करने के साथ-साथ नए कार्य भी शुरू करने की सोच रहे हैं। हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि हमारे क्रिकेटरों के लिए पर्याप्त कोचिंग और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने यह भी कहा कि एसीए भारतीय क्रिकेट बोर्ड से से गुवाहाटी को अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच आवंटित करने के लिए कहेगा, जिसमें भारत में 2023 में होने वाले विश्व कप मैच भी शामिल हैं। गोगोई सहित पांच अन्य को रविवार को एसीए की शीर्ष परिषद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया था। राजदीप ओझा एसीए के नए उपाध्यक्ष होंगे, जबकि त्रिदीब कोंवर सचिव होंगे। शीर्ष परिषद के अन्य सदस्यों में राजिंदर सिंह (संयुक्त सचिव), चिरंजीत लंगथासा (कोषाध्यक्ष) और अनुपम डेका (सदस्य, शीर्ष परिषद) हैं। इसमें दो खिलाड़ियों (सदस्य) को इंड़ियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन और एक सदस्य को असम के महालेखाकार कार्यालय से नामित किया जायेगा। नौ सदस्यीय परिषद का कार्यकाल तीन वर्ष का होता है।

मृत वन रक्षक के परिवार को 14 लाख व पत्नी को सरकारी नौकरी

गुवाहाटी। असम-मेघालय सीमा पर हुई हिंसा में जान गंवाने वाले वन रक्षक बिदयासिंग लेखते के परिवार को 14 लाख रुपये का मुआवाजा और उनकी सेवानिवृत्ति की उम्र तक के वेतन के साथ-साथ उनकी पत्नी को सरकारी नौकरी मिलेगी। सीमा पर हुई हिंसा के तत्काल बाद असम सरकार ने जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया था। हिंसा में मेघालय के पांच ग्रामीण और वन सुरक्षा बल कर्मी की मौत हो गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि असम के पहाड़ी क्षेत्र विकास मंत्री जोगेन मोहन और कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी (सीईएम) सदस्य तुलीराम रोंगांग, लेखते के घर गए थे और उनके परिवार के लिए राहत उपायों की घोषणा की। अधिकारी के मुताबिक, मोहन ने कहा कि वन विभाग परिवार को चार लाख रुपये देगा, जबकि रोंगहांग ने घोषणा की कि परिषद पांच लाख रुपये प्रदान करेगी। यह राशि असम सरकार द्वारा पहले ही घोषित की गई राशि के अतिरिक्त होगी। इसके अलावा, लेखते की पत्नी को जान गंवाने वन कर्मी की सेवानिवृत्ति की आयु तक का वेतन मिलता रहेगा। अधिकारी ने कहा कि सीईएम ने कहा कि परिषद आने वाले दिनों में लेखते की पत्नी को सरकारी नौकरी देने के लिए जरूरी इंतजाम करेगी। गौरतलब है कि वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिले में असम-मेघालय सीमा पर अवैध लकड़ी ले जा रहे एक ट्रक को गत मंगलवार की तड़के पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद हिंसा भड़क गई थी जिसमें छह लोगों की मौत हो गई थी।

एनएच-37 पर सड़क हादसे में दो की मौत

शिवसागर (हि.स.)। शिवसागर जिले के बिक्रमपुर तिनाली इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर रविवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो व्यक्तियों की मौत हो गई। हादसा बाइक और मालवाहक वाहन के बीच आमने-सामने की टक्कर के दौरान हुआ। जानकारी के अनुसार शिवसागर के साउलकरा 1 नंबर निवासी पूजा बरुवा और शिवसागर के कमारफोदिया निवासी तारिक अली बाइक से शिवसागर से जोरहाट जा रहे थे। बिक्रमपुर तिनाली इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर उनकी बाइक को एक मालवाहक वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवती और युवक की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है।

दुधनै और धूपधरा स्टेशनों के बीच दोहरी लाइन शुरू

गुवाहाटी (विभास)। रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस)/एनएफ सर्किल ने 24 नवंबर, 2022 को दुधनई और धूपधरा स्टेशनों के बीच नव स्थापित दोहरी लाइन का वैधानिकनिरीक्षण पूरा किया। इस नव स्थापित दूसरी लाइन का उपयोग 100 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति के साथ माल और यात्री परिवहन के लिए किया जाएगा। न्यू बंगाईगांव-कामाख्या वाया ग्वालपाड़ा दोहरीकरण परियोजना की पूरी लंबाई 176 किलोमीटर है। दुधनई से धूपधरा के बीच का खंड 29.71 किलोमीटर का है। रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस)/एनएफ सर्किल द्वारा 122 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से स्पीड ट्रायल किया गया। आधुनिक प्रौद्योगिकियां जैसे सभी व्यापक आधार प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) स्लीपर और थिक वेब स्विच के उपयोग के साथ मजबूत ट्रैक संरचना, जो प्री- स्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपरों पर मजबूत स्विच की नई डिजाइन है और उच्च गति को संभाल सकती हैं, इस दोहरी लाइन क्षेत्र के लिए उपयोग की गई है। यहां यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि दोहरी लाइन बिछाने के साथ, स्टेशनों पर स्टॉप-ओवर क्रॉसिंग के बिना दोनों दिशाओं में ट्रेनों की आवाजाही की जा सकती है, जिससे ट्रेनों की समय-पाबंध में वृद्धि होगी। बढ़ी हुई गति के साथ और अधिक ट्रेनें चलाई जा सकती हैं। इससे पहले अभयापुरी से पंचरत्न के बीच 26.43 किलोमीटर खंड 28 जुलाई, 2022 को कमीशंड हुआ था। न्यू बंगाईगांव-कामाख्या वाया ग्वालपाड़ा के इस सम्पूर्ण खंड के पूर्ण होने पर पूर्वोत्तर कनेक्टिविटी में काफी वृद्धि होगी।

चराइदेव : आयरन की गोली खाने से 52 छात्र बीमार

चराईदेव। राज्य का स्वास्थ्य विभाग चराइदेव जिले की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है, जहां आयरन फोलिक टैबलेट (आईएफए) लेने के बाद 52 छात्र बीमार पड़ गए। समाचार लिखे जाने तक सोनारी सिविल अस्पताल में भर्ती सभी 52 छात्रों को मेडिकल टीम द्वारा जांच के बाद छुट्टी दे दी गई है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, पातसाकु ब्लॉक पीएचसी के अंतर्गत बटाउ उप-केंद्र की एक स्वास्थ्य टीम ने सबसे पहले खेरानीपाथर एलपी स्कूल के 75 छात्रों को आईएफए की गोलियां वितरित कीं। स्वास्थ्य टीम बाद में 26 छात्रों को टैबलेट वितरित करने के लिए निर्मलिया प्राथमिक विद्यालय क्रमांक 686 गई। दोनों विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति में आईएफए टैबलेट का वितरण किया गया। स्वास्थ्य टीम ने टेबलेट बांटने से पहले बच्चों को खाली पेट टैबलेट का सेवन न करने की सलाह दी थी। कुछ देर बाद स्वास्थ्य टीम को स्कूल के अधिकारियों से सूचना मिली कि प्रत्येक स्कूल से दो-दो बच्चे उल्टी और पेट दर्द की शिकायत कर रहे हैं. उन्हें तुरंत इलाज के लिए सोनारी सिविल अस्पताल ले जाया गया। बाद में दोनों स्कूलों के 48 अन्य बच्चों को जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। सिविल अस्पताल में उपस्थित चिकित्सकों द्वारा सभी भर्ती बच्चों की जांच की गई और एडीसी-स्वास्थ्य, अंचल अधिकारी व स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में जांच के बाद छुट्टी दे दी गई। चराइदेव के उपायुक्त ने भी सिविल अस्पताल का दौरा किया और डॉक्टरों, बच्चों और अभिभावकों से बातचीत की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है और आगे किसी आपात स्थिति के लिए निगरानी की जा रही है।

मायुमं, गुवाहाटी की एनईपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट, प्रोमोटर्स मीट संपन्न

गुवाहाटी (नसं)। मारवाड़ी युवा मंच (मायुमं) गुवाहाटी शाखा का नॉर्थ ईस्ट प्रीमियर लीग (एनईपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट सिजन-6 के लिए तैयारियां शुरू हो गई है। विगत दिनों नगर के कुमारपाड़ा स्थित काके दी हट्टी रेस्टूरेंट में एनईपीएल प्रोमोटर्स मीट का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि मारवाड़ी युवा मंच मंच गुवाहाटी शाखा पिछले छह सालों से लगाातर इस टूर्नामेंट का आयोजन करती आ रही है। इस क्रिकेट टूर्नामेंट में मारवाड़ी समाज के युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जाता है। इस वर्ष यह टूर्नामेंट आगामी 4 से 11 जनवरी के बीच नगर के जजेज फील्ड एवं लताशील फील्ड में आयोजित किया जाएगा। अब तक दस टीमों का चयन कर लिया गया है। वहीं अब तक लगभग 250 से अधिक खिलाड़ियों ने अपना पंजीकरण करवा लिया है। इस वर्ष एनईपीएल आयोजन के लिए मितेश सुराना को चेयरमैन मनोनीत किया गया है, जबकि विकास शाह, संदीप खेमका, आकाश शर्मा एवं मुकेश बरड़िया को संयोजक मनोनीत किया गया है। प्रोमोटर्स मीट के दौरान सभी दस टीमों के प्रोमोटर्स, के साथ ही एनईपीएल के चीफ गवर्निंग काउंसिल सदस्य रमेश चांडक, पूर्व शाखाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव चांडक, प्रांतीय कोषाध्यक्ष सुभाष सुराणा, प्रांतीय सदस्यता विस्तार संयोजक प्रियंक जालान उपस्थित थे। साथ ही शाखाध्यक्ष सूरज जैन, शाखा मंत्री विनय कांकरिया, कोषाध्यक्ष सुमित भंसाली के साथ ही काफी संख्या में शाखा पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे। शाखाध्यक्ष सूरज जैन ने बताया कि एनईपीएल आयोजन का मुख्य उद्देश्य मारवाड़ी समाजके युवाओं को उनकी प्रतिभा उजागर करने का मौका प्रदान करना है। यह जानकारी शाखा के जनसंपर्क अधिकारी आकाश शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी है।

सीआरपीएफ के 152 बटा. ने युवाओं को सीएपीएफ भर्ती पर किया जागरूक

गुवाहाटी (विभास)। आज ग्वालपाड़ा जिले के शास्त्री नगर स्थित 152 बटालियन सीआरपीएफ द्वारा जेटीएस ग्राउंड ग्वालपाड़ा में सीएपीएफ में भर्ती हेतु जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में अर्द्धसैनिक बलों में निकली 45,000 पदों पर भर्ती के लिए जिले के दूर दराज के इलाके के युवाओं को भर्ती से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई तथा भर्ती हेतु लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं कंप्यूटर शिक्षा हेतु फ्री कोचिंग की व्यवस्था हेतु रजिस्ट्रेशन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान देव शंकर मिश्र कमांडेंट -152 ने युवाओं को संबोधित करते हुए अर्द्धसैनिक बलों में शामिल होने हेतु मार्गदर्शन किया एवं बल में शामिल होने हेतु प्रेरित किया गया। मिश्र ने युवाओं को भर्ती की तैयारी हेतु हर संभव प्रयास करने एवं वाहिनी द्वारा फ्री कोचिंग हेतु भी आश्वस्त किया जिसके प्रत्युत्तर में युवाओं ने उत्सुकता व तालियों की गड़गड़ाहट से इस महत्वपूर्ण कदम की प्रशंसा। इस कार्यक्रम के दौरान देव शंकर मिश्र कमांडेंट-152 के साथ बाबू साहेब उप कमां, अधिनस्थ अधिकारी, जवान, मिड़िया कर्मी एवं भारी संख्या में युवक व युवतियां उपस्थित थी।

पिच्छिका परिवर्तन समारोह भव्य रूप से संपन्न

गुवाहाटी (नसं)। सुबह 9 बजे दिगंबर जैन मंदिर, एसआरसीबी रोड से हेम बरुआ पथ होते हुए एमएस पथ स्थित महावीर धर्म स्थल पहुंचा। संजय रारा की संयोजना में आलीशान, विशाल, शानदार जुलुस में विभिन्न रंगों के झंडा हाथों में लिए, सिर पर जिनवाणी, वस्त्र, पिच्छिका लेकर असम की पारंपरिक वस्त्र से सुसज्जित सहस्त्राधिक पुरुष व महिलाएं शामिल थी। प्रमुख गणिनी आर्यिका गुरु मां विंध्य माताजी के ससंघ मंच पर विराजमान होने के साथ साथ मीनाक्षी जैन ने नृत्य के साथ मंगलाचरण प्रस्तुत किया। आचार्य गुरुवर विराग सागर जी महाराज के चित्र अनावरण तथा दीप प्रज्वलन नेमिनाथ भक्त मंडल ने किया। रंगिया,विजयनगर, नलबाड़ी,टिहु, जोरहाट, डिमापुर व सुदूर चंडीगढ़ की समाज के पुरुष व महिला पदाधिकारियों के अलावा आर्यिका संघ के आहार व्यवस्था में सहयोगी महिलाओं का सामाजिक अभिनंदन किया गया। समारोह में उपस्थित 557 दिनों का मौन व सिंह निष्कृड़ित व्रत की साधना में रत आचार्य प्रशन्नसागर जी महाराज के सान्निध्य में झारखंड में अवस्थित जैनों के शाश्वत तीर्थक्षेत्र सम्मेदशिखर में आयोजित होनेवाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के बारे में विस्तार पूर्वक महासभा के पूर्वोत्तर के अध्यक्ष राजकुमार सेठी व सिद्धायतन के निदेशक व पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के स्वागताध्यक्ष संतोष सेठी ने दी। दिगंबर जैन युथ फेडरेशन की महिला शाखा ने भक्ति नृत्य गीत प्रस्तुत कर समारोह को चार चांद लगाए। नलबाड़ी के जिनेंद्र जैन,संघस्थ आर्यिका विद्वतमती माताजी ने गुरुभक्ति में संगीतमय पूजन व आर्यिका सुनंदनमती माता ने अपने सुमधुर कंठ से भजन गाए। गुवाहाटी की सभी जैन संस्थाओं के सदस्यों तथा बाहर से आए हुए अतिथियों ने भक्ति पूर्वक गुरु के प्रति समर्पित भाव से पूजा अर्चना करते हुए अर्घ चढ़ाकर पुण्यार्जन का लाभ उठाया जिसमें रेहाबाड़ी, आठगांव,पानबजार व केदाररोड के श्रद्धालु भी शामिल थे। प्रचार प्रसार विभाग के मुख्य संयोजक ओमप्रकाश सेठी व किशोर कुमार जैन ने बताया कि आर्यिका संघ को पिच्छिका, शास्त्र व वस्त्र प्रदान करने का सौभाग्य नेमिचंद्र-चंद्रकला,पुष्प कुमार-पुष्पा देवी रारा, विजय कुमार मंजुदेवी छाबड़ा, राजकुमारी संजय काशलीवाल, रतनलाल हुकमीचंद सेठी लाडनूं निवासी, गुरु मां विंध्य माता भक्त परिवार डिमापुर के परिवार को प्राप्त हुआ। प्रात्सुरज ने भेजा ये संदेश की काव्यात्मक अभिव्यक्ति के साथ के साथ आचार्य गुरुवर की महिमा व उपकार तथा संयम धारण को हर दिन की दिवाली बताया। आर्यिका गुरु मां ने बताया कि पिच्छिका परिवर्तन नहीं हृदय का परिवर्तन है। मोर की पंख को पवित्र बताते हुए इसके गुणों का उल्लेख करते हुए बताया कि यह धूल, पसीना को ग्रहण कर लेती है तथा दिखने में मृदु व सुंदर होती है । जो पिच्छी धारण करते हैं उनके 105 गुण होते हैं। दिगंबर जैन पंचायत के मंत्री बीरेंद्र सरावगी के संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में विजय गगंवाल,सुरेश काशलीवाल, कैलाश पांड्या, सुरेश बाकलीवाल, नरेंद्र गगंवाल, श्री दिगंबर जैन महिला समिति, दिगंबर जैन युथ फेडरेशन का भरपूर सहयोग मिला। इस आशय की जानकारी प्रचार प्रसार विभाग के सह संयोजक रामचंद्र सेठी ने दी।

पूप्रमास के प्रांतीय पदाधिकारी निचले असम दौरे पर

गुवाहाटी (नसं)। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) के प्रांतीय अधिकारियों ने शनिवार को निचले असम का दौरा किया। प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल के नेतृत्व में गए दल में महामंत्री अशोक अग्रवाल शामिल थे। इस दौरान रंगिया, नलबाड़ी व बरपेटा रोड शाखा का दौरा कर प्रांतीय अधिकारियों ने वहां के पदाधिकारियों से मुलाकात की एवं क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने की दिशा में विचार-विमर्श किया गया। सबसे पहले प्रांतीय अधिकारियों ने रंगिया शाखा का दौरा किया जहां पर शाखाध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, उपाध्यक्ष योगेश शर्मा, व बासुदेव शर्मा, सविच जीतेंद्र जाजोदिया, कोषाध्यक्ष पवन जाजोदिया, कार्यकारिणी सदस्य कैलाश छित्रका, सलाहकार महेश सिकरिया आदि ने उनका स्वागत किया। तत्पश्चात नलबाड़ी शाखा का दौरा किया जहां अध्यक्ष संतोष भरतीय, कार्यकारी अध्यक्ष सुनिल शर्मा, उपाध्यक्ष पदम जैन, कोषाध्यक्ष दीपक बजाज, कार्यकारिणी सदस्य बजरंग खेमका सहित अन्य सदस्यों ने प्रांतीय अधिकारियों का अभिनंदन किया। प्रांतीय जनसंपर्क अधिकारी विवेक सांगानेरिया ने बताया कि निचले असम दौरे के अंतिम प ?ाव के अंतर्गत बरपेटा रोड शाखा का दौरा किया गया। यहां पर प्रांतीय अध्यक्ष खंडेलवाल, महामंत्री अग्रवाल के अलावा मंडलिय उपाध्यक्ष भैरो शर्मा, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य सीता हरलालका, बरपेटा रोड शाखाध्यक्ष सुरेश चौधरी, सचिव प्रमोद अग्रवाल, महिला शाखाध्यक्ष इस्मिता शर्मा, शाखा सचिव कविता खेमका सहित दोनों शाखाओं के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। इस दौरान विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में शाखा के पदाधिकारियों को संगठन को और मजबूत करने के दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। तत्पश्चात प्रांतीय अधिकारियों ने बरपेटा रोड निवासी स्व. राम अवतार माहेश्वरी तथा प्रांतीय पदाधिकारी बजरंग सिमलिया की धर्मपत्नी के निधन पर उनके घर जाकर मुलाकात की और सम्मेलन परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

नौसेना अकादमी ने तैयार किए सात मित्र देशों के 51 विदेशी कैडेट, पास आउट हुए 252 अधिकारी

- सफल प्रशिक्षुओं ने चमचमाती तलवारों और राइफलों के साथ सैल्यूट की मुद्रा में मार्च किया
- बीटेक कोर्स के लिए 'प्रेसिडेंट्स गोल्ड मेडल' मिडशिपमैन अनिवेश सिंह परिहार को मिला

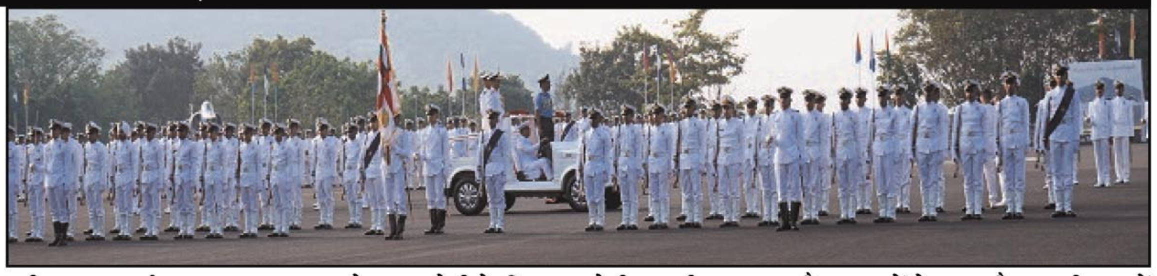

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना अकादमी ने 252 अधिकारी तैयार किये हैं, जिनमें 103 भारतीय नौसेना अकादमी कोर्स के मिडशिपमैन हैं। शानदार पासिंग आउट परेड में सफल प्रशिक्षुओं ने अपनी चमचमाती तलवारों और राइफलों के साथ सैल्यूट की मुद्रा में मार्च किया। पास आउट हुए प्रशिक्षुओं में 07 मित्र देशों के 16 विदेशी कैडेट एवं 35 महिलाएं भी शामिल हैं। भारतीय नौसेना अकादमी बीटेक कोर्स के लिए 'प्रेसिडेंट्स गोल्ड मेडल' मिडशिपमैन अनिवेश सिंह परिहार को दिया गया। नौसेना प्रवक्ता के मुताबिक एझिमाला स्थित नौसेना अकादमी में शनिवार को हुई शानदार पासिंग आउट परेड (पीओपी) में 252 प्रशिक्षु शामिल हुए। इनमें भारतीय नौसेना अकादमी कोर्स के 103 मिडशिपमैन, नेवल ओरिएंटेशन कोर्स (नियमित) के 36 कैडेट, नेवल ओरिएंटेशन कोर्स (कोस्टगार्ड) के 36 कैडेट, नेवल ओरिएंटेशन कोर्स (विदेशी) के 36 कैडेट, नेवल ओरिएंटेशन कोर्स (एक्सटेंडेड) के कैडेट शामिल थे। पास आउट हुए प्रशिक्षुओं में 07 देशों के 16 विदेशी कैडेट एवं 35 महिलाएं भी शामिल हैं। परेड की समीक्षा एयर मार्शल बलभद्र राधा कृष्ण ने की और सेरेमोनियल रिव्यू पूरा होने पर मेधावी मिडशिपमैन और कैडेट्स को पदक प्रदान किए। भारतीय नौसेना अकादमी के कमांडेंट वाइस एडमिरल पुनीत के. बहल कंडक्टिंग ऑफिसर थे।

भारतीय नौसेना अकादमी बीटेक कोर्स के लिए 'प्रेसिडेंट्स गोल्ड मेडल' मिडशिपमैन अनिवेश सिंह परिहार को दिया गया। इसके अलावा आईएनएसी बीटेक पाठ्यक्रम के लिए मिडशिपमैन मनोज कुमार को सीएनएस रजत पदक दिया गया। आईएनएसी बीटेक कोर्स के लिए एफओसी-इन-सी साउथ ब्रॉन्ज मेडल मिडशिपमैन विश्वजीत विजय पाटिल को मिला। इसके अलावा एनओसी के लिए सीएनएस स्वर्ण पदक कैडेट गौरव राव को, एनओसी के लिए एफओसी-इन-सी साउथ सिल्वर मेडल कैडेट राघव सरी को, कमांडेंट, एनओसी के लिए आईएनए कांस्य पदक कैडेट आरोन अजीत जॉन को, एनओसी (नियमित) के लिए सीएनएस स्वर्ण पदक पी यास्मिथा एन को, कमांडेंट, एनओसी (नियमित) के लिए आईएनए रजत पदक केआर पद्मावती को, सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंड महिला कैडेट के लिए जमोरिन ट्रॉफी यास्मिथा एन को, एनओसी के लिए सीएनएस स्वर्ण पदक कैडेट हर्ष अशोक शर्मा को, कमांडेंट, एनओसी के लिए आईएनए रजत पदक पवन कुमार गांडी को और कमांडेंट, आईएनए एनओसी के लिए कांस्य पदक तेजस अनूप श्रीवास्तव को दिया गया। पासिंग आउट परेड में सफल प्रशिक्षुओं ने अपनी चमचमाती तलवारों और राइफलों के साथ सैल्यूट की मुद्रा में मार्च किया। इस दौरान मर्मस्पर्शी विदाई धुन पारंपरिक 'औल्ड लैंग सिने' बजाई गई, जो दुनियाभर में सशस्त्र बलों की विदाई के समय बजाई जाती है। एयर मार्शल बलभद्र राधा कृष्ण ने परेड में प्रशिक्षुओं को उनकी शानदार मौजूदगी, स्मार्ट ड्रिल और परेड में मूवमेंट के लिए बधाई दी। समीक्षा अधिकारी ने कर्तव्य, सम्मान और साहस के मूल मूल्यों पर जोर दिया। समीक्षा अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने पासिंग आउट प्रशिक्षुओं को स्ट्रिप्स लगाईं और कठोर प्रशिक्षण के सफल समापन के लिए उन्हें बधाई दी। ये अधिकारी विशेष क्षेत्रों में अपने प्रशिक्षण को और बेहतर बनाने के लिए नौसेना के विभिन्न जहाजों एवं प्रतिष्ठानों में जाएंगे।

जेल में पूरी रात आराम से सोता रहा श्रद्धा की हत्या का आरोपित आफताब

अजय त्यागी

नई दिल्ली। बहुचर्चित श्रद्धा मर्डर केस का आरोपित आफताब पूनावाला दिल्ली के तिहाड़ जेल में पूरी रात आराम से सोता रहा। हालांकि जेल लाये जाने के बाद वह खामोश था, लेकिन उसे देखकर ऐसा नहीं लगा कि इस घटना को लेकर उसे कोई पछतावा है। शनिवार को देर शाम आफताब को अन्य कैदियों से बचाते हुए जेल में लाया गया था। शनिवार को चार दिन की पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद सुबह करीब 10 बजे आफताब को लेकर पुलिस आंबेडकर अस्पताल पहुंची थी। यहीं उसका मेडिकल करवाया गया। इसके बाद दोपहर करीब 2.30 बजे दोबारा पुलिस उसे लेकर अस्पताल पहुंची। यहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये उसकी कोर्ट में पेशी करवाई गई। जहां से उसे 13 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। उसे शनिवार शाम करीब छह बजे तिहाड़ जेल लाया गया। सूत्रों के अनुसार, आरोपित आफताब पूनावाला को जेल संख्या- 4 के बैरक नम्बर 15 में रखा गया है। अन्य बैरक के मुकाबले 15 नम्बर बैरक को सबसे सुरक्षित माना जाता है। उसे जेल में अन्य कैदियों से अलग रखा गया है। इसकी निगरानी के लिए 24 घंटे तीन जेल कर्मी का एक स्टाफ हर समय सेल में मौजूद है। हालांकि सभी बैरकों में सीसीटीवी लगे हुए हैं। लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए जेल का स्टाफ सीसीटीवी के अलावा गश्त भी कर रहा है, ताकि आफताब की हर हरकत पर नजर रखी जा सके। जेल सूत्रों ने बताया कि जेल आने के बाद वह चुपचाप था। उसे देखकर ऐसा नहीं लग रहा था कि उसे कोई पछतावा है। वह पूरी रात आराम से सोया। सुबह नश्ते के समय उसे जेल परिसर में ले जाया गया और नश्ता लेने के बाद उसे वापस सेल में पहुंचा दिया गया।

सत्येंद्र जैन का सामने आया चौथा वीडियो

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में दिल्ली स्थित तिहाड़ जेल में बंद आम आदमी पार्टी (आप) के नेता व दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन का अब चौथा वीडियो सामने आया है, जिसमें सत्येंद्र जैन जेल की सेल में हाउस-कीपिंग की सेवाएं लेते दिख रहे हैं। इसी वीडियो में वे अपने सेल में लोगों से बातचीत करते भी देख रहे हैं। हालांकि, पहली नजर में यह वीडियो शुक्रवार को सामने आई फुटेज का ही अगला पार्ट मालूम होता है। वहीं शनिवार को वीडियो में वह अपनी सेल के अंदर कुछ लोगों से मुलाकात और बातचीत करते दिख रहे थे। इस वीडियो में तिहाड़ जेल के सुपरिटेंडेंट अजीत कुमार को भी सत्येंद्र जैन के साथ बातचीत करते देखे गया था, जिसके बाद इस महीने की शुरूआत में उन्हें सस्पेंड कर दिया गया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी इसके पहले जमानत पर सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन पर आरोप लगाया था कि वे जेल के अंदर विशेष सुविधा ले रहे हैं। इससे पहले तिहाड़ के अंदर ही नाबालिग से रेप के आरोपित से जैन द्वारा मसाज कराने का वीडियो सामने आया था। उसके बाद बाहर से भोजन मंगाकर खाने का वीडियो सामने आया था। जिसके बाद भाजपा ने दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) को घेरना शुरू कर दिया था। हालांकि, तब 'आप' ने इसे मसाज की बजाय इलाज (फिजियोथैरेपी) बताया था। उल्लेखनीय है कि पिछले शनिवार को आप उस समय आलोचनाओं के घेरे में आई थी, जब जैन जेल में कथित तौर पर मसाज कराते और लोगों से मिलते हुए एक वीडियो सामने आया था। जैन मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में पिछले पांच महीने से न्यायिक हिरासत में हैं। उस कथित वीडियो में जैन को जेल की अपनी कोठरी में बिस्तर पर लेटकर कुछ दस्तावेजों को पढ़ते तथा लोगों से मिलते हुए कमर और पैरों की मालिश कराते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में मिनरल वाटर की बोतलें और एक रिमोट भी देखा गया। एक वीडियो में वह कुर्सी पर बैठकर सिर की मालिश कराते हुए देखे गए थे।

मध्य प्रदेश में इंदौर पहुंचेगी राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा, राजबाड़े पर होगी नुक्कड़ सभा

इंदौर, (हि.स.)। मध्यप्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा का रविवार को पांचवां दिन है। यात्रा सुबह छह बजे महू से रवाना हुई। यात्रा आज शाम को इंदौर पहुंचेगी, जहां राहुल गांधी राजबाड़े पर नुक्कड़ सभा को संबोधित करेंगे। इंदौर में यात्रा के स्वागत के लिए जोरदार तैयारियां की गई हैं। राहुल गांधी की यात्रा अलसुबह महू से रवाना होने के बाद विधायक जीतू पटवारी के विधानसभा क्षेत्र राऊ में पहुंची, जहां मामाजी के ढाबे पर रुककर राहुल ने टी ब्रेक लिया। जिसके बाद यात्रा आगे के लिए रवाना हो गई। अब दोपहर में राऊ के आगे एयू सिनेमा के पास लंच ब्रेक होगा। यहां कुछ घंटे आराम करने के बाद शाम चार बजे यात्रा फिर इंदौर के लिए प्रारम्भ होगी। यात्रा राजेंद्र नगर पुलिस थाने के सामने से होते हुए चाणक्य पुरी चौराहा, केसरबाग ब्रिज, चोइथराम मंडी चौराहा, माणिकबाग रोड, कलेक्टर चौराहा, हरसिद्धि मंदिर के पास से गांधी भवन होते हुए राजबाड़ा पहुंचेगी। यहां राहुल गांधी एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करेंगे। सभा के बाद यात्रा चिमनबाग मैदान पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम होगा। इंदौर में राहुल गांधी की यात्रा के स्वागत के लिए शहर व जिला कांग्रेस कमेटी ने तैयारी पूरी कर ली है। यात्रा जिस रास्ते से होकर गुजरेगी, उसे बैनर, होर्डिंग और झंडों से पाट दिया गया है। स्वागत के लिए कई जगह मंच बनाए गए हैं। इधर, चिमनबाग मैदान पर भी विशाल मंच बनाया गया है। इस मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के बाद राहुल गांधी जनता को संबोधित करेंगे।

गोविंदपुरी से भाजपा नेता हरि किशन अपनी टीम के साथ 'आप' में हुए शामिल

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। आप विधायक आतिशी ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नीतियों से परेशान होकर लगातार नेता और कार्यकर्ता आम आदमी पार्टी से जुड़ रहे हैं। इसी क्रम में आज गोविंद पुरी से भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष हरि किशन रैकवार अपनी पूरी टीम के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। इस पूरे कुनबे से आम आदमी पार्टी को मजबूती मिलेगी और एमसीडी चुनाव को और मजबूती से लड़ने की ताकत मिलेगी। विधायक आतिशी ने टोपी-पटका पहनाकर सभी का पार्टी में स्वागत किया। वहीं आतिशी ने कहा कि एमसीडी चुनाव की तारीख नजदीक है और आम आदमी पार्टी को दिल्ली की जनता का अपार समर्थन मिल रहा है। भाजपा के बहुत सारे प्रतिष्ठित और अच्छे लोग केजरीवाल के कामों से प्रभावित होकर लगातार आप का दामन थाम रहे हैं।

फिर जहरीली हुई हवा दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई 300 के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजधानी दिल्ली और उसके आस पास के इलाकों (हवा एक बार फिर जहरीली हो गई है। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकॉस्टिंग एंड रिसर्च के मुताबिक सुबह 10 बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 315 दर्ज किया गया है। वहीं दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक्यूआई 345 दर्ज किया गया जो एनसीआर में सबसे ज्यादा है। इसके अलावा गुरुग्राम का एक्यूआई फिलहाल 319 है। दिल्ली की वायु गुणवत्ता रविवार को बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई। कुल 37 में से 21 निगरानी स्टेशनों में एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में रहा। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा 51 से 100 के बीच संतोषजनक 101 से 200 के बीच मध्यम 201 से 300 के बीच खराब 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच एक्यूआई गंभीर माना जाता है।

दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आज पूरे दिन धुंध छाए रहने का अनुमान जताया है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 27 और 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। दिल्ली में आर्द्रता का स्तर 90 प्रतिशत से 58 प्रतिशत के बीच रहा।

800 अफसर जांच में जुटे फिर भी मेरा नाम नहीं: मनीष सिसोदिया

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली शराब नीति मामले की चल रही जांच को लेकर अदालत में केंद्रीय एजेंसी द्वारा दायर प्रारंभिक चार्जशीट में अपना नाम नहीं होने के बाद ईडी पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए बहुत गर्व की बात है कि तमाम साजिशों के बाद भी उन पर कोई आरोप नहीं लगाया गया। इससे पहले आज ईडी ने आरोपी समीर महेंद्रू को नामजद करते हुए दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दायर की थी। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि बाद में और नाम जोड़े जाएंगे क्योंकि जांच अभी भी जारी है। ईडी के आरोपपत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए सिसोदिया ने ट्वीट किया यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है कि अपनी तमाम साजिशों और झूठी एफआईआर के बाद भी वे मुझ पर कोई आरोप नहीं लगा पा रहे हैं। चार्जशीट में मेरा नाम नहीं है। 500 जगहों पर छापेमारी के बाद 800 अधिकारियों की टीम ने इसे तैयार किया है। ट्वीट में आगे कहा गया है सीबीआई और ईडी की चार्जशीट ने साबित कर दिया कि कोई शराब घोटाला नहीं था।ह्व उनके ट्वीट के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के नेता अरविंद केजरीवाल ने आज एक ट्वीट किया जो अपने पार्टी सहयोगी के साथ खड़ा था और बताया कि सिसोदिया का नाम ईडी चार्जशीट में भी नहीं है। केजरीवाल ने कहा क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मनीष सिसोदिया को फंसाने के लिए देश से माफी नहीं मांगनी चाहिए?

गुजरात में बनेगी आप की सरकार भाजपा-कांग्रेस को लगेगा झटका : केजरीवाल

अजय कुमार

अहमदाबाद। गुजरात में 1 दिसंबर को होनेवाले पहले चरण के चुनाव से पहले गुजरात आए दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक ने बड़ा दावा किया है। पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि गुजरात में आप की सरकार बनेगी। गुजरात चुनाव में आप को 92 से अधिक सीटें मिलेंगी और भाजपा को बहुमत से कमे हालाकि उन्होंने यह नहीं बताया कि भाजपा को कितनी सीटें मिलेंगी। लेकिन यह जरूर कहा कि गुजरात चुनाव में भाजपा और कांग्रेस का जबर्दस्त झटका लगेगो केजरीवाल ने आप को 92 से अधिक सीटें मिलने की लिखित भविष्यवाणी मीडिया से साझा की। केजरीवाल ने कहा कि गुजरात चुनाव में तीन बातें स्पष्ट हैं पहली आम आदमी डरा हुआ है दूसरी कांग्रेस के वोटर ढूंढने से भी नहीं मिलेंगे और तीसरी भाजपा के बड़ी संख्या मतदाता आप के पक्ष में वोटिंग करने वाले हैं। स्पष्ट है कि गुजरात इस बार परिवर्तन चाहता है। केजरीवाल ने कहा कि अब तक दिल्ली और पंजाब को लेकर जो भविष्यवाणी की थी वह सही साबित हुई है। आज मैं गुजरात चुनाव को लेकर भविष्यवाणी कर रहा हूं कि गुजरात में आप की भारी बहुमत के साथ सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद गुजरात की जनता को भाजपा के 27 साल के कुशासन से मुक्ति मिलेगी। आप की सरकार बनने के बाद 31 दिसंबर तक पुरानी पैंशन योजना लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। पंजाब में आप सरकार ने यही किया और अब गुजरात में पुरानी पेंशन योजना अविलंब लागू करेगी इसके अलावा कोन्ट्रेक्ट के कर्मचारियों की सभी समस्याओं का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में हार के डर से बौखलाए भाजपा के लोग आप पर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर 27 साल के बाद गुजरात में भाजपा इतनी डरी हुई क्यों है? सड़क पर चलते किसी व्यक्ति से वोट का सवाल करो तो वह कहता है हमारा वोट आम आदमी पार्टी को जाएगो कुछ देर उससे अगर बात करो तो वह भी आखिर कहता है कि मैं ही नहीं बल्कि मेरा पुरा मुहल्ला आम आदमी पार्टी को वोट देगा।

शास्त्री पार्क में बदमाशों ने कारोबारी से लूट लिये 6 लाख, तलाश में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, (हि.स.)। उत्तर पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क क्षेत्र में नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने बंदूक के बल पर एक कारोबारी से छह लाख रुपये लूट लिये और मौके से फरार हो गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित कारोबारी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि लुटेरों की पहचान की जा सके। पीड़ित कारोबारी शाहरुख उत्तर पूर्वी दिल्ली के सोनिया बिहार का रहने वाला है। शनिवार देर शाम वह सीलमपुर इलाके से छह लाख पेमेंट लेकर बाइक से सोनिया विहार अपने घर जा रहा था। इसी दौरान शास्त्री पार्क थाना क्षेत्र में दो बाइक सवार बदमाशों ने बंदूक के बल पर उसे रोक लिया और कैश से भरा बैग लूट कर फरार हो गए। सूचना मिलते ही उत्तर पूर्वी दिल्ली की शास्त्री पार्क पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाने के एसएचओ ने मौके का जायजा लिया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है। पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित कारोबारी ने बताया कि दो बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया है। बदमाशों ने अपने चेहरे पर नकाब लगा रखा था, ताकि उसकी पहचान नहीं हो सके। फिलहाल इस पूरे मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। लोकल इंटेलिजेंस और टेक्निकल सर्विलांस की मदद ली जा रही है।

भारत और ऑस्ट्रेलियाई सेना के बीच पहला संयुक्त सैन्य अभ्यास 'ऑस्ट्रेहिंद' सोमवार से

- राजस्थान की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में 11 दिसंबर तक चलेगा सैन्य अभ्यास
- भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सैन्य संबंधों को मजबूत करने में और मदद मिलेगी

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत और ऑस्ट्रेलियाई सेना के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'ऑस्ट्रेहिंद' सोमवार से राजस्थान की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू होगा। 11 दिसंबर तक चलने वाला यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र के शासनादेश के तहत 'पीस कीपिंग ऑपरेशंस' पर ध्यान देने के साथ आयोजित किया जाएगा। यह ऑस्ट्रेलिया की श्रृंखला में पहला अभ्यास है। यह संयुक्त अभ्यास दोनों सेनाओं के बीच समझ और अंतरसंचालनीयता को बढ़ावा देने के अलावा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंधों को मजबूत करने में और मदद करेगा। सैन्य प्रवक्ता के अनुसार भारतीय सेना और ऑस्ट्रेलियाई सेना की टुकड़ियों के बीच द्विपक्षीय प्रशिक्षण अभ्यास 'ऑस्ट्रेहंद' में हिस्सा लेने के लिए द्वितीय डिवीजन की 13वीं ब्रिगेड के सैनिकों वाली ऑस्ट्रेलियाई सेना की टुकड़ी अभ्यास स्थल पर पहुंच चुकी है।

भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व डोगरा रेजिमेंट के सैनिक करेंगे। यह अभ्यास वार्षिक कार्यक्रम होगा जो भारत और ऑस्ट्रेलिया में वैकल्पिक रूप से आयोजित किया जाएगा। अभ्यास का उद्देश्य सकारात्मक सैन्य संबंध बनाना, एक दूसरे की सर्वोत्तम प्रथाओं को आत्मसात करना और संयुक्त राष्ट्र शांति प्रवर्तन शासनादेश के तहत अर्ध-रेगिस्तानी इलाके में बहु-डोमेन संचालन करते हुए एक साथ काम करने की क्षमता को बढ़ावा देना है। प्रवक्ता के अनुसार यह संयुक्त अभ्यास दोनों सेनाओं को शत्रुतापूर्ण खतरों को बेअसर करने के लिए कंपनी और प्लाटून स्तर पर सामरिक संचालन करने के लिए रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में सक्षम करेगा। बटालियन/कंपनी स्तर पर दुर्घटना प्रबंधन, दुर्घटना निकासी और नियोजन रसद के अलावा स्थितिजन्य जागरुकता के उच्च स्तर को प्राप्त करने के लिए स्निपर्स, निगरानी और संचार उपकरण सहित नई पीढ़ी के उपकरण और विशेषज्ञ हथियारों पर प्रशिक्षण की भी योजना है। अभ्यास के दौरान संयुक्त सामरिक अभ्यास और शत्रुतापूर्ण लक्ष्य पर हमला करने जैसे विभिन्न कार्य शामिल होंगे।

तम्बाकू के सेवन से बचें, जीवन सुरक्षित रखे : एसपी

फरुर्खाबाद, (हि. स.)। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत पुलिस लाइन में तम्बाकू नियंत्रण को लेकर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित हुई जिसमें पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे । इस दौरान सिगरेट और अन्य टोबैको उत्पाद अधिनियम,2003 (सीओटीपीए-कोटपा) को लेकर प्रशिक्षित किया गया । तम्बाकू मुक्त जिला अभियान को पूर्ण रूप से सफल बनाने में उनसे सहयोग की अपील की गयी। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी और तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के नोडल दलवीर सिंह ने तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया कि विश्व में 60 लाख लोग हर वर्ष तम्बाकू सेवन से अपनी जान गवाते है, लगभग हर वर्ष 9 लाख भारतीय तम्बाकू सेवन के कारण मरते हैं जो क्षय रोग, एड्स एवं मलेरिया से होने वाली मौतों से अधिक है। इसलिए इस भीषण त्रासदी को रोकने हेतु हम सभी को मिलकर तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों का पालन करना पडेगा। डॉ दलवीर सिंह ने बताया कि प्रतिदिन 2200 से अधिक भारतीय तम्बाकू सेवन के कारण मरते हैं तथा भारत में कैंसर से मरने वाले 100 रोगियों में 40 तम्बाकू के प्रयोग के कारण मरते है। लगभग 95 प्रतिशत मुख का कैंसर तम्बाकू सेवन करने वालों को होता है। उ0प्र0 राज्य तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ द्वारा चलाये जा रहे इस कार्यक्रम मे सबका सहयोग एवं जागरूकता अति आवश्यक है। पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा ने कहा कि धूम्रपान करने वाला व्यक्ति न केवल अपने जीवन के लिए बल्कि अपने परिवार व समाज के लिए भी कैंसर का खतरा पैदा करता है। इसलिए हम सभी को तम्बाकू से बने उत्पादों को छोड़ना हितकर रहेगा और साथ ही समाज को इनसे होने बाले खतरों से आगाह करना होगा। तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के जनपद सलाहकार सूरज दुबे ने जानकारी दी कि धूम्रपान हमारे शरीर के लिए इतना घातक है कि हम अपने जीवन से भी हाथ धो बैठते हैं। सूरज ने कहा कि सभी प्रकार के तम्बाकू उत्पादों पर लिखा होता है, कि तम्बाकू के सेवन से कैंसर हो जाता है`लेकिन लोग जानकर भी अनजान बने रहते है तम्बाकू ने कई हँसते खेलते परिवारों को बर्बाद कर दिया है इसलिए हम सभी को इस ओर अधिक ध्यान देने की जरुरत है। साथ ही कहा कि धूम्रपान छोड़ने के 20 मिनट बाद रक्तचाप व हृदयगति सामान्य हो जाती है, 24 घण्टे बाद शरीर से जहरीली गैस निकल जाती है, 72 घण्टे बाद साँस लेना आसान हो जाता है, और 2 से 4 सप्ताह बाद रक्त संचार में सुधार आ जाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों के निकट कम आयु के बच्चों को तंबाकू उत्पादन बेचने वालों तथा सार्वजनिक जगहों पर इसका सेवन करने वालों के विरुद्ध पुलिस अधिकारियों को कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। तंबाकू के प्रयोग पर लगाम लगाना चाहिये। प्रशिक्षण के दौरान राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के साईक्लोजिस्ट अमित सिसोदिया, पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

ग्रामीण बालिकाएं भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कर रहीं देश का प्रतिनिधित्व : अनुप्रिया पटेल

– सर्वोदय दौड़ प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

मीरजापुर, (हि.स.)। जिले के अदलहाट क्षेत्र अंतर्गत छत्रपति शिवाजी इंटर कालेज खजुरौल के मैदान में रविवार को जनपद स्तरीय सर्वोदय दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता का समापन मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। अपने संबोधन में केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि देश बदल रहा है। ग्रामीण स्तर की बालिकाएं भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। कहा कि भारत सरकार ग्रामीण स्तर में खेलों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों में प्रथम स्थान पाने वाले खिलाड़ी को मेडल, 11 सौ रुपए नगद, ट्रैक शूट व स्पोर्ट शूज, द्वितीय स्थान पाने वाले खिलाड़ी को मेडल ट्रैक शूट व स्पोर्ट शूज व तृतीय स्थान पाने वाले खिलाड़ी को मेडल व ट्रैक शूट दिया गया। प्रतियोगिता के प्रत्येक इवेंट में प्रत्येक सात खिलाड़ियों को सांत्वना पुरस्कार के रुप में लोवर और टी शर्ट दिया गया। बालिका वर्ग के1500 मीटर दौड़ में वर्षा (बहेरा) प्रथम, सुमन (विंध्याचल) द्वितीय व ज्योति पाल (दुमदुमा) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग के 800 मीटर दौड़ में हरिचरन बहेरवा प्रथम, सोनू बिंद भटौली द्वितीय व धनेश पाल तृतीय रहे। 1500 मीटर दौड़ में अरविंद यादव खाजगीपुर प्रथम, कुलदीप धुरिया द्वितीय व शनि तृतीय स्थान पर रहे। 3000 मीटर दौड़ में विकास बेलखरा प्रथम, आशीष सरिया द्वितीय व दीपक यादव मवैया तृतीय स्थान पर रहे। इसके पूर्व खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ क्षेत्राधिकारी चुनार रामानंद राय ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। निर्णायक मंडल में अवधेश सिंह, रवि, सुदर्शन, गौतम एवं अंजीत रहे। संचालन बृजेश भूषण सिंह ने किया।

नोएडा-ग्रेनो के बीच जाम से मिलेगी मुक्ति, होगा 60 मीटर एप्रोच रोड का निर्माण

ग्रेटर नोएडा, (हि.स.)। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थ्री से नोएडा के सेक्टर 146 व 147 के बीच 60 मीटर चौड़ी एप्रोच रोड पर जल्द काम शुरू होने की उम्मीद है। प्राधिकरण इसे बनाने के लिए टेंडर जारी हो गए हैं। इसे बनाने में करीब 34.77 करोड़ रुपये खर्च होने का आकलन है। इसे मिलाकर कुल 28 कार्यों के लिए भी करीब 84 करोड़ रुपये के टेंडर निकाले गए हैं। सेक्टर ज्यू वन, टू व थ्री और ओमीक्रॉन वन ए में सामुदायिक केंद्र का निर्माण भी इनमें शामिल हैं। नोएडा के सेक्टर 146 व 147 से ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थ्री के बीच नया वैकल्पिक मार्ग बनाया जाना है। इसके लिए हिंडन पर पुल निमार्णाधीन है। इसके बन जाने से नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच सफर करने वालों को एक और वैकल्पिक मार्ग मिल जाएगा। इससे पीक ऑवर में परी चौक पर ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा, लेकिन जमीन न मिल पाने के कारण यह परियोजना अटक गई है। बीते 10 नवंबर को नोएडा-ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने हिंडन मुहाने तक जाकर इसका जायजा लिया था। मौके पर हुए निर्माण कार्यों पर असंतोष जाहिर करते हुए इसकी गति बढ़ाने के निर्देश दिए थे। सीईओ ने उसी दिन शाम को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के दफ्तर में दोनों प्राधिकरणों के संबंधित अधिकारियों व निर्माणकर्ता एजेंसी सेतु निगम के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और दोनों प्राधिकरण के अधिकारियों से आपसी तालमेल बनाकर किसानों से बातचीत कर पुल और दोनों तरफ एप्रोच रोड का निर्माण शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए। परियोजना विभाग ने 34.77 करोड़ रुपये की लागत की इस परियोजना का टेंडर निकाल दिया है। सीईओ ने एक माह में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण शुरू कराने के निर्देश दिए हैं। हाल ही में सीईओ ने परियोजना विभाग के साथ बैठक कर विकास कार्यों के टेंडर शीघ्र जारी करने और काम शुरू कराने के निर्देश दिए थे। इससे अब विकास कार्यों में भी तेजी आने लगी है। परियोजना विभाग ने 27 अन्य कार्यों के लिए भी टेंडर जारी कर दिए हैं। सेक्टर ज्यू वन, टू व थ्री और ओमीक्रॉन वन ए में सामुदायिक केंद्र का निर्माण, स्मार्ट विलेज सादुल्लापुर, छपरौला व जलपुरा में विकास कार्य, धूम मानिकपुर में आरसीसी ड्रेन का निर्माण, खेड़ी में इंडरलॉकिंग टाइल्स, ड्रेन व सीसी रोड का निर्माण, सेक्टर अल्फा वन की आंतरिक सड़कों की री-सर्फेसिंग, पल्ला के बरातघर में इंटरलॉकिंग टाइल्स, शेड लगाने व मरम्मत के कार्य, सेक्टर ईकोटेक वन एक्सटेंशन में 60 मीटर व 45 मीटर चौड़ी सड़कों की री-सर्फेसिंग, विभिन्न गांवों में बने श्मशान घाट, प्ले ग्राउंड व पार्कों में हाईमास्ट लाइट लगाने, सेक्टर ज्यू टू व ओमीक्रॉन वनए में वेंडर मार्केट का निर्माण आदि कार्य शामिल हैं। सीईओ रितु माहेश्वरी ने इन सभी कार्यों के टेंडर की औपचारिकता को एक माह में पूरा कर काम शुरू कराने के निर्देश दिए हैं।

यातायात माह में निकली जागरूकता रैली, स्कूली बच्चों ने की भागीदारी

-अपर पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं अपराध) ने दिखाई हरी झंडी

वाराणसी, (हि.स.)। यातायात माह में रविवार को सोनारपुरा स्थित बंगाली टोला इण्टर कॉलेज परिसर से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को अपर पुलिस आयुक्त अपराध व मुख्यालय संतोष कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में स्कूली बच्चों के साथ सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ पुलिस अफसरों ने भी भागीदारी की। रैली मदनपुरा, जंगमबाड़ी, गोदौलिया, नईसड़क, बेनियाबाग, चेतगंज होते हुए लहुराबीर स्थित राजकीय क्वींस इण्टर कालेज पहुंच कर समाप्त हुईं। इस दौरान स्कूली बच्चे लोगों को यातायात के नियमों के पालन का संदेश देने वाले स्लोगन लिखी तख्ती के साथ नारे लगाते हुये नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते रहे। बिना हेलमेट बाइक चालकों व कार चालकों को सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाने, वाहन चलाते समय नियमों, चिन्हों व संकेतों का पालन करने, काली फिल्म और हूटर का प्रयोग न करने की अपील की गई।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने डीजीपी, रांची डीसी और एसएसपी को भेजा समन

रांची, (हि.स.)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने पीएलएफआई नक्सली पुनई उरांव के एनकाउंटर मामले में झारखंड के डीजीपी, रांची डीसी, एसएसपी को सशर्त समन जारी किया है। आयोग ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 15 दिसंबर तक पूरे मामले की जांच रिपोर्ट पेश करें। आयोग ने कहा है कि चार सप्ताह के अंदर अगर रिपोर्ट दाखिल नहीं की गई तो सभी अधिकारियों को आयोग के समक्ष 22 दिसंबर को सशरीर उपस्थित होना पड़ेगा। आयोग के समन के बाद रांची डीसी ने रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश से न्यायिक जांच की रिपोर्ट उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र के चेटे जंगल में 22 दिसंबर 2020 को रांची पुलिस ने उग्रवादी पुनई उरांव को मार गिराया था, जिसके अगले दिन पुनई उरांव के परिजनों ने इस घटना पर सवाल उठाए थे। हालांकि डेढ़ साल तक चली जांच के बाद सीआईडी ने पाया है कि पुलिस मुठभेड़ सही थी।

उपमुख्यमंत्री ने हरिवंश राय बच्चन की जयंती पर किया नमन

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने हरिवंश राय बच्चन,गणेश वासुदेव मावलंकर व मृदुला सिन्हा की जयंती पर नमन एवं शिवमंगल सिंह व भूतपूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्री मौर्या ने अपने अधिकारिक ट्वीटर एकाउन्ट से पोस्ट करते हुए कहा कि अपनी कविताओं एवं रचनाओं के माध्यम से आम जनमानस के जीवन में उत्साह और ऊर्जा का संचार करने वाले हिन्दी कविता के उत्तर छायावाद काल के प्रमुख कवि व लेखक तथा पद्मभूषण से सम्मानित हरिवंश राय बच्चन की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। उपमुख्यमंत्री ने प्रथम लोकसभा अध्यक्ष को याद करते हुए कहा कि प्रसिद्ध भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व प्रथम लोकसभा अध्यक्ष गणेश वासुदेव मावलंकर की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। उन्होंने नारीशक्ति की प्रतीक व प्रसिद्ध हिन्दी लेखिका एवं गोवा की भूतपूर्व राज्यपाल मृदुला सिन्हा की जयंती पर भी उन्हें शत-शत नमन किया। केशव प्रसाद मौर्या ने शिवमंगल सिंह व विश्वनाथ प्रताप सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि प्रसिद्ध शिक्षाविद्, हिन्दी भाषा के विख्यात कवि, साहित्य अकादमी पुरस्कार, पद्म भूषण एवं साहित्य के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश का सर्वोच्च पुरस्कार भारत भारती आदि पुरस्कारों से सम्मानित शिवमंगल सिंह ह्यसुमनह्ण जी एवं पिछड़े, शोषित और वंचित समुदायों के मसीहा भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

पुलिस रेड के दौरान बुजुर्ग की मौत, ग्रामीणों ने पुलिस को बनाया बंधक

खूंटी, (हि.स.)। तोरपा थाना क्षेत्र कें रोड़ो गांव में प्रतिबंधित मांस का कारोबार करने के आरोपित की गिरफ्तारी के दौरान हार्ट अटैक से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार को रात भर पुलिस को बंधक बनाये रखा। मामले की जानकारी मिलने पर एसडीओ, एसडीपीओ, तोरपा के अंचलाधिकारी सहित कई वरीय अधिकारी रोड़ो गांव पहुचें और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण कुछ सुनने को तैयार नहीं थे। काफी समझाने-बुझाने के बाद रविवार की बंधक बनाये गये सभी पुलिसकर्मियों को ग्रामीणों ने छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार तोरपा थाना की पुलिस प्रतिबंधित मांस बेचने के आरोपित इजहार अहमद उर्फ कल्लू को गिरफ्तार करने के लिए शनिवार की रात रोड़ो गांव पहुंची थी। ग्रामीणों को आरोप है कि पुलिस दरवाजों को तोड़कर घर में घुसी और गाली गलौज करने लगी। उनका आरोप है कि पुलिस की धक्का-मुक्की से कल्लू के पिता 75 वर्षीय मोहम्मद निजामुद्दीन की मौत हो गई। बुजुर्ग की मौत के बाद गांव वालों ने तोरपा पुलिस को देर रात तक बंधक बनाए रखा। पुलिसकर्मियों को घेरे रखने की सूचना पर खूंटी एसडीओ अनिकेत सचान, तोरपा सीओ सचिदानंद वर्मा, खूंटी एसडीपीओ अमित कुमार, तोरपा एडीपीओ ओपी तिवारी समेत कई पदाधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों को समझा-बुझा कर अहले सुबह बंधक बने पुलिसकर्मियों को रिहा कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। ग्रामीणों ने बताया कि कि गांव में रविवार को एक युवती की शादी है और इस घटना के बाद गांव में मातम पसर गया। घटना के बाद गांव में माहौल तनावपूर्ण है। माहौल खराब न हो, इसको लेकर पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। वहीं खूंटी एसपी अमन कुमार ने पूरे मामले की मजिस्ट्रेट जांच कराने की बात कही है। इस संबंध में तोरपा के थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार ने कहा कि पुलिस जैसे ही कल्लू के घर का दरवाजा खुलवाने का प्रयास कर रही थी, पुलिसकर्मियों का आवाज सुनते ही मोहम्मद निजामुद्दीन को हार्ट अटैक हो गया और उनकी मौत हो गई। तोरपा के अंचलाधिकारी ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों के संबंध में कुछ कहा जा सकता है।

अब नहीं सुनाई पड़ता निर्गुण, प्रेम की परत पर जम गई है धूल : वेदी सिन्हा

बेगूसराय, (हि.स.)। एक समय था जब गांव-गांव में निर्गुण बजते थे। बूढ़े-बुजुर्ग समूह में ढ़ोलक, झाल, हरमोनिया लेकर निर्गुण के माध्यम से समाज में एकता और प्रेम का संदेश फैलाते थे। बुजुर्गों के निधन पर निर्गुण गाने वाली टोली घर से लेकर अंतिम संस्कार स्थल तक निर्गुण बजाते चलती थी लेकिन बदलते दौर में डीजे और रीमिक्स के द्विअर्थी कानफोडू संगीत ने ब्रह्मांड के प्रेम के प्रतीक निर्गुण पर धूल की परतें जमा दी। अब गांवों में निर्गुण नहीं बजता है, वहां भी सुबह से शाम रात तक डीजे का शोर मचता रहता है। "तन के तंबूरे में सांसों के दो तार बोले जय सियाराम-राम" से ब्रह्मांड में आप और आप में ब्रह्मांड की व्याख्या करते रसधारा बहाने वाली निर्गुण गायिकी आज अंतिम सांसे लेने को मजबूर है। ईश्वरीय परम तत्व से जोड़ने के लिए सत्संगी भजन गायकी अब विरासत बनने के कगार पर खड़ी हो गई है। कानफोडू संगीत का तामझाम और कर्णप्रिय संगीत की कम होती लय ने सैकड़ों वर्ष पुरानी निर्गुण भजन गायकी की परंपरा को कुछ ही परिवारों की विरासत बनाकर रख दिया है। वीणा की मधुर ध्वनि और मंजीरों की ताल के स्वरों के साथ भजन की रसधार बहाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देने वाले निर्गुण परंपरा के गायक अब बहुत कम बचे हैं। समय के साथ अब निर्गुण भजन के ना तो जानकार बचे और ना ही इनको सुनने वाले बचे हैं। आधुनिक युग की आपाधापी में वर्षों पुरानी यह विधा अब लुप्त सी होती जा रही है। हालांकि कथित आधुनिकता के इस दौर में जब निर्गुण विलुप्त हो रहा है तो आज की कुछ नई पीढ़ी निर्गुण को गांव गांव तक ले जाने के प्रयास में जुट गई है। ऐसी ही एक टीम बनाई है सीवान की बेटी पाखी सिन्हा ने, वह अपनी बहन पाखी सिन्हा और सुमंत बाल कृष्णा के साथ गांव-गांव जाकर निर्गुण क्या है यह लोगों को बता रही है। संगीत और कहानियों के माध्यम से निर्गुण की खोज कर रही वेदी सिन्हा के आह्वान की टीम करीब छह वर्ष पूर्व अपनी यात्रा पर निकली और देश के विभिन्न राज्यों में तीन सौ से अधिक जगहों पर जाकर लोगों को निर्गुण की विरासत को बचाने, उसे आत्मसात करने के लिए प्रेरित कर रही है। बाल रंगमंच आर्ट एंड कल्चरल सोसाइटी बीहट में कार्यक्रम प्रस्तुत करने आई वेदी सिन्हा ने "हिन्दुस्थान समाचार" से बातचीत में बताया कि भक्ति काल के समय कई ऐसे कवि कवियत्री रहे जैसे लालदेव, लाला फकीर, कबीर आदि।

जिन्होंने कोशिश किया कि सामाजिक बात हो सके, एक निरंकार इस पृथ्वी को, इस ब्रह्मांड को और प्रेम को अध्यात्म माना जाता है, उस पर बात हो सके। आज के दुनिया में निर्गुण का क्या मतलब है, इसी पर हम लोग काम करते हैं। कुछ संगीत जिस पर हमने विभिन्न समय में काम किया है, यह सोच कर कि आज के जो जेनरेशन हैं, आज के जो युवा हैं, उनके जीवन में और हमारे जीवन में आज निर्गुण का क्या मतलब है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर घायल खिलाड़ियों की सुधि लेने रिम्स पहुंची खेल निदेशक

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संज्ञान लेने और दिशा-निर्देश के बाद रविवार को खेल विभाग के अधिकारी सड़क दुर्घटना में घायल फुटबॉल खिलाड़ियों की सुधि लेने रिम्स पहुंचे। खेल निदेशक सरोजनी लकड़ा ने रिम्स पहुंचकर घायल खिलाड़ियों का हालचाल जाना। घायल खिलाड़ियों को अलग-अलग वार्डों में भर्ती किया गया है। इनमें बिटवीन डुंगडुंग को सर्जरी मेडिसिन में भर्ती किया गया है। गोविंदा मांझी को सीबी सहाय के न्यूरो वार्ड में भर्ती किया गया है, जबकि तीसरे घायल खिलाड़ी इनोसेंट मिंज अभी सीओटी में इलाजरत हैं। उन्हें भी कुछ देर के बाद डॉक्टर गोविंद कुमार के वार्ड (ए-2) में भेज दिया जाएगा। घायल खिलाड़ियों से मिलने वालों में खेल निदेशक के अलावा पूर्व हॉकी ओलंपियन मनोहर टोपनो, खेल सलाहकार (झारखंड खेल प्राधिकरण) देवेंद्र कुमार सिंह एवं हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह भी शामिल हैं। रांची के जिला खेल पदाधिकारी एवं हॉकी झारखंड के पदाधिकारी को भी खेल निदेशक ने दिशा-निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि शिक्षा विभाग के तत्वावधान में सिमडेगा में आयोजित खेलो झारखंड प्रतियोगिता में भाग लेने के बाद फुटबॉल खिलाड़ी शनिवार को अपने घर लौट रहे थे। घर वापसी के क्रम में रंगारी हाई स्कूल, सिमडेगा के ये प्लेयर्स सड़क दुर्घटना में घायल हो गये थे, जबकि गंभीर रूप से घायल अनमोल केरकेट्टा की जान चली गई थी। घायल खिलाड़ियों को शनिवार को ही रिम्स, रांची भेज दिया गया था।

पेयजल संकट दूर करने में मील का पत्थर साबित होगी गंगा जल परियोजना : नीतीश

नवादा, (हि. स.)। नवादा जिले के नारदीगंज प्रखंड के मोततनाजे ग्राम में रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गंगाजल उद्भव परियोजना का उद्घाटन किया । जिस पर की वर्ष से कार्य चल रहे थे।मुख्यमंत्री ने एक संक्षिप्त समारोह में उद्घाटन कार्यक्रम को संपन्न कराया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि पेयजल संकट दूर करने में गंगाजल उद्भव परियोजना मील का पत्थर साबित होगी ।बढ़ते हुए जनसंख्या को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना सरकार के पास चुनौतीपूर्ण कार्य थे। निश्चित तौर पर इन्हीं चुनौतियों को स्वीकार करते हुए सरकार ने इस परियोजना पर काम कर इसे पूरा किया ,जो निश्चित तौर पर भविष्य में पेयजल संकट दूर करने में बड़ी भूमिका निभाएगी। गंगाजल आपूर्ति योजना से पेयजल की कमी से जुझ रहे आम जनों को साल भर 135 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन की दर से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के साथ-साथ पर्यटकों एवं राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों को भी पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जा रही है। गंगा जल आपूर्ति योजना को वर्ष 2051 तक होने वाली जनसंख्या बृद्धि को ध्यान में रखकर क्रियान्वित किया गया है। सरकार की दूरदर्षी सोंच से आने वाली पीढ़ी को भी पेयजल की समस्या से पूर्णतः निजात मिलती रहेगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ,जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा, विधायक नीतू सिंह ,नवादा के विधायक विभा देवी तथा एमएलसी अशोक यादवके अलावा नवादा के डीएम उदिता सिंह,नालंदा के डीएम सहित दोनों जिलों के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

पूरी दुनिया के कल्याण के लिए विश्व शक्ति बने भारतः भागवत

पटना, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने बिहार के सारण जिले के ग्राम मलखाचक में रविवार को स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित किया। डॉ. भागवत ने कहा कि भारत का निर्माण विश्व के कल्याण के लिए हुआ है। हमें विश्व शक्ति बनकर दूसरों पर शासन नहीं करना बल्कि लोगों के दिल में उतरकर समग्र संसार का कल्याण करना है। डॉ. भागवत ने कहा कि आजादी की लड़ाई में लड़ने वाले लोगों के जाति, पंथ, भाषा व प्रांत अलग थे लेकिन उनका उद्देश्य एक था। उनकी लड़ाई भारत को आजाद कराने के लिए थी। उन्होंने एक रहकर देश को आजाद कराया। आज हमें उसी सिद्धांत का प्रकटीकरण करना है। आज देश के लिए मरना नहीं है, लेकिन देश के लिए तिल-तिल जीना ही हमारी सोच होनी चाहिए। हम सभी भारत माता के पुत्र हैं, इसमें किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिए। संघ प्रमुख ने कहा कि ग्राम मलखाचक उनके लिए तीर्थाटन है। यह क्षेत्र सत्ता हस्तांतरण का केंद्र रहा है। भारत कभी गुलाम होने वाला नहीं है। देश के लिए सर्वस्व त्याग करने वाली इस भूमि को नमन करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि भारत में अभी भी अंग्रेजी शिक्षा व्यवस्था है जो धीरे-धीरे समाप्त हो रही है। इसके पूर्व, डॉ भागवत ने शहीद श्री नारायण सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया और पत्रकार रविन्द्र कुमार की पुस्तक आंदोलन की बिखरी कड़ियां का विमोचन किया। कार्यक्रम में सारण सहित राज्य के कई जिलों से आए लगभग 350 स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय जयसवाल, छपरा सांसद राजीव प्रताप रूड़ी और महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल समेत कई प्रमुख लोग उपस्थित थे।

संपादकीय

चुनाव आयोग पर नई बहस

चुनाव आयोग की स्वायत्तता, निष्पक्षता, तटस्थता और निर्भीकता पर भले ही हमें पूरा भरोसा हो, लेकिन सर्वोच्च अदालत के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के कुछ संदेह और सुझाव जरूरु हैं। संविधान पीठ चाहती है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति समिति में देश के प्रधान न्यायाधीश को भी शामिल किया जाए। इससे नियुक्ति की प्रक्रिया और चयन में 'तटस्थता' सुनिश्चित हो सकेगी। ऐसे व्यक्ति को संवैधानिक पद पर बिठाया जा सकेगा, जो खुद को सरकार के सामने बाध्य अथवा भयभीत न होने दे। तमाम राजनीतिक दबावों से भी अप्रभावित रह सके। देश के अटॉर्नी जनरल और सॉलिसीटर जनरल ने इसे कार्यपालिका में न्यायपालिका का दखल माना है। वे इसे 'लोकतंत्र पर खतरा' भी मानते हैं। शीर्ष विधि अधिकारियों का मानना है कि इससे संविधान फिर से लिखना पड़ सकता है। संविधान ने लोकतंत्र के अलग-अलग स्तंभों और उनकी शक्तियों का वर्गीकरण तय कर रखा है, फिर हस्तक्षेप की गुंजाइश कहां है? दरअसल संदर्भ यह था कि कैबिनेट ने पंजाब काडर के आईएएस अधिकारी रहे अरुण गोयल को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया है। संविधान पीठ ने सिर्फ नियुक्ति-प्रक्रिया देखने के लिए उस केस की फाइल मांगी है, जिस पर अटॉर्नी जनरल ने आपत्ति दर्ज कराई है। संविधान पीठ को अधिकारी की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति और चुनाव आयुक्त के तौर पर नियुक्ति में कुछ विसंगतियां लगती हैं। प्रधान न्यायाधीश को नियुक्ति में एक पक्ष बनाने का सुझाव तो प्रसंगवश है। जस्टिस केएम जोसेफ ने जवाब दिया कि सीबीआई निदेशक और केंद्रीय सतर्कता आयुक्तों की नियुक्ति में प्रधान न्यायाधीश भी एक पक्ष होते हैं। तो क्या लोकतंत्र खतरे में पड़ गया? दरअसल यह संविधान पीठ और कार्यपालिका के बीच एक संवैधानिक चुनौती बन गई है, जिसे हर हाल में संबोधित किया जाना चाहिए। संविधान पीठ का सरोकार और सवाल यह है कि मुख्य चुनाव आयुक्त और शेष दो आयुक्तों के कार्यकाल 6 साल तय हैं। उन्हें पूरा क्यों नहीं किया जा रहा है? मुख्य चुनाव आयुक्त और आयुक्त तय कार्यकाल से पहले ही सेवानिवृत्त हो रहे हैं अथवा उन्हें इस्तीफे के लिए बाध्य किया जा रहा है? संविधान पीठ की चिंता है कि यदि सरकार अपने 'यस मैन' को आयुक्त नियुक्त करेगी, तो ऐसे व्यक्ति की सोच भी सरकार जैसी ही होगी। देखने में सब कुछ ठीक लगता है, लेकिन उस कार्य करने में स्वतंत्रता है या नहीं, यह गंभीर सवाल है। आखिर यह देश के चुनाव आयोग का सवाल है, जो पूर्णतः स्वायत्त और स्वतंत्र होना चाहिए। संविधान पीठ के अध्यक्ष जस्टिस केएम जोसेफ हैं, जो इस केस के जरिए चुनाव आयोग की भूमिका और स्वायत्तता में महत्वपूर्ण सुधारों के पक्षधर हैं। उनके सामने नए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका भी है। भारत में चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्थान है, जो स्वतंत्र भारत में चुनाव-दर-चुनाव कराता रहा है। उसने नागरिकों के मताधिकार को जिंदा और प्रासंगिक बनाए रखा है। आयोग के संदर्भ में प्रत्येक नागरिक का मताधिकार अनुच्छेद 326 के तहत एक वैधानिक नहीं, संवैधानिक अधिकार है। जिस तरह चुनाव सम्पन्न कराए जाते रहे हैं और सत्ता का हस्तांतरण निर्बाध रूप से हो जाता है, उसके लिए चुनाव आयोग की प्रशंसा भी की जाती रही है। हमारे चुनाव आयोग ने कई अन्य देशों में भी तटस्थ और निष्पक्ष चुनावों का मार्ग प्रशस्त किया है। यह प्रक्रिया तभी संभव होती रही है, जब आयोग को संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं। इसकी कार्य-प्रणाली प्रथमदृष्टया कार्यपालिका और न्यायपालिका के हस्तक्षेप से स्वतंत्र रही है, लेकिन कुछ उदाहरण हैं, जब आयोग केंद्र सरकार का ही एक हिस्सा प्रतीत होता रहा है। उसे प्रधानमंत्री दफ्तर से 'अघोषित' निर्देश दिए जाते हैं और वह उसी के अनुरूप चुनाव संबंधी फैसले लेता है। कोरोना महामारी के दौरान ऐसा देखा गया है। आचार संहिता को लेकर भी आयोग के फैसले 'राजनीतिक' और 'भेदभावपूर्ण' रहे हैं।

> संविधान ने लोकतंत्र के अलग-अलग स्तंभों और उनकी शक्तियों का वर्गीकरण तय कर रखा है, फिर हस्तक्षेप की गुंजाइश कहां है? दरअसल संदर्भ यह था कि कैबिनेट ने पंजाब काडर के आईएएस अधिकारी रहे अरुण गोयल को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया है। संविधान पीठ ने सिर्फ नियुक्ति-प्रक्रिया देखने के लिए उस केस की फाइल मांगी है, जिस पर अटॉर्नी जनरल ने आपत्ति दर्ज कराई है। संविधान पीठ को अधिकारी की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति और चुनाव आयुक्त के तौर पर नियुक्ति में कुछ विसंगतियां लगती हैं। प्रधान न्यायाधीश को नियुक्ति में एक पक्ष बनाने का सुझाव तो प्रसंगवश है। जस्टिस केएम जोसेफ ने जवाब दिया कि सीबीआई निदेशक और केंद्रीय सतर्कता आयुक्तों की नियुक्ति में प्रधान न्यायाधीश भी एक पक्ष होते हैं।

कुछ अलग

ऐसी पाबंदियों का मींदोज होना जरूरी

देश में एक बार फिर लड़कियों को सारे अपराध की जड़ बताया गया है। दिल्ली की जामा मस्जिद में शुक्रवार को एक बैनर ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। बैनर पर लिखा था 'जामा मस्जिद में लड़की या लड़कियों का अकेले दाखला मना है।' यहां सीधे और स्पष्ट तौर पर यह दर्शाने की कोशिश मस्जिद प्रबंधन की तरफ से की गई कि लड़कियां मस्जिद परिसर में आकर यहां के माहौल को दूषित करती हैं। जामा मस्जिद पीआरओ सबीउल्लाह खान का कहना है कि 'जो अकेली लड़कियां आती हैं लड़कों को टाइम देती हैं यहां आकर गलत हरकतें होती हैं वीडियो बनाई जाती है। गोया कि इन सारी हरकतों के पीछे की शातिराना साजिश लड़कियां ही रचती हैं। इसमें लड़कों या मर्दों की कोई भूमिका नहीं है। अब इस तरह की धारणा के बारे में क्या कहा जाए जहां बहुत आसानी से लड़कियों को 'खलनायिका' का दर्जा दे दिया जाता है। क्या कभी इस बात पर कोई विचार करेगा कि जो–जो आरोप लड़कियों पर चस्पा किए गए हैं या बिना किसी होमवर्क के लड़कियों का 'चरित्र प्रमाण पत्र' बनाकर बांट दिया गया वह निंदनीय ही नहीं बल्कि आपत्तिजनक है। वह तो भला हो उप राज्यपाल का राष्ट्रीय महिला आयोग दिल्ली महिला आयोग महिला संगठनों और सामाजिक संगठनों का कि उनके दबाव में प्रबंधन को अपने इस बेसिर–पैर के फैसले को वापस लेने को मजबूर होना पड़ा। जब इस तालिबानी फैसले की चहुंओर निंदा हुई तो प्रबंधन की सफाई ज्यादा हास्यास्पद थी। उनकी दलील थी कि 'आप फैमिली के साथ आएं कोई पाबंदी नहीं है। मैरिड कपल आएं कोई पाबंदी नहीं है मगर किसी को टाइम देकर यहां आना इसको मीटिंग प्वाइंट बनाना पार्क समझ लेना टिकटॉक वीडियो बनाना डांस करना किसी भी धर्म स्थल के लिए मुनासिब नहीं है। किसी भी धर्म स्थल पर प्रोटोकॉल होना बहुत जरूरी है। हमारा पाबंदी लगाने का यही मतलब है कि मस्जिद सिर्फ इबादत के लिए है और उसका इस्तेमाल सिर्फ इबादत के लिए होना चाहिए। हमने सिर्फ अकेली लड़कियों के आने पर पाबंदी लगाई है जो यहां आकर लड़कों को वक्त देती हैं उनके साथ मुलाकातें करती हैं। गलत हरकतें करती हैं।' यानी मस्जिद में गलती सिर्फ लड़कियां करती हैं लड़के नहीं। दरअसल यह दकियानूसी सोच का चरम है। यही वजह है कि आधी आबादी अभी तक पुरुष मानसिकता के पिंचरे में कसमसा रही है उन्हें मनमाफिक आजादी तक मयस्सर नहीं है। दूसरों के रहमोकरम पर सांस लेना ही इनकी नियति बन चुकी है। कुल मिलाकर लड़कियों को इस कदर मानसिक रूप से दबोच कर रखो कि वह अपने अच्छे–बुरे का सवाल भूल बैठे। यक्ष प्रश्न यही कि लड़की अकेले मस्जिद क्यों नहीं जा सकती? आपको पाबंदी लगानी है तो गलत कामों पर लगाओ। वीडियो बनाने पर बैन लगाओ टिकटॉक बैन करो ये क्या बात हुई कि इस बहाने मस्जिद में लड़कियों की एंट्री पर ही बैन लगा दो? क्या खुदा की इबादत करने का अधिकार महिलाओं को नहीं है या उसके लिए भी आपकी इजाजत लेनी पड़ेगी। अनुशासन बनाए रखने के लिए सिर्फ लड़कियों को सजा क्यों? क्या लड़की होना पाप है? समाज को उन्नत करना है तो लड़कियों को आजादी देनी ही होगी। उन्हें अपने हिसाब से हांकने की प्रवृत्ति पर तत्काल रोक लगाना होगा। बेटियां हैं तो सुनहरा भविष्य है। जहां बेटियों का सम्मान होता है वहां ईश्वर का वास होता है।

> महिला संगठनों और सामाजिक संगठनों का कि उनके दबाव में प्रबंधन को अपने इस बेसिर–पैर के फैसले को वापस लेने को मजबूर होना पड़ा। जब इस तालिबानी फैसले की चहुंओर निंदा हुई तो प्रबंधन की सफाई ज्यादा हास्यास्पद थी। उनकी दलील थी कि 'आप फैमिली के साथ आएं कोई पाबंदी नहीं है।

हम अभ्यास किए बिना ही यह चाहें कि हमारे आदतें बदल जाएं तो ऐसा कभी नहीं होगा

अपने ईर्द-गिर्द नकारात्मकता की दीवार हमने खुद ही खड़ी कर रखी है

ललित गर्ग

> नकारात्मकता की कुछ ईंटों पर लिखा है, 'तुम्हें भला क्या मालूम है ?' उन ईंटों पर लिखे इस वाक्य को मिटाकर आप लिख दो 'मुझे काफी कुछ मालूम है।' यही आत्म विश्वास और इच्छाशक्ति जरूरी है। डॉ. राबर्ट ने कहा कि "उन सभी कारणों को भूल जाएं कि कोई कार्य नहीं होगा।नकारात्मकता की कुछ ईंटों पर लिखा है, 'तुम्हें भला क्या मालूम है ?' उन ईंटों पर लिखे इस वाक्य को मिटाकर आप लिख दो 'मुझे काफी कुछ मालूम है।' यही आत्म विश्वास और इच्छाशक्ति जरूरी है। डॉ. राबर्ट ने कहा कि "उन सभी कारणों को भूल जाएं कि कोई कार्य नहीं होगा।

आज का इंसान नकारात्मक को ओढ़े नाना प्रकार की समस्याओं से जूझ रहा है, हर इंसान अपनी आदतों को लेकर परेशान है। ऐसा नहीं है कि आज का आदमी समय के साथ चलना न चाहे, बुरे आचरण एवं आदतों को छोड़कर अच्छी जिन्दगी का सपना न देखे, बुराई को बुराई समझने के लिये तैयार न हो। सोचना यह है कि हम गहरे में जमे संस्कारों एवं जड़ हो चुकी आदतों को कैसे दूर करें। जड़ तक कैसे पहुंचें। बिना जड़ के सिर्फ फूल-पत्तों का क्या मूल्य? अच्छा जीवन जीने एवं श्रेष्ठता के मुकाम तक पहुंचने के लिये अच्छी आदतों को स्वयं में सहेजना होगा, बाहरी अवधारणाओं को बदलना होगा, जीने की दिशाओं को मोड़ देना होगा। अंधेरा तभी तक डरावना है जब तक हाथ दीये की बाती तक न पहुंचे। जरूरत सिर्फ उठकर दीये तक पहुंचने की है। विलियम जेम्स ने अपनी पुस्तक 'दि प्रिंसिपल ऑफ साइकोलॉजी' में मनोवैज्ञानिक ढंग से चर्चा करते हुए लिखा है- 'अच्छा जीवन जीने के लिए अच्छी आदतों का बनाना जरूरी है। और अच्छी आदतों के निर्माण के लिए अभ्यास जरूरी है। यदि हम अभ्यास किए बिना ही यह चाहें कि हमारे आदतें बदल जाएं तो ऐसा कभी नहीं होगा। असफलता ही हाथ लगेगी।' उन्होंने अच्छी आदतों के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण सूत्र प्रस्तुत किया है कि अच्छी आदतें डालनी हों तो सबसे पहले अच्छी आदतों का चिन्तन करो, अभ्यास करो और बुरी आदतों को रोको। नकारात्मकता को छोड़ो। अच्छी आदतें डालने के लिए शरीर को एक विशेष प्रकार का अभ्यास देना जरूरी है। क्योंकि शरीर की विशेष स्थिति का निर्माण किए बिना हमारी आदतें अच्छी नहीं हो सकतीं। स्नायुओं को हमने जो पहले से आदतें दे रखी हैं, उनको यदि हम नहीं बदलते तो वे एक चक्र की भांति चलती रहती हैं। ठीक समय आता है और मिठाई खाने की बात याद आ जाती है, क्योंकि हमने जीभ को एक आदत दे रखी है। ठीक समय आता है और स्नायु उस वस्तु की मांग कर लेते हैं। खाने की सोचने, विचार करने की, कार्य करने की जैसे आदत हम स्नायुओं में डाल देते हैं, वैसी आदत हो जाती है। जो लोग बहुत ऊंचे मकानों में रहते हैं, वे पहली बार जब सीढ़ियों से उतरते हैं तब बहुत सावधानी से उतरते हैं। दूसरी-तीसरी बार उतरते हैं तो सावधानी कम हो जाती है और जब सौवीं बार उतरते हैं तो कोई सावधानी की जरूरत नहीं होती। पैर अपने आप एक-एक सीढ़ी उतरते हुए नीचे आ जाते हैं। चलने के साथ मन को जोड़ने की वहां आवश्यकता नहीं होती। टाइप करने वाले प्रारंभ में अक्षरों को देख-देखकर टाइप करना सीखते हैं। जब वे अभ्यस्त हो जाते हैं, तब उनकी अंगुलियां अभीष्ट अक्षरों पर पड़ती हैं और जैसा चाहा वैसा टाइप हो जाता है। फिर 'की बोर्ड' को देखने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि अंगुलियां अभ्यस्त हो चुकी हैं। हम बदल सकते हैं अपनी आदतों को और स्वभाव को, अपनी नकारात्मकता को। चाहे वह आदत शराब की हो या अन्य किसी व्यसन की। झूठ, चोरी, छल-कपट की हो या बुरे आचरण की। बदलाव के लिये गणित का कोई फार्मूला नहीं चाहिए। बड़ी-बड़ी ज्ञान एवं उपदेश से पहले सिर्फ चाहिए यह संकल्प कि मैं बदल सकता हूं। आधी गिलास के खाली होने का ही खयाल रहा तो आधी गिलास भरा होना पूरी तरह से आंखों से ओझल हो जाता है, तब मन शिकायतों से भर जाता है। इसी नकारात्मकता की दीवार को गिराना जरूरी है। अक्सर हम जिन स्थितियों में होते हैं, उसके लिए हम ही जिम्मेदारी होते हैं। हम ही अपने इर्द-गिर्द नकारात्मक विचारों की दीवार खड़ी करते हैं। वही दीवार आत्मविश्वास के जादुई चिराग तक पहुँचने के सारे रास्ते को बंद कर देती है, आशा को निराशा में, सफलता को असफलता में एवं हर्ष को विषाद में बदल देती है। फ्रैंसी लैरियू स्मिथ ने कहा कि "प्रेरणा के पीछे सबसे महत्वपूर्ण बात लक्ष्य तय करना होता है। आपका हमेशा एक लक्ष्य अवश्य होना चाहिए।" नकारात्मकता की कुछ ईंटों पर लिखा है, 'तुम्हें भला क्या मालूम है ?' उन ईंटों पर लिखे इस वाक्य को मिटाकर आप लिख दो 'मुझे काफी कुछ मालूम है।' यही आत्म विश्वास और इच्छाशक्ति जरूरी है। डॉ. राबर्ट ने कहा कि "उन सभी कारणों को भूल जाएं कि कोई कार्य नहीं होगा। आपको केवल एक अच्छा कारण खोजना है कि यह कार्य सफल होगा।" मान लो, आप एक गायक बनाना चाहते हो। गायक बनने के लिए सिर्फ इतना ही जरूरी नहीं है कि आप अपनी आलोचना से न घबराओ। उसके लिए यह भी जरूरी है कि आपको गाना भी आता हो। यहीं पर प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ती है। जीवन ही हर घटना ऐसे ही प्रशिक्षण से सकारात्मक बनती है। इसी सन्दर्भ में डेनिस वेटले ने कहा कि "यदि आप यह मानते हैं कि आप कर सकते हैं, तो संभवतः आप कर सकते हैं। यदि यह सोचते हैं कि आप नहीं कर सकते, तो आप सुनिश्चित रूप से नहीं कर सकते। विश्वास वह स्विच है जो आपको आगे बढ़ाता है।" हर व्यक्ति समस्याग्रस्त है। अभाव सबको महसूस होता है तो यह भीतर की समस्या है। इसे खरबपति बन कर नहीं सुलझाया जा सकता, क्योंकि तृष्णा प्रबल है और कितना भी मिल जाए संतोष नहीं होगा। संतोष की चेतना जाग जाए तो पास में कुछ भी नहीं होने पर भी आप स्वयं को कुबेरपति अनुभव करेंगे। यह स्थिति आदमी को हर क्षण बेचैन किए रहती है। जीवन में संतुलन जरूरी है। कभी भी अपने आपको कमजोर नहीं मानना चाहिए। पोप लेव ने कहा है कि न तो कोई इतना धनाढ्य है कि उसे दूसरे की सहायता की आवश्यकता न हो और न ही कोई इतना दरिद्र है कि किसी भी रूप में अपने साथियों के लिये उपयोगी सिद्ध न हो सके। एक मनीषी ने लिखा है ''यह शरीर नौका है। यह डूबने भी लगता है और तैरने भी लगता है। क्योंकि हमारे कर्म सभी तरह के होने से यह स्थिति बनती है। इसीलिये बार-बार अच्छे कर्म करने की प्रेरणा दी जाती है। लेकिन ऐसा हो नहीं पाता है। हमें यह समझ लेना चाहिए कि जिस प्रकार एक डाल पर बैठा व्यक्ति उसी डाल को काटता है तो उसका नीचे गिर जाना अवश्यम्भावी है, उसी प्रकार गलत काम करने वाला व्यक्ति अन्ततोगत्वा गलत फल पाता है। कर्म की ही भांति मनुष्य की सोच और विचार भी उन्नत होने चाहिए। स्वामी विवेकानन्द का मार्मिक कथन है कि हम वही है, जो हमारे विचार हमें बनाते हैं, इसलिये आप क्या सोच रहे है, उसका खास ख्याल रखिये। शब्दों को इतना महत्व नहीं, लेकिन विचार हमेशा उद्वेलित करते हैं। वे दूर तक जाते हैं।' बहुत सारी बातें हैं, जिन्हें लोग मानते तो हैं, किन्तु जानते नहीं। मानी हुई बात बिना जाने बहुत कार्यकारी नहीं होती। जब उसकी सच्चाई सामने आती है तो फिर मानने की जरूरत नहीं रह जाती। लेकिन मानना जरूरी भी है। आप न मानें तो जीवन चलना कठिन हो जाए, किन्तु मानने तक ही स्थिर नहीं हो जाना है, उसके आगे की बात भी सोचनी है। केवल मानते ही रहे, जानने की कोशिश नहीं की तो प्रगति का द्वार बंद हो जाएगा।

नई पर्यटन नीति से युवा को मिलेगा रोजगार और विकास को बल

> प्रदेश की कानून व्यवस्था लगातार सुधार की ओर अग्रसर है अतः अब प्रदेश सरकार एक ट्रिलियन डॉलर (10 ख़रब अमेरिकी डॉलर) की अर्थ व्यवस्था का लक्ष्य लेकर निवेश को गति प्रदान करने का काम कर रही है। इस दिशा में कई नीतिगत प्रयास हो रहे हैं और प्रदेश की नई पर्यटन नीति भी इसी का एक अंग है जो निवेशकों को आकर्षित करने का काम करेगी। प्रदेश सरकार की नई पर्यटन नीति बहुआयामी विकास को धार देने वाली है और यदि इसको सही ढंग से धरातल पर उतारा गया तो प्रदेश में धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन नई ऊर्चाइयों को छूने जा रहा है। पर्यटन को बढावा देने के लिए भी निवेशकों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आकर्षित किया जा रहा है। प्रदेश की कानून व्यवस्था लगातार सुधार की ओर अग्रसर है अतः अब प्रदेश सरकार एक ट्रिलियन डॉलर (10 ख़रब अमेरिकी डॉलर) की अर्थ व्यवस्था का लक्ष्य लेकर निवेश को गति प्रदान करने का काम कर रही है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भीअपनी लोकप्रियता के कारण हिमाचल और गुजरात में जम कर चुनाव प्रचार कर रहे हैं किन्तु उनकी दृष्टि एक पल के लिए भी अपने प्रदेश के विकास कार्यक्रमों से नहीं हटती, वे इस व्यस्तता के बीच भी प्रदेश के विकास के लिए नई नीतियों पर विचार मंथन करते हुए उन्हें अनुमति प्रदान कर रहे हैं। प्रदेश की कानून व्यवस्था लगातार सुधार की ओर अग्रसर है अतः अब प्रदेश सरकार एक ट्रिलियन डॉलर (10 ख़रब अमेरिकी डॉलर) की अर्थ व्यवस्था का लक्ष्य लेकर निवेश को गति प्रदान करने का काम कर रही है। इस दिशा में कई नीतिगत प्रयास हो रहे हैं और प्रदेश की नई पर्यटन नीति भी इसी का एक अंग है जो निवेशकों को आकर्षित करने का काम करेगी। प्रदेश सरकार की नई पर्यटन नीति बहुआयामी विकास को धार देने वाली है और यदि इसको सही ढंग से धरातल पर उतारा गया तो प्रदेश में धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन नई ऊर्चाइयों को छूने जा रहा है। पर्यटन को बढावा देने के लिए भी निवेशकों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आकर्षित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने नई पर्यटन नीति में 22 नई गतिविधियों को जोड़ा है जिसमें बजट होटल, हेरिटेज होटल, स्टार होटल, हेरिटेज होम स्टे, इको टूरिज्म की ईकाइयां, कारवां टूरिज्म, यूनिट, प्रदर्शनी, तीर्थयात्रा, धर्मशालाएं, वेलनेस रिसार्ट, आल वेदर सीजनल कैंप, जलाशय, झील, वेलनेस टूरिज्म तथा एडवेंचर टूरिज्म को भी शामिल कर लिया गया है। अब पर्यटन का विकास गांवों तक किया जायेगा। प्रत्येक गांव में किसी प्राचीन मंदिर ,धरोहर व महापुरूषों से संबंधित स्थलों को चिन्हित करके उस गांव का भी विकास किया जाएगा। अमृत सरोवरों के माध्यम से भी पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। जिस प्रकार प्रदेश सरकार ने एक जिला - एक उत्पाद योजना पर काम किया है उसी प्रकार अब एक जिला एक पर्यटन केंद्र का भी विकास किया जाएगा। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण और रामलला के सूर्यतिलक की अद्भुद व्यवस्था से वहां भारी संख्या में देशी व विदेशी श्रद्धालु आएंगें वहीं मथुरा और काशी में भी भक्तों की भारी संख्या आएगी । अयोध्या, मथुरा व काशी आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए विकास के काफी काम किये जा रहे हैं। प्रदेश में रामायाण और कृष्ण सर्किट की नए सिरे से स्थापना की जाएगी। रामायाण सर्किट में अयोध्या, चित्रकूट, बिठूर समेत अन्य धार्मिक स्थल शामिल होंगे। कृष्ण सर्किट में मथुरा, वृंदावन, गोकुल, गोवर्धन, बरसाना, नंदगांव, बलदेव से लेकर अन्य धार्मिक स्थलों को जोड़ा जाएगा। इसी तरह बुद्धिस्ट सर्किट में कपिलवस्तु, सारनाथ, कुशीनगर, कौशाम्बी, श्रावस्ती, रामग्राम समेत कई स्थल शामिल होंगे। जिस प्रकार प्रदेश सरकार ने एक जिला - एक उत्पाद योजना पर काम किया है उसी प्रकार अब एक जिला एक पर्यटन केंद्र का भी विकास किया जाएगा । अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण और रामलला के सूर्यतिलक की अद्भुद व्यवस्था से वहां भारी संख्या में देशी व विदेशी श्रद्धालु आएंगें वहीं मथुरा और काशी में भी भक्तों की भारी संख्या आएगी । अयोध्या, मथुरा व काशी आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए विकास के काफी काम किये जा रहे हैं। प्रदेश में रामायाण और कृष्ण सर्किट की नए सिरे से स्थापना की जाएगी। रामायाण सर्किट में अयोध्या, चित्रकूट, बिठूर समेत अन्य धार्मिक स्थल शामिल होंगे। कृष्ण सर्किट में मथुरा, वृंदावन, गोकुल, गोवर्धन, बरसाना, नंदगांव, बलदेव से लेकर अन्य धार्मिक स्थलों को जोड़ा जाएगा। इसी तरह बुद्धिस्ट सर्किट में कपिलवस्तु, सारनाथ, कुशीनगर, कौशाम्बी, श्रावस्ती, रामग्राम समेत कई स्थल शामिल होंगे। नई पर्यटन नीति में हस्तिनापुर, कांपिल्य, अहिच्छत्र, बरनावा, मथुरा,कौशाम्बी , गोंडा,लाक्षागृह जैसे स्थलों को जोड़ते हुए महाभारत सर्किट की स्थापना की जाएगी। विन्ध्यवासिनी देवी, अष्टभुजा से लेते हुए देवीपाटन, नैमिषारण्य, मां ललिता देवी, ज्वाला देवी, शाकुंभरी देवी, सहानपुर से शिवानी देवी, चित्रकूट और शीतला माता मऊ तक शक्तिपीठ का विकास किया जाएगा। प्रदेश में जैन सर्किट भी बनाया जाएगा यह देवगढ़, हस्तिनापुर से लेकर पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, रामनगर तक होगा। नई पर्यटन नीति के अंतर्गत अब स्वतंत्रता संग्राम सर्किट भी बनाया जाएगा।जिसमें स्वतंत्रता संग्राम के अहम स्थान जैसे मेरठ, शाहजहांपुर, काकोरी, चौरीचौरा आदि स्थलों को जोड़ा जाएगा। बुंदेलखंड सर्किट का भी विस्तार किया जा रहा है। नई पर्यटन नीति में हस्तिनापुर, कांपिल्य, अहिच्छत्र, बरनावा, मथुरा,कौशाम्बी , गोंडा,लाक्षागृह जैसे स्थलों को जोड़ते हुए महाभारत सर्किट की स्थापना की जाएगी। विन्ध्यवासिनी देवी, अष्टभुजा से लेते हुए देवीपाटन, नैमिषारण्य, मां ललिता देवी, ज्वाला देवी, शाकुंभरी देवी, सहानपुर से शिवानी देवी, चित्रकूट और शीतला माता मऊ तक शक्तिपीठ का विकास किया जाएगा। प्रदेश में जैन सर्किट भी बनाया जाएगा यह देवगढ़, हस्तिनापुर से लेकर पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, रामनगर तक होगा। नई पर्यटन नीति के अंतर्गत अब स्वतंत्रता संग्राम सर्किट भी बनाया जाएगा।जिसमें स्वतंत्रता संग्राम के अहम स्थान जैसे मेरठ, शाहजहांपुर, काकोरी, चौरीचौरा आदि स्थलों को जोड़ा जाएगा। बुंदेलखंड सर्किट का भी विस्तार किया जा रहा है। नई पर्यटन नीति में सभी पर्यटन श्रेणियों की इकाइयों की स्थापना पर किये गए पूंजी निवेश पर सब्सिडी दी जाएगी। नई नीति में रोजगार सृजन पर ईपीएफ सब्सिडी, नवाचार, विशिष्ट प्रोत्साहन विपणन एवं संवर्धन प्रोत्साहन राज्य की दुर्लभ व लुप्तप्राय कला, संस्कृति और व्यंजनों का संरक्षण, संवर्धन और पुनर्जीवित किये जाने के लिए प्रोत्साहन की व्यवस्था है। प्रदेश सरकार की नई नीति में बंद पड़े पुराने किलों व महलों को भी पर्यटन की दृष्टि से खोलने का निर्णय लिया है। प्रदेश सरकार ने पर्यटन नीति के अंतर्गत इस क्षेत्र में आगामी 5 साल में 10 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य भी रखा गया है।

देश दुनीया से

कैसा हो देश का नेता

अक्सर चुनावी व राजनैतिक सभाओं में आपने ऐसे नारे सुने होंगे 'देश का नेता कैसा हो .' जहां नेता के समर्थक उनका नाम जोड़कर नारे को पूरा करते हैं। इसी उम्मीद से कि वो नेता अपने समर्थकों और जानता की सेवा के लिए ही कुर्सी संभालेंगे परंतु क्या ये नेता कुर्सी पर बैठते ही जानता की अपेक्षा पर खरे उतरते हैं? क्या ये नेता अपने परिवार और निजी जीवन की परवाह किए बिना जनसेवा करते हैं? यदि ऐसा नहीं करते तो ऐसे नारे लगाने वालों को वास्तव में सोचना होगा की 'देश के नेता कैसे हों?' राज्यों के चुनाव हों या दिल्ली की नगर निगम के चुनाव हों सोशल मीडिया पर इन दिनों कई राजनैतिक दलों के नेताओं पर जनता का ग़ुस्सा फूटते देखा गया है। फिर वो चाहे प्रचार कर रहे इलाके के नेता हों विधायक हों पार्षद हों या दल के प्रवक्ता हों। इन पर हो रहे जनता के प्रहारों में वृद्धि हो रही है। जनता ही नहीं राजनैतिक दलों के कार्यकर्ता ही अपने नेताओं की पिटाई करते दिखाई दे रहे हैं। एक राज्य में चुनाव प्रचार पर निकले नेता का क्षेत्र की जनता ने जूतों के हार से स्वागत किया। इस स्वागत का कारण मतदाताओं को किए वो झूठे वादे थे जिन्हें नेता या उसके पदासीन दल ने पूरा नहीं किया। हर चुनाव से पूर्व जनता को वही पुराने वादों को नये लिबास में पेश कर दिया जाता है। जाहिर सी बात है जनता के सब्र का बांध टूटेगा ही। पिछले दिनों दिल्ली नगर निगम के चुनावों के प्रचार के दौरान एक इलाके में टीवी डेबिट के बीच ही नेता जी व उनके पुत्र की दूसरे दल के समर्थकों द्वारा पिटाई का वीडियो भी सामने आया। इस पिटाई के पीछे भी जनता को गुमराह करना और उनके दल द्वारा किए गए झूठे वायदे ही था। आजादी के बाद से अब तक हुए चुनावों में देश की जनता ने अपने शासक चुनने में अक्सर कोई गलती नहीं की। चुनावों के वक्त जनता का जो सामूहिक फैसला निकलकर आया उसमें अक्सर श्रेष्ठ उम्मीदवार ही विजेता बने। चुनाव नतीजों के जरिये जनता ने बताया है कि वह अपने शासक में कौन–से गुण देखना चाहती है। यदि कोई नेता जनता की उम्मीदों कि कसौटी पर खरा नहीं उतरता तो उसे अगले चुनाव में घर बिठा दिया जाता है। मतदाताओं ने नेता के गुणों और क्षमताओं पर ही उन्हें चुन कर जिताया लेकिन सिर्फ तब तक जब तक उनमें उन गुणों और चुनावी वादों को पूरा करने की क्षमता थी। राजनीति के महा ज्ञानी चाणक्य द्वारा अच्छे शासक के गुणों को परिभाषित किया है। यही वही गुण हैं जो नेता बनने से पहले अच्छे इंसान और अच्छे नागरिक के रूप में दिखने चाहिए। आजकल के नेताओं को गांधी नेहरू शास्त्री इंदिरा वाजपेयी जैसा विनम्र और मृदुभाषी होना चाहिए। इतिहास गवाह है कि भारत की जनता ने बड़बोले और दंभी नेताओं के बजाय विनम्र और मृदुभाषी व्यक्तित्व को अपने नेता के रूप में पसंद किया है। वोटरों ने प्रायः ऐसे नेताओं को पसंद कर चुना है जो दूसरों की कमियों पर जोर देने की बजाय अपनी सकारात्मक राजनीति को आगे रखते हैं। महात्मा गांधी के भाषणों में आपको ब्रिटिश हुकूमत के अत्याचारों के खिलाफ लंबी तकरीरें नहीं मिलेंगी। बापू जनता के सामने हमेशा बेहतर और सकारात्मक मुद्दे ही रखते थे। आज के माहौल में आप ऐसे नेता उंगलियों पर गिन सकते हैं। किसी भी नेता को चुनने से पहले उसमें यह देखा जाता है कि वो विश्वास योग्य है या नहीं? व्यक्ति का यह वह प्राथमिक गुण है जो अगर न हो तो दूसरे सभी गुण बेकार हैं। नेता का व्यक्तित्व अगर विश्वास करने योग्य न हो न तो उसकी विनम्रता प्रभावित करेगी और न ही निर्णय लेने की क्षमता। योग्य नेता में सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। सही समय पर अहम फैसले लेने से बचने और फैसलों को टालने वाले नेताओं को जनता का समर्थन कभी नहीं मिला। यह गुण नेतृत्व क्षमता का पहला और अनिवार्य गुण माना जाता है। पुरानी पीढ़ी के सफल नेता चाहे किसी भी दल के हों अगर सालों तक जनता के प्रिय बने रहे तो इसी गुण के कारण। चाणक्य ने राजा के शिक्षित होने पर अच्छा खासा जोर दिया परंतु उस वक्त शिक्षा के पैमाने आजकल के शिक्षा के स्तर से काफी अलग थे। आजादी के बाद भारतीय नेताओं की औपचारिक शिक्षा पर प्रायः ज्यादा अहमियत नहीं दी गई।

> राज्यों के चुनाव हों या दिल्ली की नगर निगम के चुनाव हों सोशल मीडिया पर इन दिनों कई राजनैतिक दलों के नेताओं पर जनता का ग़ुस्सा फूटते देखा गया है। फिर वो चाहे प्रचार कर रहे इलाके के नेता हों विधायक हों पार्षद हों या दल के प्रवक्ता हों। इन पर हो रहे जनता के प्रहारों में वृद्धि हो रही है। जनता ही नहीं राजनैतिक दलों के कार्यकर्ता ही अपने नेताओं की पिटाई करते दिखाई दे रहे हैं। एक राज्य में चुनाव प्रचार पर निकले नेता का क्षेत्र की जनता ने जूतों के हार से स्वागत किया। इस स्वागत का कारण मतदाताओं को किए वो झूठे वादे थे जिन्हें नेता या उसके पदासीन दल ने पूरा नहीं किया।

नागरिक बोध

पाकिस्तान में फौजी भ्रष्टाचार

पाकिस्तान की फौज को दुनिया की सबसे ज्यादा भ्रष्ट फौज माना जाता है। पाकिस्तान का हर महत्वाकांक्षी नौजवान फौज में भर्ती होना चाहता है, क्योंकि वहां मूंछों पर ताव देकर रहना और पैसा बनाना सबसे आसान होता है। पाकिस्तान के लोग फौजियों का जरूरत से ज्यादा सम्मान करते हैं या उनसे बहुत ज्यादा डरते हैं, कहा नहीं जा सकता। अब से लगभग 40 साल पहले जब मैं पहली बार पाकिस्तान गया तो रावलपिंडी में फौज के मुख्यालय के पास एक दुकान में किताबें खरीदने गया। मुझे देखते ही उस दुकान के मालिक और सारे कर्मचारी मुझे सेल्यूट मारने लगे, क्योंकि उन दिनों मैं सफारी सूट पहना करता था और मूंछें भी थोड़ी बड़ी रखता था। किताबें चुनने के बाद जब मैंने बिल मांगा तो मालिक बोला, सर आप कैसी बात कर रहे हैं? मैं किताबें आपकी कार में रखवा चुका हूँ। मैं पाकिस्तान के कई राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों और बड़े उद्योगपतियों के घरों में भी गया हूं लेकिन जो ठाठ-बाठ मैंने सेनापतियों और फौजियों के घरों में देखा, वैसा भारत के किसी फौजी के घर में नहीं देखा। इस वक्त जनरल क़मर बाजवा पाकिस्तान के सेनापति हैं। उनकी कुल निजी संपत्ति लगभग 500 करोड़ रु. की आंकी जा रही है। इसका पता तो उनके खिलाफ प्रचार कर रही एक वेबसाइट ने दिया है। यह भी एक कारण बताया जा रहा है, उनके स्वेच्छया सेवा-निवृत्त होने का! इसमें थोड़ी बहुत अतिशयोक्ति भी हो सकती है लेकिन इनकी तुलना ज़रा हमारे सेनापतियों से करें। वे बेचारे अपनी पेंशन पर किसी तरह गुजारा करते हैं। पाकिस्तान के कई फौजियों के जैसे आलीशान मकान मैंने लंदन, न्यूयार्क, फ्रेंकफर्ट और दुबई में देखे हैं, वैसा एक भी मकान किसी भारतीय सेनापति का मैंने आज तक विदेशों में कभी नहीं देखा। पाकिस्तान में फौज ने भारत का ऐसा भयंकर डर पैदा कर रखा है कि पाकिस्तानी जनता उसे अपना सर्वेसर्वा बनाने पर मजबूर हो जाती है। वह किसी भी बड़े फौजी को अपना तानाशाह स्वीकार कर लेती है। वह ज़ुल्फिकार अली भुट्टो, बेनज़ीर और नवाज शरीफ जैसे लोकप्रिय नेताओं को जब चाहे कान पकड़कर बाहर कर देती है। इमरान खान जैसे नेता का जीना भी हराम हो जाता है। इतना ही नहीं, पाकिस्तान की फौज ने सत्ता के साथ पत्ता (नोट) को भी अपने काबू में ले लिया है। वह राजपूती दिखाते-दिखाते बनियागीरी भी करने लगी है। उसने लगभग डेढ़ लाख करोड़ रु. का कारोबार चला रखा है। उसमें बैंकिंग, मेडिकल सर्विसेज़, खाद, बीज, तेल, पेट्रोल पंप, बिजली घर, एयरपोर्ट सर्विसेज आदि दुनिया भर के धंधे खोल रखे हैं। इन धंधों के संगठनों को कई नाम दे रखे हैं लेकिन उन्हें फौजी ही चलाते हैं। बड़े फौजियों के अपने निजी धंधे हैं। पाकिस्तान में और विदेशों में भी! अरबों रु. के इन धंधों तथा स्विस बैंकों में चल रहे इनके गुप्त खातों पर लंदन और न्यूयार्क के अखबारों में अक्सर भांडाफोड़ होता रहता है लेकिन पाकिस्तान की जनता इनके खिलाफ खुलकर बगावत इसीलिए नहीं करती कि उसके दिल में यह बात बिठा दी गई है कि भारत तो पाकिस्तान को खत्म करना ही चाहता है लेकिन यह सर्वशक्तिमान फौज ही है, जिसकी कृपा से वह बचा हुआ है। पाकिस्तानियों के मन से जिस दिन भारत का भय निकल गया, उसी दिन से यह फौज अपनी पटरी पर चलने लगेगी। यदि फौज पटरी पर चलने लगे तो पाकिस्तान भी भारत की तरह एक लोकतांत्रिक देश बन सकता है।

शिनजियांग–बीजिंग होते हुए शंघाई तक पहुंचा सरकार विरोधी प्रदर्शन, कोरोना लॉकडाउन से देशभर में बिफरे लोग

बीजिंग।
चीन में कोरोना खतरनाक होता जा रहा है। यहां आए दिन नए संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। ऐसे में सरकार ने एक बार फिर से जीरो कोविड पॉलिसी लागू कर दी है और कई शहरों के लाखों लोगों को उनके घरों में कैद कर दिया गया है। इस बीच सरकार की सख्त नीति से परेशान लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। जानकारी के मुताबिक, चीन के शंघाई में शनिवार को कई प्रदर्शनकारी सड़क पर उतर आए और जीरो कोविड पॉलिसी वापस लेने की मांग की। दरअसल, इस प्रदर्शन की शुरुआत चीन के उरुमकी शहर में एक इमारत में आग लगने के बाद हुई, जिसमें 10 लोगों की जलकर मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि यहां जीरो कोविड पॉलिसी लागू होने के कारण राहत कार्य में देरी हुई, जिससे इतना बड़ा हादसा हो गया।

प्रदर्शन के कई वीडियो आए सामने

चीन में सरकार की सख्त नीति का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों के कई वीडियो भी सामने आए हैं। एक वीडियो के मुताबिक उरुमकी शहर की सड़कों पर कई लोग दिखाई दे रहे हैं और ये लोग चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी का विरोध कर रहे हैं। इसके अलावा लोग कह रहे हैं कि उन्हें पीसीआर टेस्ट नहीं चाहिए, उन्हें आजादी चाहिए। वे झिनजियांग शहर में लॉकडाउन वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

2019 के बाद सबसे अधिक मामले

24 नवंबर को चीन में 31,444 नए मामले दर्ज किए गए थे। वहीं दूसरे दिन 32,943 तो तीसरे दिन यानी शुक्रवार को 35,909 मामले सामने आए। चीन के वुहान शहर में 2019 में सामने आए संक्रमण के पहले मामले के बाद देश में सामने आए ये सबसे अधिक दैनिक मामले हैं। देश में संक्रमण के दैनिक मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

कई इलाकों में आवाजाही पर लगी रोक

अमेरिका और अन्य देशों की तुलना में चीन में संक्रमण से मौत के कम मामले सामने आए हैं, लेकिन फिर भी देश की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने वायरस को लेकर कोई भी कोताही न बरतने की नीति अपना रखी है, जिसके तहत मामलों की संख्या देखते हुए इलाकों में लोगों की आवाजाही पर रोक लगाई जाती है। स्वास्थ्य अधिकारियों की अपील के बाद 35 लाख लोग घर में कैद हो गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

चुनाव में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने मानी हार, राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने दिया इस्तीफा

ताइपे। चीन के साथ तनाव के बीच ताइवान में स्थानीय निकायों के चुनाव के लिए शनिवार को सुबह से ही मतदाताओं ने उत्साह दिखाया।

इन चुनावों में देर शाम मिले नतीजों में देश की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेस पार्टी (डीपीपी) ने अपनी हार स्वीकार कर ली है। सत्तारूढ़ पार्टी के मेयर पद के उम्मीदवार चेन शिह–चुंग ने विपक्ष की ओर से वेन चियांग को अपनी बधाई दी। राष्ट्रपति त्साई इंग–वेन ने अपनी पार्टी द्वारा स्थानीय चुनाव में हार के बाद सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया है। चुनाव के नतीजे आने के बाद उन्होंने समर्थकों को धन्यवाद भी दिया। बता दें कि देश में पिछली बार 2018 में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में भी केएमटी (कुओमिन्तांग) पार्टी ने ही विजय हासिल की थी। ताइवान में होने वाले स्थानीय चुनाव को आगामी द्वीपीय चुनाव के लिए एक शक्ति परीक्षण के तौर पर देखा जाता है। इस हिसाब से मौजूदा राष्ट्रपति साई इंग–वेन की स्थिति कुछ कमजोर दिखाई दे रही है। बता दें कि केएमटी पार्टी चीन के साथ मधुर संबंध बनाकर काम करना चाहती है। उसने डीपीपी पर आरोप लगाया था कि वह चीन से संबंधों को तनावपूर्ण बना रही है जो द्वीपीय राष्ट्र के लिए ठीक नहीं। केएमटी चीन समर्थक न होकर भी उससे मधुर संबंध चाहती है। शनिवार को हुए स्थानीय चुनाव में मतदान के जरिये 13 क्षेत्रों (काउंटी) और नौ शहरों में अपने मेयर, नगर परिषद के सदस्यों तथा अन्य स्थानीय नेताओं का चुनाव लड़ा गया। अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों व सत्तारूढ़ दल ने जहां चुनावों को ताइवान के पड़ोसी देश से अस्तित्व के दीर्घकालिक खतरे से जोड़ने का प्रयास किया है, वहीं कई स्थानीय विशेषज्ञों को नहीं लगता कि इस बार चीन की कोई बड़ी भूमिका है। नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर येह–लिह वांग ने कहा, अंतरराष्ट्रीय संस्था ने बहुत कुछ दांव पर रख दिया है।

नासा के ओरियन अंतरिक्ष यान ने चंद्रमा की कक्षा में किया प्रवेश, यह है भविष्य की योजना

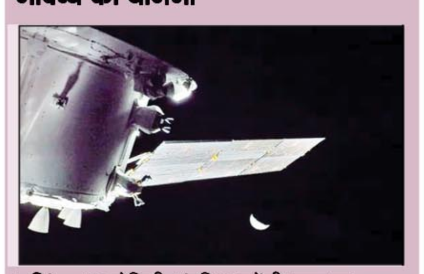

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का ओरियन कैप्सूल चंद्रमा के चारों ओर दूर तक फैली कक्षा में प्रवेश कर गया है। अधिकारियों ने कहा कि चंद्रमा मिशन के शुरुआती देरी के बाद अब यह सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है। अंतरिक्ष यान ने करीब एक हफ्ते पहले फ्लोरिडा से चंद्रमा के लिए उड़ान भरी थी। ओरियन एक हफ्ते तक स्थिर कक्षा में रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, ओरियन कैप्सूल पृथ्वी से तकरीबन 380,000 किमी की दूरी पर था। आने वाले दिनों में 432,000 किमी की अधिकतम दूरी पर पहुंचने की उम्मीद है। चंद्रमा के चारों ओर आधी परिक्रमा करने में ओरियन को लगभग एक हफ्ते का समय लगेगा। इस मिशन के सफल होने पर नासा 2024 में अंतरिक्ष यात्रियों को चांद के आसपास भेजने के मिशन को अंजाम देगा। इसके बाद नासा 2025 में एक यान को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतारने की कोशिश करेगा। 50 साल पहले नासा ने अपोलो कार्यक्रम के तहत यह उपलब्धि हासिल की थी। इसके बाद यह पहली बार है जब कोई कैप्सूल चंद्रमा पर पहुंचा है।

इमरान खान बोले- तीन शूटरों ने की थी मुझे मारने की कोशिश, जल्द हो सकता है एक और हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर से शहबाज शरीफ सरकार पर हमला बोला। शनिवार को रावलपिंडी में विशाल रैली को संबोधित करते हुए इमरान ने कहा कि उनकी हत्या के प्रयास में तीन शूटर शामिल थे। जिन दो हमलावरों की पहले से पहचान की गई थी, वह उनपर और पीटीआई के अन्य नेताओं पर गोली चलाने वाले थे और दूसरे शूटर ने कंटेनर के मोर्चे पर गोलीबारी की। 70 वर्षीय खान ने दावा किया कि तीसरे शूटर ने रैली में एक व्यक्ति को मार डाला। जबकि वह भी उनकी हत्या करने का प्रयास कर रहा था। उन्होंने एक बार फिर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह और मेजर जनरल फैसल नसीर पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया।

हिंद महासागर में पकड़ मजबूत करने की फिराक में चीन भारत की गैरमौजूदगी में 19 देशों के साथ की बैठक

बीजिंग।
चीन ने इस हफ्ते की शुरुआत में भारत को छोड़कर दक्षिण एशिया के सभी देशों सहित हिंद महासागर क्षेत्र के 19 देशों के साथ बैठक की। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में भारत को आमंत्रित नहीं किया गया था। यह बैठक रणनीतिक समुद्री क्षेत्र और प्रमुख समुद्री व्यापार मार्ग में बीजिंग के बढ़ते प्रभाव का ताजा संकेत है। चीन के विदेश मंत्रालय से जुड़े संगठन चीन अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी के बयान में कहा गया कि 21 नवंबर को विकास सहयोग पर हिंद महासागर क्षेत्रीय मंच की बैठक में 19 देशों ने हिस्सा लिया।

भारत को नहीं किया गया आमंत्रित – इंडोनेशिया, पाकिस्तान, म्यांमार, श्रीलंका, बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान, ईरान, ओमान, दक्षिण अफ्रीका, केन्या, मोजाम्बिक, तंजानिया, सेशेल्स, मेडागास्कर, मॉरीशस, जिबूती और ऑस्ट्रेलिया सहित 19 देशों और तीन अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस बैठक में हिस्सा लिया। यह बैठक यून्नान प्रांत के कुनमिंग में साझा विकास समुद्री अर्थव्यवस्था के सिद्धांत पर आधारित हाइब्रिड यानी प्रत्यक्ष–ऑनलाइन तरीके से आयोजित की गई। मंच का आयोजन चीन अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी द्वारा किया गया था। यह एक सरकारी एजेंसी है, जिसकी अध्यक्षता पूर्व उप विदेश मंत्री और भारत में चीनी राजदूत रह चुके लुओ झाओहुई ने की। संगठन की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, झाओहुई सीआईडीसीए नेतृत्व समूह के सचिव हैं। बता दें कि पिछले साल भी चीन ने भारत की भागीदारी के बिना कोविड–19 टीका सहयोग पर कुछ दक्षिण एशियाई देशों के साथ बैठक की थी।

चीन का हिंद महासागर क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने की कोशिश – विशाल समुद्री क्षेत्र में अपने प्रभाव क्षेत्र को व्यापक बनाने के लिए इस मंच का सहारा लेते हुए चीन ने हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ समुद्री आपदा निवारण और शमन सहयोग तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। बैठक के अंत में जारी सीआईडीसीए के एक बयान में कहा गया है कि चीन जरूरतमंद देशों को आवश्यक वित्तीय, सामग्री और तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। बयान में कहा गया है कि चीन ने यून्नान प्रांत के समर्थन से चीन और हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के लिए एक ब्लू इकोनॉमी थिंक टैंक नेटवर्क की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा। चीन पाकिस्तान और श्रीलंका सहित कई देशों में बंदरगाहों और बुनियादी ढांचे में निवेश के साथ रणनीतिक हिंद महासागर क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। चीन का उद्देश्य साफ तौर पर हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के मजबूत प्रभाव का मुकाबला करने का है, जहां हिंद महासागर रिम एसोसिएशन जैसे भारत समर्थित संगठन ने मजबूत जड़ें जमा ली हैं जिसके 23 देश सदस्य हैं।

संगठन का उद्देश्य विदेशी सहायता के लिए सलाह देना – सीआईडीसीए की आधिकारिक वेबसाइट पर कहा गया है कि संगठन का उद्देश्य विदेशी सहायता के लिए राजनीतिक दिशा–निर्देश, योजना और नीतियां बनाना, प्रमुख विदेशी सहायता मुद्दों पर समन्वय करना और सलाह देना, विदेशी सहायता से जुड़े मामलों में देश के सुधारों को आगे बढ़ाना तथा प्रमुख कार्यक्रमों को चिह्नित करना और उनके काम करने के तरीके का मूल्यांकन करना है। इस साल जनवरी में श्रीलंका के अपने दौरे के दौरान चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने हिंद महासागर के द्वीपीय देशों के विकास पर एक मंच स्थापित करने का प्रस्ताव रखा था। यह पूछे जाने पर कि क्या सीआईडीसीए की बैठक वही है जो वांग ने प्रस्तावित की थी तो, चीनी विदेश मंत्रालय ने मीडिया को स्पष्ट किया है कि 21 नवंबर की बैठक उसका हिस्सा नहीं थी।

पाक की नई चाल : सीपीईसी में तुर्किये को भी शामिल होने का दिया आमंत्रण पाकिस्तान ने अब एक नई चाल चली है। अपने कब्जे वाले कश्मीर में परियोजनाओं के लिए पाकिस्तान ने भारत के लगातार विरोध के बीच तुर्किये को चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। पीएम शहबाज शरीफ ने तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब अर्दोआन के साथ उनके अंकारा दौरे के दौरान एक साझा प्रेसवार्ता में यह प्रस्ताव रखा। शरीफ के हवाले से कहा कि मैं सुझाव दूंगा कि इस परियोजना को चीन, पाक और तुर्किये के बीच सहयोग होने दें जो एक अद्भुत संयुक्त सहयोग होगा।

नई सरकार बनाने के लिए पीएम देउबा और प्रचंड सहमत, परिणामों में सत्तारूढ़ गठबंधन को 82 सीटों के साथ बढ़त

काठमांडो।
प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और सीपीएन–माओवादी केंद्र के अध्यक्ष पुष्पकमल दहल प्रचंड नेपाल में नई सरकार बनाने के लिए सहमत हो गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, शनिवार को हुई बैठक में दोनों नेता देश में नई बहुमत वाली सरकार में अपने सत्तारूढ़ पांच दलों के गठबंधन को जारी रखने पर सहमत हुए। सत्तारूढ़ गठबंधन ने अब तक 82 सीटें हासिल की हैं, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन–यूएमएल गठबंधन ने सीधे चुनाव के तहत 52 सीटें जीतीं हैं। गठबंधन में प्रधानमंत्री देउबा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस, प्रचंड के नेतृत्व वाली सीपीएन–माओवादी, माधव नेपाल की अध्यक्षता वाली सीपीएन–यूनिफाइड सोशलिस्ट, महंत ठाकुर की लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी और चित्रा बहादुर के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनमोर्चा शामिल हैं।

नेपाल के आम चुनाव में सत्ताधारी नेपाली कांग्रेस के गठबंधन की लगातार बढ़त को देखते हुए पूर्व प्रधानमंत्री और चीन के करीबी केपी शर्मा ओली ने एक बार फिर से 'कम्युनिस्ट एकता' का दांव चला है। उन्होंने फोन करके कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी सेंटर) के प्रमुख पुष्प कमल दहल को उनकी जीत पर बधाई दी और साथ मिलकर सरकार बनाने का प्रस्ताव दे दिया।

हालांकि दहल ने ओली के प्रस्ताव पर कोई जवाब नहीं दिया है लेकिन राजनीतिक पर्यवेक्षक ओली के इस दांव को गंभीर मान रहे हैं, क्योंकि सत्ताधारी गठबंधन में दहल की पार्टी दूसरे नंबर पर है। नेपाल की राजनीति के कद्दावर नेता उपेंद्र कुमार ने कहा है कि अभी से कुछ कहना मुश्किल है क्योंकि सत्ताधारी गठबंधन जरूरी बहुमत के आंकड़े के काफी करीब पहुंचता जा रहा है। लेकिन कम्युनिस्ट एकता का दांव आखिरी मौके पर तभी काम आएगा जब ओली के पास पर्याप्त सीटें हों। डेढ़ साल पहले तक दहल और ओली एक ही पार्टी का हिस्सा थे। लेकिन पार्टी बंटी व प्रचंड ने नेकां से हाथ मिला लिया। उसी समय माधव कुमार नेपाल ने भी ओली से अलग होकर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल के नाम से अपनी अलग पार्टी बना ली। यह पार्टी भी सत्ताधारी गठबंधन में शामिल है। पर्यवेक्षकों के मुताबिक, अगर ये दोनों पार्टियां यूएमएल से मिल जाएं, तो 'कम्युनिस्ट सरकार' बनने की संभावना मजबूत हो जाएगी।

वैज्ञानिकों ने 48500 साल से साइबेरिया की बर्फ में सो रहे वायरस को किया पुनर्जीवित

क्रास्नोयार्स्क।
साइबेरिया के पर्माफ्रॉस्ट बर्फ में 48,500 साल से सो रहे कई वायरस को वैज्ञानिकों ने पुनर्जीवित किया है। ये सभी रूस के सुदूर पूर्वी इलाके में स्थित साइबेरिया के पर्माफ्रॉस्ट से पांच अलग–अलग प्रजातियों से संबंध रखते हैं। इनका नाम मेगावायरस मैमथ है। ये वायरस उस दौर के हैं, जब साइबेरिया में हाथियों के पूर्वज मैमथ घूमते थे। वह हिमयुग का समय था। हिमयुग के समय से साइबेरिया के पर्माफ्रॉस्ट बर्फ में कई वायरस दबे हैं।

अचानक वायरस का संक्रमण फैलेगा तो खतरा ज्यादा होगा

वैज्ञानिकों ने इनमें से कुछ को निकालकर जिंदा किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जिस तरह से जलवायु परिवर्तन के बर्फ तेजी से पिघल रही है, ऐसे में अचानक वायरस का संक्रमण फैलेगा तो खतरा ज्यादा होगा। इसलिए पहले ही इन वायरसों को खोजकर उनकी स्टडी कर लेना चाहते हैं, ताकि उनके संक्रमण से बचने का तरीका खोजा जा सके।

इसी कड़ी में सैंपल कलेक्ट किए गए हैं। इनमें से कुछ वायरस 48,500 साल पुराने हैं। तब से लेकर अब तक ये बर्फ में दबे सो रहे थे। लेकिन अब ये जाग गए हैं। इनमें से जो तीन वायरस सबसे नए हैं। उनकी उम्र 27 हजार साल है।

बर्फ में मृत मिले साइबेरियन भेड़िये के पेट से दो नए वायरसों को खोजा गया है

इन वायरसों को मैमथ के मल से हासिल किया गया है, जो मैमथ के बालों में लिपटा हुआ था। बर्फ में जमा हुआ था। इन्हें नाम दिया गया है– मेगावायरस मैमथ, पिथोवायरस मैमथ और पैंडोरावायरस मैमथ। इसके अलावा बर्फ में मृत मिले साइबेरियन भेड़िये के पेट से दो नए वायरसों को खोजा गया है। इनका नाम है पैकमैनवायरस लुपुस और पैंडोरावायरस लुपुस है।

रूसी हमलों के बीच बिजली संकट ने बढ़ाई यूक्रेन की चिंता, भारी बर्फबारी में केवल चार घंटे मिलेगी सप्लाई

कीव।
यूक्रेन की राजधानी कीव में रूसी हमलों के बीच सर्दियों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। दरअसल, भारी बर्फबारी के बीच यहां भारी बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है। देशभर में ब्लैकआउट की स्थिति हो गई है। बिजली उत्पादक खपत की जरूरतों के केवल तीन–चौथाई को कवर करने में सक्षम हैं। रिपोर्ट के अनुसार लोगों को केवल चार से पांच घंटे ही बिजली सप्लाई मिल रही है। हालांकि सर्दियों में बिजली की मांग गर्मी की तुलना में अधिक होती है। लोग अधिक संख्या में लाइट जलाते हैं और हीटर का उपयोग करते हैं।

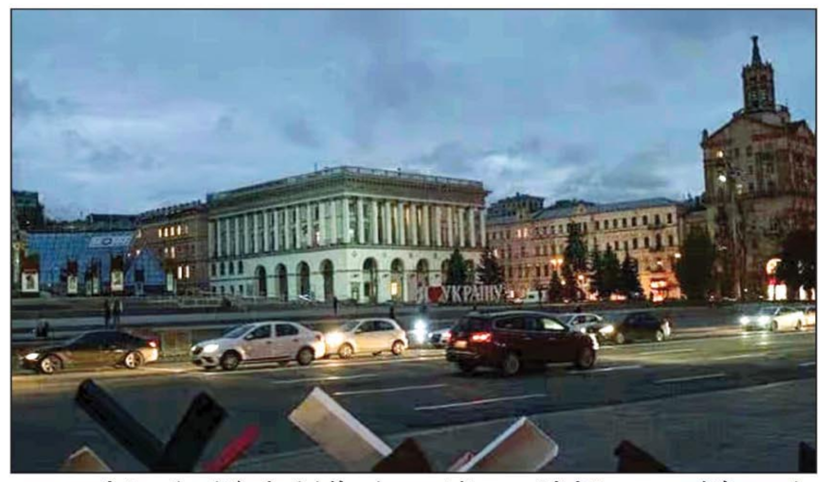

फिलहाल चार घंटे ही बिजली मिलेगी: मुख्य परिचालन अधिकारी

कीव को बिजली सप्लाई करने वाली कंपनी यास्नो के मुख्य परिचालन अधिकारी सर्गेई कोवलेंको ने कहा कि शहर की स्थिति में सुधार हुआ है लेकिन अभी भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि निवासियों को प्रति दिन कम से कम चार घंटे बिजली ही मिलेगी। कोवलेंको ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा अगर आपके पास पिछले दिन कम से कम चार घंटे बिजली नहीं है, तो डीटीईके कीव इलेक्ट्रिक नेटवर्क्स को लिखें, सहकर्मी आपको यह पता लगाने में मदद करेंगे कि समस्या क्या है

रूसी हमलों के बाद 70 फीसदी क्षेत्र में बिजली गुल हो गई थी

रूसी सैन्य बलों द्वारा यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचों पर नए सिरे से मिसाइल हमलों के बाद कीव के 70प्रतिशत हिस्से में बृहस्पतिवार सुबह बिजली गुल हो गई। बुधवार देर रात किए रूसी हमलों के कारण कीव समेत पूरे यूक्रेन के अधिकतर हिस्सों में बिजली चली गई है। पहले से संकटग्रस्त यूक्रेनी विद्युत नेटवर्क की इन हमलों ने सर्दियां शुरू होने के बीच हालत और खराब हो गई है।

दुनिया की सबसे मजबूत परमाणु शक्ति बनना हमारा अंतिम लक्ष्य, तानाशाह किम जोंग उन ने दी धमकी

प्योंगयांग।
उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने विश्व के तमाम देशों को संदेश देते हुए कहा है कि आने वाले दिनों में दुनिया की सबसे ताकतवर परमाणु शक्ति बनना उत्तर कोरिया का अंतिम लक्ष्य है। उन्होंने इसके लिए दर्जनों सैन्य अधिकारियों को प्रोत्साहित भी किया है। किम द्वारा यह घोषणा देश की नई ह्वासोंग–17 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) के परीक्षण का निरीक्षण करने और 18 नवंबर को परमाणु हथियारों के साथ अमेरिकी परमाणु खतरों का मुकाबला करने का संकल्प लेने के बाद आई है। किम ने कहा कि परमाणु बल का निर्माण राज्य और लोगों की गरिमा और संप्रभुता की मजबूती से रक्षा करने के लिए है, और इसका अंतिम लक्ष्य दुनिया की सबसे शक्तिशाली सामरिक शक्ति बनना है। किम जोंग ने ह्वासोंग–17 को दुनिया का सबसे मजबूत सामरिक हथियार कहा और कहा कि यह उत्तर कोरिया के संकल्प और अंततः दुनिया की सबसे मजबूत सेना बनाने की क्षमता का प्रदर्शन करता है।

हमारे वैज्ञानिकों ने अद्भुत छलांग लगाई: किम जोंग उन – किम ने कहा कि उत्तर कोरिया के वैज्ञानिकों ने बैलिस्टिक मिसाइलों पर परमाणु हथियार लगाने की तकनीक के विकास में एक अद्भुत छलांग लगाई है। परीक्षण में शामिल वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, सैन्य अधिकारियों और अन्य लोगों के साथ फोटो खिंचवाते हुए किम ने कहा कि वह उम्मीद करते हैं कि वे असाधारण रूप से तेज गति से देश के परमाणु निवारक का विस्तार और मजबूत करना जारी रखेंगे। उन कार्यकर्ताओं ने सत्तारूढ़ दल के प्रति निष्ठा और विश्वास की शपथ ली, पार्टी और किम के पूर्ण अधिकार की रक्षा करने की कसम खाई और यह प्रण लिया कि हमारी मिसाइलें केवल उनके द्वारा बताए गए दिशा में सख्ती से उड़ेंगी।

ह्वासोंग–17 ने 1000 किलोमीटर की उड़ान भरी, अमेरिका भी जद में – केसीएनए ने कहा कि ह्वासोंग–17 आईसीबीएम के प्रक्षेपण की पुष्टि उत्तर ने की थी। यह सर्वोच्च प्राथमिकता वाली रक्षा तैयारी की रणनीति का हिस्सा था। उत्तर कोरिया का कहना है कि इसका मकसद सबसे शक्तिशाली और पूर्ण परमाणु प्रतिरोध तैयार करना है। एजेंसी ने दावा किया कि यह मिसाइल दुनिया में सबसे मजबूत सामरिक हथियार है। मिसाइल ने करीब 69 मिनट में करीब 1,000 किलोमीटर की उड़ान भरी और 6,041 किलोमीटर की अधिकतम ऊंचाई तक पहुंची।इसे इसके आकार के कारण राक्षस मिसाइल कहा जाता है। जेरूसलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार यह मिसाइल कई हथियार ले जाने में सक्षम है। यह करीब 15,000 किलोमीटर तक मार कर सकती है। इसकी जद में अमेरिका भी आता है।

अमेरिका पर शत्रुतापूर्ण नीति अपनाने का आरोप – केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार अपनी बेटी और पत्नी के साथ मिसाइल परीक्षण स्थल पर पहुंचे उत्तर कोरिया के प्रमुख किम जोंग ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों की शत्रुतापूर्ण नीति को देखते हुए वे अपने देश की सुरक्षा के लिए परमाणु प्रतिरोध मजबूत करने को मजबूर हुए हैं। इस मौके पर किम ने एलान किया कि यदि दुश्मन धमकी देना जारी रखते हैं, तो हमारी पार्टी और सरकार परमाणु हथियारों का जवाब उसी अंदाज में देगी।

जम्मू-कश्मीर में सुशासन-व्यवस्था का अगला चरण जल्द होगा शुरू : मनोज सिन्हा

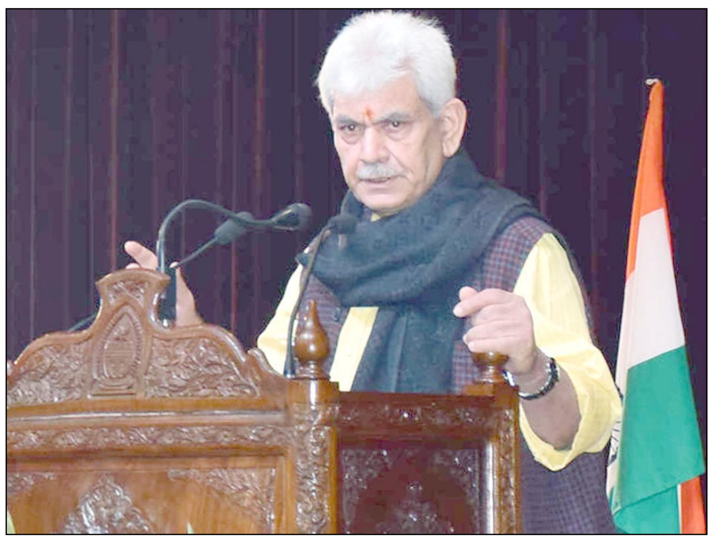

कटडा (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन के समापन समारोह में रविवार को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि जल्द ही जम्मू-कश्मीर में सुशासन व्यवस्था का अगला चरण शुरू होगा। सरकार ने तीन साल में लोगों को 500 से अधिक डिजिटल सेवाएं देने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में डिजिटल व्यवस्था के मील के नए पत्थर स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जारी वर्ष के 11 महीनों में प्रदेश में 36 करोड़ आनलाइन ट्रांजेक्शन इसका सबूत है। इस दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि देश के संतुलित विकास के लिए ई-गवर्नेंस सेवाएं उपलब्ध करवाने में जम्मू-कश्मीर समेत देश के अन्य सभी प्रदेशों को उनका प्रदेश पूरा सहयोग देगा। रविवार दोपहर को श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय कटड़ा में संपन्न हुई दो दिवसीय राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन में जम्मू-कश्मीर को आईटी क्षेत्र में पूरा सहयोग देने के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करने के बाद खट्टर ने कहा कि हरियाणा सभी राज्यों को पूरा सहयोग देकर एक भारत श्रेष्ठ भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा। इससे पहले हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रविवार सुबह माता वैष्णो देवी के दर्शन किए। उसके बाद श्री माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय ई-सुशासन सम्मेलन में शामिल हुए। सम्मेलन में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि दो वर्षों में जम्मू-कश्मीर में ई-आफिस का चलन बड़ा है। सरकारी कार्यालयों में पेपर रहित कामकाज पर बल दिया जा रहा है। नई तकनीकों के प्रयोग से प्रशासनिक कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता भी बड़ी है। दूसरे दिन गोल्ड अवार्ड विजेता डिजिटल में ई-गवर्नेंस की भूमिका, सिल्वर अवार्ड विजेता बिजनेस की प्रक्रिया को सरल बनाने में डिजिटल सुशासन पर चर्चा हुई। इससे पहले शनिवार को कटड़ा स्थित श्री माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी में ई-सुशासन पर दो दिवसीय 25वां राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ था, जिसमें प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने केंद्र सरकार के मंत्रालयों, राज्यों जिला स्तर पर कुल 18 ई-सुशासन पुरस्कार प्रदान किए।

पुलिस पर हमला कर आरोपित को छुड़ा ले गए साथी

फरीदाबाद। एनआईटी पांच में आठ लोगों ने पुलिस टीम पर हमला कर धोखाधड़ी के आरोपित को पुलिस से छुड़ा लिया है। हमलावरों ने पुलिस टीम पर लात-घूसों से हमला किया। इसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। धोखाधड़ी मामले के जांच अधिकारी की शिकायत पर एनआईटी पांच थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है। इस मामले में सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपितों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। एसजीएम नगर थाना में तैनात पीएसआई युधवीर सिंह ने बताया है कि नवीन शर्मा नाम के व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है। इस मामले में युधवीर सिंह जांच अधिकारी हैं। शनिवार शाम जांच अधिकारी को करीब सात बजे सूचना मिली कि आरोपित नवीन शर्मा एनआईटी पांच स्थित कक्कड़ के कार्यालय पर पहुंचने वाला है। वे मुख्य सिपाही नवीन को साथ लेकर मौके पर पहुंचे। वहां एक दीवार की ओट में छिपकर आरोपित का इंतजार करने लगे। थोड़ी देर बाद नवीन शर्मा अपने बेटे मयंक व सात अन्य लोगों के साथ कक्कड़ कार्यालय पर पहुंचा।

सोनीपत में जिला परिषद को मिली नई सरकार

सोनीपत (हि.स.)। सोनीपत की जिला परिषद को मिली नई सरकार 24 के सिर पर रविवार को जीत का सेहरा सज गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी (पं) एवं उपायुक्त ललित सिवाच ने रविवार को जिला परिषद में 24 वार्ड के विजेता प्रत्याशियों जीत के प्रमाण पत्र प्रदान किए। उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर-1 रवि इंदौरा ने 4786 वोट लेकर जीत हासिल की, दूसरे नंबर पर सुखबीर सिंह को 4189 वोट मिले। वार्ड-2 में 4413 वोट लेकर तकदीर सिंह जीते व द्वितीय स्थान पर 4278 वोट लेने वाले प्रदीप रहे। इसी प्रकार वार्ड-3 में 5903 वोट लेकर पुष्पा विजेता व सुशीला कुमारी 4566 वोट लेकर द्वितीय स्थान पर, वार्ड-4 में 7698 वोट लेने वाले राजेश कुमार ने जीत दर्ज की जबकि दूसरे स्थान पर 7169 वोटों के साथ राजेश कुमार रहे। वार्ड-5 में 7161 वोट लेकर कुसुमलता ने प्रथम व 5183 वोट लेने वाली कविता ने दूसरा स्थान, वार्ड-6 में 5028 वोट लेने वाली स्वीटी ने जीत दर्ज की तथा दूसरे स्थान पर 5016 वोट लेकर सुषमा रही। वार्ड-7 में 6467 वोट लेकर जय सिंह विजेता बने व 5878 वोट लेने वाले सतपाल दूसरे नंबर पर तथा वार्ड नंबर-8 में 6300 वोटों के साथ प्रवीन रानी ने प्रथम व 5100 वोट लेकर प्रोमिला ने दूसरा स्थान और वार्ड-9 में 3728 वोट लेते हुए सुरेश कुमार ने जीत हासिल की जबकि 3342 वोटों के साथ नीरज दूसरे स्थान पर रहे। वार्ड नंबर-10 में 8681 वोट लेने वाली कल्पना ने जीत प्राप्त की और उनकी प्रतिद्वंद्वी ज्योति सरोहा 6770 वोट लेकर दूसरे स्थान पर रही। वार्ड-11 में 6801 वोट लेने वाले संजय ने जीत हासिल की व 5491 वोट लेने वाले संजय कुमार दूसरे स्थान पर रहे। वार्ड नंबर-12 में 8578 वोटों के साथ रेनू जीती व दूसरे स्थान पर 5024 वोट लेकर प्रोमिला देवी रही। वार्ड-13 में 7978 वोट लेकर सतीश ने जीत दर्ज की और दूसरे स्थान पर रहे परमिंदर कुमार ने 5624 वोट प्राप्त किए। वार्ड-14 में 5376 वोट लेने वाली पिंकी ने जीत हासिल की व 4972 वोट लेकर आयशा दूसरे स्थान पर रही। वार्ड-15 में नरेंद्र कुमार ने 5205 वोट लेकर जीत हासिल की तथा दूसरे स्थान पर रहे संजय कुमार को 2456 वोट मिले। वार्ड-16 में 12592 वोट लेकर कविता ने बड़ी जीत प्राप्त की, जबकि दूसरे स्थान पर रही राजेश कुमारी को 5880 वोट मिले। वार्ड-17 में 6562 वोट लेकर संत कुमार विजेता बने तथा 5358 वोट लेकर विनोद कुमार दूसरे स्थान पर रहे। वार्ड-18 में सतवंती ने 4292 वोट लेकर जीत हासिल की तथा 3849 वोटों के साथ अंजू बाला दूसरे स्थान पर रही। वार्ड-20 में 8884 वोट लेने वाले मंजीत ने जीत प्राप्त की तथा 4754 वोट लेने वाले सुनील कुमार दूसरे स्थान पर रहे। वार्ड-21 में 8709 वोट लेने वाली मोनिका ने जीत हासिल की तथा 8006 वोट लेकर सरिता दूसरे स्थान पर रही। वार्ड नंबर-22 में राकेश कुमार ने 5965 वोट लेकर जीत प्राप्त की तथा 4685 वोट लेकर गौरव दूसरे स्थान पर रहे। वार्ड-23 में 5775 वोट लेने वाली सरिता ने जीत दर्ज की तथा 4528 वोट लेने वाली मोनिका दूसरे स्थान पर रही और वार्ड नंबर-24 में 5437 वोट लेकर विक्रांत ने पार्षद का चुनाव जीता जबकि जैनेंदर सिंह दूसरे स्थान पर रहे, जिनको 4240 वोट मिले। जिला परिषद के चुनावों में सबसे बड़ी जीत वार्ड-16 की कविता को मिले, जिन्होंने सर्वाधिक वोट भी हासिल किए। कविता ने 6712 वोटों के अंतर से जीत हासिल की।

जेल में बंद सिद्धू को प्रियंका ने लिखा पत्र

चंडीगढ़ (हि.स.)। अखिल भारतीय कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने जेल में बंद नवजोत सिंह सिद्धू को पत्र लिखकर सांत्वना दी है। नवजोत सिद्धू करीब 34 साल पुराने रोडरेज मामले में सजा काट रहे हैं। सिद्धू मई-2022 में जेल गए थे और उनकी 6 महीने की सजा पूरी हो चुकी है। मई-2023 में उनकी एक साल की सजा पूरी हो जाएगी। सिद्धू 6 महीने बाद जेल से बाहर आ जाएंगे। इसी साल फरवरी में हुए पंजाब विधानसभा चुनाव के समय सिद्धू की पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे। प्रियंका गांधी की ओर से उन्हें चिट्ठी भेजे जाने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि पंजाब विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद भी सिद्धू गांधी परिवार की गुड बुक में हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि एक साल की सजा पूरी होने के बाद सिद्धू को कांग्रेस हाईकमान कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकता है।

युवा आने वाले चुनावों में पूरे दिल से नेकां का समर्थन करें : डॉ. विकास

जम्मू। डॉ. विकास शर्मा जोनल सचिव और समन्वयक जिला जम्मू (शहरी) जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) ने आज युवाओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की और वर्तमान व्यवस्था के तहत उन्हें गंभीर रूप से प्रभावित करने वाले मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। युवकों ने डॉ. विकास शर्मा को बताया कि उपराज्यपाल के शासन में उन्हें सबसे ज्यादा प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि प्रशासन भर्ती प्रक्रिया में अनावश्यक देरी कर रहा है। उन्होंने कहा भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कोई समय सीमा नहीं है। सरकार केवल विभिन्न पदों के लिए विज्ञापन और आवेदन आमंत्रित कर रही है, लेकिन प्रक्रिया वर्षों से लंबित है। उन्होंने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शैक्षणकि कैलेंडर के गलत प्रबंधन के लिए प्रशासन को भी जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के लिए नए भर्ती नियमों के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की। डॉ. शर्मा ने युवाओं की शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुना और उन्हें जम्मू-कश्मीर के युवाओं की सभी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए डॉ. फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला के हाथों को मजबूत करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि केवल नेकां ही जमीनी हकीकत को समझ सकती है और लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा कर सकती है क्योंकि इसने जम्मू-कश्मीर के व्यापक और समान विकास की नींव रखी। उन्होंने युवाओं से एकजुट होने और आने वाले विधानसभा चुनावों में नेकां को सत्ता में लाने का आग्रह किया।

करनाल में वोटिंग सेंटर के बाहर मारपीट पुलिस के साथ हुई धक्का-मुक्की

करनाल। प्रदेश के सभी 22 जिलों में जिला परिषद और पंचायत समितियों के लिए मतगणना के बाद परिणाम घोषित होने पर किसी के चेहरे खिल गए तो कोई मायूस नजर आया। इस बीच करनाल में जीते दर्ज करने व हारने वाले उम्मीदवार आपस में उलझ गए। मतगणना केंद्र से बाहर आते ही दोनों के बीच विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों के बीच लात-घूंसे भी चले। यही नहीं बीच-बचाव करते हुए पुलिसकर्मियों के साथ भी धक्का मुक्की की गई। इसके बाद पुलिस कुछ लोगों को हिरासत में लेकर थाने ले गई है। दरअसल वोटों की गिनती के लिए जिले में कुल आठ मतगणना केंद्र बनाए गए थे। इस दौरान सभी वोटिंग सेंटर के बाहर 60-60 पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। इस दौरान घरौंडा के राजकीय स्कूल में बनाए गए परीक्षा केंद्र में भी वोटों की गिनती चल रही थी। जानकारी के अनुसार घरौंडा के वार्ड नंबर 3 से समिति के लिए दो उम्मीदवार मैदान में थे। परिणाम घोषित होने के बाद जब दोनों उम्मीदवार बाहर आए तो जीत-हार को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया। हारे हुए उम्मीदवार ने आरोप लगाते हुए कहा कि वह बीजेपी का कार्यकर्ता है। इस वजह से दूसरे पक्ष के लोग उससे खुंदक खाए बैठे थे। उसका आरोप है कि काउंटिंग खत्म होने के बाद दूसरे पक्ष के लोगों द्वारा उसके साथ मारपीट की गई है। मतगणना केंद्र पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने झगड़े में बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान उनके साथ भी धक्का-मुक्की हुई। सूचना मिलने पर घरौंडा थाना के एसएचओ दीपक कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों के बीच विवाद को शांत किया। इस दौरान कई लोगों को हिरासत में लेने के बाद पुलिस घरौंडा थाने ले गई है।

डिप्टी मेयर बलोरिया ने करवाया विकास-कार्य की शुरूआत

जम्मू। जम्मू के डिप्टी मेयर बलदेव सिंह बलोरिया ने लोगों को बेहतर विकास कार्य देने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए आर एस पुरा-जम्मू साउथ विधानसभा के क्षेत्र के अंतर्गत चिनार एन्क्लेव, एमएमसी कॉलेज और आस पास के क्षेत्रों की सड़कों पर तारकोल बिछाने के निर्माण कार्य को शुरू करवाया। इस निर्माण कार्य पर करीब 22 लाख रुपए पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्य लोगों की वर्षों पुरानी मांग थी जिसे पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डिप्टी मेयर बनने के बाद जिस प्रकार से लोगों का प्यार व सहयोग मिल रहा है उसे उन्हें कार्य करने में ओर ऊर्जा मिल रही है। डिप्टी मेयर ने कहा कि जम्मू नगर निगम जम्मू शहर को बेहतर विकास देने के लिए कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ रही। डिप्टी मेयर ने लोगों को जम्मू शहर के क्षेत्रों के समग्र विकास का आश्वासन दिया और कहा कि आर एस पुरा-जम्मू साउथ विधानसभा के क्षेत्रों को अच्छी सड़कों से जोड़ना उनकी प्राथमिकता है। डिप्टी मेयर बलदेव सिंह बलोरिया ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने रिकार्ड तोड़ विकास किए हैं, जबकि पिछली सरकारों में बिचौलियों बंदरबांट कर हजम कर लेते थे। स्थानीय निवासियों से बातचीत के दौरान डिप्टी मेयर ने उनकी समस्याओं और मुद्दों का जायजा लिया।

एक रोटी कम खाएं, लेकिन बच्चियों को शिक्षा दें : मधुबाला

बीकानेर (हि.स.)। एससी नेशनल कमीशन की मेंबर मधुबाला ने रविवार को बीकानेर में परिवार के साथ माता-पिता का आह्वान किया कि एक रोटी कम खाएं लेकिन बच्चियों को शिक्षा दें। यदि आप ऐसा कर लेंगे और पूरी आजादी शिक्षा के प्रति देंगे तो निश्चित वह पंख खोलकर आसमान को नाप लेगी। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लोग बेटियों को कोख में ही मार देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए, न केवल उसे चौके-चूल्हे तक सीमित नहीं रखें बल्कि हिम्मत देकर पढ़ने का मौका दें और आगे बढ़ने की प्रेरणा देंगे तो निश्चित ही वह राष्ट्रपति पद तक पहुंच सकती है, जिसका उदाहरण आप सबके सामने है। संविधान दिवस के मौके पर केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल की ओर से यहां आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने आयीं मधुबाला ने रविवार को दिल्ली फ्लाइट रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर विशेष बातचीत करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि बेटियां कुछ भी कर सकती है, हमें उन्हें जीने का मौका देना चाहिए। बेटियों को खूब पढ़ाईए। वे बोलीं कि आप देख सकते हैं सीओ शालिनी हमारे साथ में है। उन्होंने संविधान दिवस पर कहा कि संविधान ही हमें सबकुछ सीखाता है। संविधान की वजह से पूरी तरह चल पा रहे हैं। उपहार के रुप में संविधान की प्रतिलिपि बेटियों को बांटी। इस कार्यक्रम में गजटेड महिला ऑफिसर्स को भी सम्मानित किया गया। पूर्व सांसद व कई विदेश दौरे कर चुकीं मधुबाला बीकानेर के बारे में भी बोलीं कि यहां दिल्ली से आने और जाने के लिए केवल एक ही फ्लाईट संचालित हो रही है वे दिल्ली में निजी विमानन कंपनी इंडिगो के अधिकारियों से बात करेंगी कि दिल्ली के अलावा तीन-चार फ्लाइट यहां से चले ताकि यहां आने वाला बीकानेर को अच्छी तरह से देख सके और जान सकें चूंकि बीकानेर टूरिस्ट हब है।

युवा खुद को भाजपा से जोड़ना पसंद कर रहे हैं : डॉ. अंद्राबी

जम्मू। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. दरख्शां अंद्राबी ने आज उत्तरी कश्मीर के लंगेट में भाजपा पार्टी के सम्मेलन की अध्यक्षता की। पिछले दशकों के दौरान अलगाववादी राजनीतिक उथल-पुथल से प्रभावित क्षेत्र में आयोजित यह पहली मेगा-स्तरीय पार्टी बैठक थी। अधिवेशन का आयोजन लंगेट नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष और मौजूदा पार्षद जमील अहमद राठर द्वारा किया गया था, जिसमें लगभग ढाई सौ लोग मुख्य रूप से लंगेट और आसपास के गांवों के युवा पार्टी में औपचारिक रूप से शामिल होने के बाद भाजपा के सदस्य बन गए। जमील अहमद राठर और वरिष्ठ भाजपा नेता अब्दुल रहमान लोन के साथ डॉ. अंद्राबी ने पार्टी में नए प्रवेशकों का स्वागत किया। भारतीय जनता पार्टी की समावेशी और प्रगतिशील राष्ट्रवादी विचारधारा के लिए क्षेत्र के लोगों विशेष रूप से युवाओं के उत्साह को देखने के लिए यह एक सकारात्मक दृश्य था जो दिन-ब-दिन कश्मीर में कई पुराने और पुराने राजनीतिक दलों के राजनीतिक स्थान को युवाओं के रूप में निचोड़ रहा है। दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा की मुख्यधारा की राष्ट्रवादी राजनीति से खुद को जोड़ना पसंद करते हैं यह बात डा. अंद्राबी ने अपने संबोधन में कही। उन्होंने ग्राउंड जीरो पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पार्टी नेताओं के प्रयासों की सराहना की, जो दिन-रात जनता की सेवा करते हैं। डा. अंद्राबी ने पुराने सड़े हुए राजनीतिक दल की उत्तेजक राजनीति पर कटाक्ष किया, जो अंद्राबी के अनुसार गैर-मुद्दों पर जन भावनाओं का शोषण करके अपने भयावह राजनीतिक डिजाइनों का पोषण करने के आदी थे।

पंजाब पुलिस ने भारत-पाक सीमा से हेरोइन और हथियार बरामद किए

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भारत-पाकिस्तान सीमा से भारी मात्रा में हेरोइन व हथियार बरामद किए हैं। सीमावर्ती गांव हवेलियां का एक तस्कर यह सप्लाई देने के लिए आगे जा रहा था। एसटीएफ प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि आरोपित तस्कर की पहचान सीमावर्ती गांव हवेलियां निवासी परमजीत सिंह पम्मा के रूप में हुई है। परमजीत सिंह पम्मा का रिश्तेदार भी तस्कर है। एसटीएफ अधिकारियों के अनुसार 535 किलोग्राम हेरोइन की खेप पाकिस्तान से आई थी। उसका मुख्य आरोपित बुल्गारिया में बैठा इकबाल सिंह उर्फ शेरा के साथ-साथ इस खेप में नामजद बिल्ला सरपंच भी इसका रिश्तेदार है। नशे की खेप दुबई में बैठे कुलदीप सिंह ने पाकिस्तान के रास्ते पंजाब में भिजवाई थी। परमजीत सिंह पम्मा की कुलदीप सिंह से हिसार जेल में मुलाकात हुई थी। कुलदीप जेल से छूटने के बाद अब दुबई में सेटल हो गया है। उसी ने यह खेप पाकिस्तान में अपने जानने वालों के जरिए ड्रोन के माध्यम से भिजवाई थी। एसटीएफ के अनुसार भारत-पाक सीमा पर रमदास सेक्टर में हेरोइन और हथियारों की सप्लाई ड्रोन के माध्यम से पिछली रात आई थी। अधिकारियों ने कहा कि बार्डर से सप्लाई लाने वाला व्यक्ति भी एसटीएफ के राडार पर है। उसे तलाशा जा रहा है और शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि अभी वह बार्डर से सप्लाई लाने वाले तस्कर का नाम डिसक्लोज नहीं कर सकते। एसटीएफ के अधिकारियों ने कहा कि उनका कई दिनों से बार्डर एरिया में ऑपरेशन चल रहा था। सूचना के बाद जिस रास्ते से आरोपित को सप्लाई लेकर जाना था वहां पर ट्रैप लगाया गया। जब आरोपित की कार रोकी गई तो तस्कर पम्मा खुद ही कार से बाहर आ गया। उसने खुद ही बता दिया कि गाड़ी में हथियार और हेरोइन है। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान में तीन सगे भाइयों की गोली मारकर हत्या, घर में घुसकर दिया वारदात को अंजाम

जयपुर। राजस्थान में भरतपुर जिले के सकरौरा गांव में शनिवार देर रात करीब डेढ़ बजे नींद में सोते हुए परिवार पर एक युवक ने फायरिंग की, जिसमें तीन भाईयों की मौत हो गई और तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए। घायलों में दो महिलाएं एवं एक पुरुष शामिल है। घायलों का भरतपुर जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। देर रात चली गोलियों की आवाज से पूरे गांव में दहशत फैल गई। रात तीन बजे सूचना मिलने पर कुंहेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया। पुलिसकर्मियों ने ही घायलों को अस्पताल में पहुंचाया। गांव में तनाव को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात की गई है। पुलिस के अनुसार आपसी रंजिश के चलते गांव के आरोपित लाखन (31) ने अपने साथियों के साथ मिलकर पड़ौस में रहने वाले गजेंद्र के परिवार पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। उस समय गजेंद्र का पूरा परिवार गहरी नींद में सो रहा था। गजेंद्र के पुत्र टेनपाल और लाखन के बीच पहले दोस्ती थी और बाद में विवाद हो गया। विवाद बढ़ा तो लाखन ने गजेंद्र के पूरे परिवार को खत्म करने की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार रात डेढ़ बजे एक दर्जन बदमाश दो गाड़ियों में सवार होकर गजेंद्र के घर के बाहर पहुंचे। सभी के पास हथियार थे। गालियां निकालते हुए सभी बदमाश गजेंद्र के घर में घुसे और फायरिंग शुरू कर दी। गहरी नींद में सो रहे परिवार के लोग संभलने लगे इस बीच गजेंद्र खड़ा होने लगा तो बदमाशों ने उस पर फायरिंग कर दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गोलियों की नींद से जगे गजेंद्र के दो भाईयों ईश्वर और समंदर को भी बदमाशों ने गोली मारी। इस बीच टेनपाल अपने पिता और चाचा के बचाव में आया तो बदमाशों ने उसे भी गोली मारी। टेनपाल की पत्नी और मां पर भी फायरिंग की गई। पुलिस के अनुसार फायरिंग में समंदर (58), गजेंद्र (52) और ईश्वर (54) की मौत हो गई। वहीं गजेंद्र की पत्नी माया (48),टेनपाल (29) और टेनपाल की पत्नी रवीना (28) बुरी तरह जख्मी हो गए। गजेंद्र राजस्थान पुलिस में सिपाही था। वह इन दिनों अलवर में तैनात था। इन दिनों अवकाश पर अपने गांव आया हुआ था। पुलिस के अनुसार लाखन और टेनपाल के बीच 24 नवंबर को झगड़ा हो गया था। दोनों के घर आमने-सामने हैं। दोनों पहले आपस में मित्र भी थे।उस दिन गांव के पंचों ने दोनों परिवारों के बीच सुलह करवा दी थी। लेकिन लाखन ने सुलह के बाद भी रंजिश रखी और शनिवार देर रात अपने साथियों को बाहर से बुलाकर टेनपाल के परिवारों पर फायरिंग कर दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल मीणा ने बताया कि फायरिंग की सूचना मिलते ही थाना अधिकारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए थे। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। आरोपित लाखन और उसके साथी फरार है। लाखन के स्वजनों से पूछताछ की जा रही है। उसकी तलाशी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया है।

गुजरात चुनावों में बीकानेर के सटोरियों ने लगाए करोड़ों के दाव

बीकानेर (हि.स.)। गुजरात में होने जा रहे विधानसभा चुनावों की गरमाहट बीकानेर के चुनावी सट्टा जगत में देखने को मिल रही है। जानकारी के अनुसार गुजरात चुनावों पर बीकानेर के सटोरियों ने करीब पचास करोड़ के दाव लगाए है। हालांकि चुनावी सट्टेबाजी पूरी तरह अवैध है लेकिन देश प्रदेश के हर चुनावों में यहां बीकानेर के सट्टेबाजी करोड़ों के दाव लगाते है। चुनावी सट्टा जगत से जुड़े सूत्रों के अनुसार गुजरात की सत्ता के लिए हो रहे चुनावी घमासान में इस बार भी बीजेपी का पलड़ा रहेगा। इसलिए सटोरियों ने भाजपा की जीत पर करोड़ों के दाव लगाए है। गंगाशहर के एक नामी सट्टोरियों ने अपना नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि गुजरात चुनावों में भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज करायेगी। सट्टेबाजों को उम्मीद है कि गुजरात में भाजपा इस बार 135 विधानसभा सीटें जीतेगी, वहीं कांग्रेस 29 और आम आदमी पार्टी के खाते में 14 सीटें जाने की संभावना है। गुजरात के अलावा बीकानेर में सरदारशहर सीट के लिए हो रहे उप चुनावों में भी भाजपा की जीत पर करोड़ों के दाव लग रहे हैं। सट्टोरियों का आंकलन है कि जाटों की नाराजगी के चलते सरदारशहर में इस बार कांग्रेस का पलड़ा कमजोर है।

डाटा प्रोटेक्शन बिल से नहीं होगा नागरिकों की निजता का उल्लंघन, बोले केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर

नई दिल्ली।
केंद्रीय इलेक्ट्रानिक और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि डाटा प्रोटेक्शन बिल के तहत सरकार किसी नागरिक की निजता का उल्लंघन नहीं करेगी। सरकार केवल कुछ ही मामले जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा, महामारी या फिर किसी प्राकृतिक आपदा के समय ही किसी व्यक्ति के निजी डाटा तक पहुंच प्राप्त कर सकेगी।

एक आनलाइन संवाद में बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि नेशनल डाटा गवर्नेंस फ्रेमवर्क पालिसी में डाटा के एनोनिमाइजेशन का प्रावधान है, जो कि डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल 2022 का हिस्सा नहीं है।

होगा स्वतंत्र

चंद्रशेखर ने आगे बताते हुए कहा कि नए डाटा प्रोटेक्शन बिल के तहत एक डाटा प्रोटेक्शन बोर्ड का गठन किया जाएगा, जो कि डाटा प्रोटेक्शन के मामलों से जुड़ा होगा और स्वतंत्र रूप से कार्य करेगा। इस बोर्ड में किसी भी सरकारी अधिकारी को शामिल नहीं किया जाएगा।

निजता का उल्लंघन नहीं होगा

शनिवार को हुए इस ट्विटर लाइव के दौरान केंद्रीय मंत्री से सवाल पूछा गया कि क्या सरकार इस कानून के जरिए नागरिकों की निजता में दखल देना चाहती है इसके जवाब में उन्होंने उत्तर दिया कि बिल्कुल नहीं। बिल के ड्राफ्ट में इस बात को साफ स्पष्ट किया गया है कि कुछ स्पेशल परिस्थितियों जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा, महामारी या फिर किसी प्राकृतिक आपदा के दौरान ही सरकार किसी व्यक्ति के निजी डाटा को प्राप्त कर सकती है।

उन्होंने आगे बताया कि बिल के प्रस्ताव में व्यक्तिगत डाटा सूचना के अधिकार के तहत सरकार द्वारा अधिसूचित डाटा प्रबंधन करने वाली संस्थाओं को डाटा मालिकों के साथ डेटा प्रोसेसिंग के विवरण को साझा करने का भी प्रस्ताव है। इसके साथ ये बिल किसी व्यक्ति को डाटा प्रबंधन करने वाली संस्थाओं को गलत जानकारी साझा करने से भी रोकता है।

न्यूज़ ब्रीफ

सब्जी से लेकर पेट्रोल-डीजल तक... रिलायंस ने आपके लिए बनाए 200 से ज्यादा ब्रांड्स

मुंबई। सोचिए क्या कोई ऐसी कंपनी हो सकती है जो घर की जरूरत का लगभग हर सामान अपने ब्रांड के तहत बनाती और सर्विस देती हो। सब्जी से लेकर दाल, चावल, दूध जैसा सामान, कपड़े, मोबाइल फोन, इंटरनेट कनेक्शन और यहां तक की पेट्रोल-डीजल भी। ये कंपनी सुबह के नाश्ते से रात के बिंजवाच तक आपकी जिंदगी का हिस्सा है भारत में लाखों लोग दुनिया के 8वें और एशिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी की कंपनियों या उनके साथ पार्टनरशिप करने वाली फर्म्स के प्रोडक्ट और सर्विसेज पर निर्भर हैं। फोर्ब्स के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 93.2 बिलियन डॉलर यानी करीब 7.6 लाख करोड़ रुपए है। मुकेश अंबानी के पिता धीरूभाई अंबानी ने 1950 के दशक में कपड़े के व्यापार से इस कंपनी की शुरुआत की थी। टेक्सटाइल से शुरू हुआ कंपनी का सफर आज एनर्जी, मटेरियल, रिटेल, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और डिजिटल सर्विस में फैल गया है। कंपनी 200 से ज्यादा प्रोडक्ट और सेवाएं आपको दे रही है। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल होगा कि आखिर रिलायंस इंडस्ट्रीज का साम्राज्य कितना बड़ा है ये ग्रुप क्या-क्या सामान और सर्विस प्रोवाइड करता है। ऐसे कितने ब्रांड है जो रिलायंस के हैं। यहां हम आपको ग्राफिक्स के जरिए रिलायंस के इस साम्राज्य के बारे में बता रहे हैं।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। कंपनियों ने दिल्ली और चेन्नई में तेल के दामों में बदलाव किया है। सरकार ने कुछ महीने पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने की घोषणा की थी। देश में तेल के दाम लगभग पिछले चार महीने से ज्यादा समय से स्थिर हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

भारत के सामने घरेलू, वैश्विक जरूरतों के लिए इस्पात बनाने का बड़ा अवसर

नई दिल्ली । टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टी वी नरेंद्रन ने इस्पात पर निर्यात शुल्क हटाने के सरकार के कदम का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि भारत के पास घरेलू खपत के साथ ही वैश्विक जरूरतों को पूरा करने का एक बड़ा अवसर है। महंगाई की स्थिति से निपटने के लिए सरकार द्वारा इस्पात उत्पादों और लौह अयस्क पर निर्यात शुल्क वापस लेने के फैसले का हम स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत लौह अयस्क से समृद्ध है और इस वजह से देश के पास घरेलू और वैश्विक जरूरतों के लिए इस्पात बनाने का एक बड़ा अवसर है। नरेंद्रन ने कहा कि चीन, जापान और दक्षिण कोरिया सालाना लगभग 15 करोड़ टन इस्पात का निर्यात करते हैं। इसके लिए बड़ी मात्रा में लौह अयस्क का आयात किया जाता है।

एक हफ्ते में निफ्टी-सेंसेक्स एक फीसदी चढ़े, अब बाजार को किस 'संजीवनी' का है इंतजार

नई दिल्ली ।
निफ्टी इंडेक्स और सेंसेक्स दोनों में पिछले एक हफ्ते के दौरान 0.9 से 0.95प्रतिशत तक चढ़े हैं। इस अवधि में बीएसई मिडकैप इंडेक्स 1.83प्रतिशत जबकि बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 0.96प्रतिशत चढ़ा। उच्चतम मुद्रास्फीति की आशंका, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, वैश्विक बांड प्रतिफल में लगातार नरमी ने इक्विटी बाजार को मजबूती दी है।

साप्ताहिक आधार पर बीएसई आईटी, बैंक निफ्टी, बीएसई कैपिटल गुड्स और बीएसई एफएमसीजी सबसे अधिक लाभ प्राप्त करने वाले सेक्टर रहे। जबकि कमजोरी वाले दो प्रमुख सेक्टर बीएसई रियल्टी और बीएसई पावर रहे। निफ्टी इंडेक्स में, एचडीएफसी लाइफ (+9.5प्रतिशत), अपोलो हॉस्पिटल (+8.5प्रतिशत) और बीपीसीएल (+6.7प्रतिशत) के शेयरों में सबसे अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं अदाणी एंटरप्राइज, नेस्ले इंडिया और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में कमजोरी आई। एफपीआई पिछले पांच कारोबारी सत्रों में शुद्ध विक्रेता रहे, जबकि इसी अवधि में घरेलू निवेशक शुद्ध खरीदार रहे।

पिछले छह महीनों में निफ्टी 50 में 14प्रतिशत की ठोस तेजी दिखी है। भारत वैश्विक स्तर पर सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक रहा है। भारतीय बाजारों के आसपास यह नया आशावाद कई प्रकार के कारकों के कारण है। घरेलू रूप से उन्मुख अर्थव्यवस्था होना, कच्चे माल की कीमतों में गिरावट और अनुकूल उच्च-आवृत्ति संकेतक कुछ ऐसे कारक हैं जो भारत के पक्ष में हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे लौट रही पटरी पर, रबी के उत्पादन पर टिकी उम्मीदें

घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए सितंबर तिमाही कुल मिलाकर मिला-जुला रहा है। इस दौरान जहां कुछ सकारात्मक पक्ष भी रहे और कुछ चुनौतियां भी दिखीं, जिनपर ध्यान देना जरूरी है। हालांकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है पर इससे फिलहाल मांग में वृद्धि नहीं हो पा रही है। यह स्थिति मुख्य रूप से उच्च मुद्रास्फीति और धीमी आय वृद्धि के कारण है। वहीं दूसरी ओर, पार्यप्त मिट्टी की नमी और जलाशयों के जलस्तर को देखते हुए रबी की अच्छी फसल की उम्मीद की जा रही है, इससे कृषि आय में वृद्धि होगी और यह बढ़ोतरी बाजार के लिए किसी 'संजीवनी' से कम नहीं होगी। पिछले कुछ समय में ग्रामीण आय पर दबाव के कारण एफएमसीजी और ऑटो सेक्टर का वॉल्यूम ग्रोथ प्रभावित हुआ है। ऐसे में अगर रबी की फसल के बाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आय बढ़ती है तो इससे इन उद्योगों को बड़ी राहत मिल सकती है। खाद्य और ईंधन की कीमतों में लगातार गिरावट से भी ग्रामीण भारत को राहत मिलेगी।

घरेलू बाजार में फिलहाल एफएमसीजी, आईटी, इंडस्ट्रियल और मीडिया जैसे क्षेत्रों को मार्जिन दबाव का सामना करना पड़ रहा है लेकिन हालात बदलने के मजबूत संकेत दिख रहे हैं। ब्रेंट क्रूड, स्टील, कोयला, एल्युमीनियम और पाम ऑयल जैसी प्रमुख कॉमोडिटिज की कीमतों में ऊंचे स्तरों से नरमी आई है। आईटी कंपनियों में नौकरी छोड़ने वालों की संख्या भी स्थिरता की ओर बढ़ रही है। इन कारकों से मार्जिक के को कम करने में मदद मिल सकती है।

अलग-अलग इंडेक्सों की बात करें निफ्टी बैंक के मुनाफे में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। तेज ऋण वृद्धि, मार्जिन में सुधार और कम प्रावधानों ने मुनाफा बढ़ाने में मदद की है। बैंकिंग सेक्टर के सकारात्मक रुझानों के बीच बैंकों का प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रहने की उम्मीद है। बैंकों का शुद्ध ब्याज मार्जिन अपने चरम के करीब है क्योंकि बैंक जमा वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए जमा दरों में इजाफा कर रहे हैं। कॉरपोरेट ऋण में बढ़ोतरी और क्रेडिट ग्रोथ की भी उम्मीद है।

एलएंडटी ने अपना म्यूचुअल फंड कारोबार एचएसबीसी को सौंपा

एलएंडी फाइनेंस होल्डिंग कंपनी ने अपने म्यूचुअल फंड कारोबार को एचएसबीसी असेट मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को सौंपने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। कंपनी की ओर से कहा गया है कि इस डील के एवज में उसे करीब 3,484 करोड़ रुपये मिले हैं। कंपनी के अनुसार इस सौदे से एलएंडटी इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट लिमिटेड के सरप्लस कैश बैलेंस में भी 764 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

देश में दवाइयों के निर्यात में आई जबरदस्त तेजी! भारतीय औषधियों के लिए कई देश हैं सबसे बड़े बाजार

नई दिल्ली।
देश का फार्मा निर्यात चालू वित्त वर्ष के पहले सात माह अप्रैल-अक्टूबर के दौरान 4.22 प्रतिशत बढ़कर 14.57 अरब डॉलर पर पहुंच गया। निर्यात में यह वृद्धि पिछले महीने इसमें आई गिरावट के बावजूद हासिल हुई है।. भारतीय औषधि निर्यात संवर्द्धन परिषद (फार्मेक्सिल) के महानिदेशक उदय भास्कर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में फार्मा निर्यात का आंकड़ा 27 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा। यह पिछले वित्त वर्ष में 24.62 अरब डॉलर रहा था। फार्मेक्सिल वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाला संगठन है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में फार्मा निर्यात 13.98 अरब डॉलर रहा था।

वैक्सीन या टीके की श्रेणी में हमारे निर्यात की काफी खराब स्थिति है। इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से भी निर्यात प्रभावित हुआ है। इसके बावजूद हमारा कुल फार्मा निर्यात बढ़ा है। देश के कुल फार्मा निर्यात में 67.5 प्रतिशत या करीब पांच अरब डॉलर की हिस्सेदारी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको (नाफ्टा देशों), यूरोप और अफ्रीका की रही है। अक्टूबर में फार्मा निर्यात 5.45 प्रतिशत गिरकर 1.95 अरब डॉलर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के हाल जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर, 2022 में भारत का कुल निर्यात पिछले साल के समान महीने की तुलना में 16.65 प्रतिशत घटकर 29.78 अरब डॉलर रह गया है। अप्रैल-अक्टूबर 2022 के दौरान निर्यात में 12.55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 263.35 अरब डॉलर रहा है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण लगे प्रतिबंधों के अलावा कुछ प्रमुख देशों की मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से भी अक्टूबर के दौरान निर्यात में गिरावट आई है। उन्होंने बताया, उदाहरण के लिए भारतीय फार्मा निर्यात के लिए नाइजीरिया शीर्ष पांच बाजारों में से एक है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नाइजीरियाई नायरा के निरंतर मूल्यह्रास ने उस देश का आयात धीमा किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल में ट्वीट कर कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत वैश्विक फार्मा बाजार की एक शक्ति बन गया है।

अमेरिकी विनिमय दरों की वृद्धि में कमी से आएगी रुपये में स्थिरिता, बोले नोबल विजेता

नई दिल्ली ।
नोबल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री डगलस डब्ल्यू डायमंड ने कहा है कि डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिरता विनिमय दरों पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, रुपये में लगातार आ रही गिरावट तब स्थिर होगी, जब अमेरिकी डॉलर की विनिमय दरों की वृद्धि की रफ्तार में कमी आएगी।

साक्षात्कार में उन्होंने कहा, जब अमेरिका विनिमय दरों को अप्रत्याशित रूप से बढ़ाता है तब डॉलर मजबूत होता है। उन्होंने कहा, अमेरिका और भारत में जब ब्याज दर लगभग एक समान स्तर पर आएंगी, तो चीजें सामान्य होने लगेंगी।

बता दें, शिकॉगो विश्वविद्यालय के बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस में प्रोफेसर डगलस डब्ल्यू डायमंड को अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के पूर्व चेयरमैन बेन बेर्नान्के और अमेरिकी अर्थशास्त्री फिलिप एच डिबविग के साथ संयुक्त रूप से नोबेल पुरस्कार मिला है।

नोबल विजेता ने कहा, विनिमय दरों का सटीक अनुमान लगाना कठिन है। जब अमेरिका दरों में अप्रत्याशित तरीके से वृद्धि करता है, तो डॉलर में मजबूती आती है। जब अमेरिका में दरों में वृद्धि की गति घटेगी, तब रुपये में स्थिरता आएगी। बता दें, शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 16 पैसे चढ़कर 81.54 पर प्रति डॉलर पर था।

डायमंड ने कहा कि जब बैंकों के पास पूंजी होती है तो निगरानी प्रणाली तब बेहतर तरीके से काम करती है। उन्होंने कहा, जमाकर्ताओं को अच्छा रिटर्न मिले इसके लिए बैंकों के बीच प्रतिस्पर्धा जरूरी है। बता दें, नोबेल पुरस्कार विजेता डायमंड ने आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम जी राजन के साथ 2001 में 'थ्योरी ऑफ बैंकिंग' पर काम किया था।

टैक्स सेविंग एफडी पर कई बैंक दे रहे हैं सबसे अधिक ब्याज

नई दिल्ली।
टैक्स सेविंग एफडी उन निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प होता है, जो बैंक एफडी में निवेश कर अपने टैक्स के बोझ को कम करना चाहते हैं। इसमें पांच साल का लाक-इन पीरियड होता है। इसका मतलब यह है कि कोई भी निवेशक एक बार एफडी में निवेश करने के पांच साल के बाद ही अपना पैसा निकाल सकता है। टैक्स सेविंग एफडी में निवेश करने पर आपको एक वित्त वर्ष में इनकम टैक्स की धारा 80 सी के तहत 1.50 लाख रुपये तक की छूट मिलती है। इसमें आप मासिक, तिमाही या फिर सालाना आधार पर बैंक में अपने जमा पर ब्याज ले सकते हैं। आज हम अपने इस लेख में टैक्स सेविंग एफडी पर सबसे अधिक ब्याज देने वाले पांच सरकारी के बारे में बताएंगे। यूनियन बैंक की ओर से हाल में एफडी की ब्याज दरों को बढ़ाया गया है। 25 नवंबर को लागू हुई ब्याज दरों के मुताबिक, पांच वर्ष की टैक्स सेविंग एफडी पर बैंक की ओर से 6.70 प्रतिशत का ब्याज दिया जा रहा है। वहीं, वरिष्ठ नागरिकों को 0.50 प्रतिशत का अतिरिक्त ब्याज बैंक द्वारा दिया जा रहा है।

केनरा बैंक का नाम इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। केनरा बैंक की ओर से पांच साल की टैक्स सेविंग एफडी पर 6.50 प्रतिशत का ब्याज दिया जा रहा है। इसके साथ अगर एफडी कराने वाला व्यक्ति वरिष्ठ नागरिक है, तो उसे बैंक द्वारा 7.00 प्रतिशत का ब्याज दिया जा रहा है। इंडियन ओवरसीज बैंक इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। बैंक द्वारा पांच साल की टैक्स सेविंग एफडी पर 6.40 प्रतिशत का ब्याज दिया जा रहा है। इस एफडी पर वरिष्ठ नागरिकों को 6.90 प्रतिशत और अति वरिष्ठ नागरिकों को 7.15 प्रतिशत का ब्याज दिया जा रहा है। इंडियन बैंक इस लिस्ट में चौथे नंबर पर है। बैंक की ओर से हाल ही में एफडी की ब्याज दरों को बढ़ाया गया है। मौजूदा ब्याज दर के मुताबिक, पांच साल की टैक्स सेविंग एफडी पर 6.40 प्रतिशत का ब्याज दिया जा रहा है और वरिष्ठ नागरिकों को 6.90 प्रतिशत का ब्याज दिया जा रहा है।

एफटीएक्स के दिवालिया होने से मिला क्रिप्टो निवेशकों को सबक, ऐसी फ्राड स्कीमों से सावधान रहने की जरूरत

नई दिल्ली।
अमेरिका का क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स दिवालिया हो गया है। अच्छी बात है कि भारत में क्रिप्टो रेगुलेटेड नहीं है। क्रिप्टो को रेगुलेट किया भी नहीं जाना चाहिए। जो लोग इसमें शामिल हैं, उन्हें उनके हाल पर छोड़ देना चाहिए। उनके चुने हुए तरीके और वक्त के मुताबिक उन्हें दिवालिया होने की आजादी देनी ही चाहिए। इस कालम को नियमित पढ़ने वाले इस बात से अचरज में पड़ जाएंगे। क्योंकि मैं एक अरसे से क्रिप्टो एक्सचेंज और क्रिप्टो ट्रेडिंग को रेगुलराइज करने की बात कहता रहा हूं। दरअसल, ये तथाकथित एक्सचेंज, असल में एक्सचेंज हैं ही नहीं और भारतीय निवेशकों के बैंक अकाउंट्स के लिए एक गंभीर खतरा हैं।

नहीं होना चाहिए रेगुलेट

रेगुलेशन का न होना ही बेहतर है, क्योंकि क्रिप्टो को रेगुलेट करने से, एक रेगुलेटर तमाम क्रिप्टो एक्सचेंजों को भरोसेमंद होने का सर्टिफिकेट देने का काम करने लगेगा, और ये बुरा है। हालांकि, एफटीएक्स के खात्मे के बाद जो ब्योरा सामने आ रहा है, वो दिखाता है कि या तो इन्हें रेगुलेट किया ही नहीं जा सकता या करने लायक ही नहीं हैं। क्रिप्टो ठगी करने वालों के लिए ही बना है। इसलिए वो सबसे ज्यादा जालसाजों को ही आकर्षित करता है।

एफटीएक्स के दिवालिया होने के कुछ देर बाद किसी ने मजाक किया था, जिसे मैंने री-ट्वीट किया।मजाक था कि अभी-अभी अपने नए स्टार्टअप के लिए 50 करोड़ डालर जुटाए हैं। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिये क्रिप्टो का फ्राड पकड़ा जाता है। हम असल में एआइ का इस्तेमाल नहीं करते हैं। हम सिर्फ ये कहते हैं कि सबकुछ फ्राड है और अभी तक हम गलत साबित नहीं हुए हैं। ये माना जा सकता था कि एक व्यक्ति जो 10 अरब डालर से ज्यादा की धोखाधड़ी वाली स्कीम चलाएगा, उसे हर किसी की निंदा का पात्र बनना पड़ेगा। उसका पक्ष लेने वाला कोई नहीं होगा। मगर एफटीएक्स के बास सैम बैंकमैन-फ्रीड के साथ जो हो रहा है, वो बहुत अलग है। अमेरिका मीडिया में कई लेख सैम द्वारा किए गए नुकसान को कम करने में लगे हुए हैं। वो इसे सीधे-सीधे चोरी कहने के बजाए, गलतियों और गलत फैसलों का दर्जा दे रहे हैं। कई लेख इस बात की चर्चा भी जोर-शोर से कर रहे हैं कि कैसे उसके कई डोनेशंस के जरिये बहुत से विज्ञान शोध और दूसरे परोपकार के काम चल रहे थे और अब ये सब रुक जाएंगे। सबसे जरूरी सवाल कि भारतीय बचतकर्ताओं और निवेशकों के लिए इसके क्या मायने हैं पहली बात तो ये कि क्रिप्टो की ठगी अब एक वैश्विक वित्तीय सिस्टम के तौर पर बरकरार रह सकती है।

क्रिप्टो ठगी करने का जरिया बना

एफटीएक्स ने दिखाया है कि आप दुनियाभर के निवेशकों से कई अरब झटककर और उस पैसे को उड़ा भी दें तो क्रिप्टो के कायम रहने पर कोई सवाल नहीं उठाएगा। क्योंकि ये बड़ी आसानी से, बड़ा पैसा बनाने का तरीका है। क्रिप्टो को लेकर मुख्यधारा का यही नजरिया है कि ये एसेट कानूनी तौर पर स्वीकार्य हैं और जहां फिलहाल कुछ रेगुलेशन की मुश्किलें हो सकती हैं, मगर जल्दी ही ये सब ठीक हो जाएगा। आज नहीं तो कल, एक और बुल रन आएगा और बची हुई क्रिप्टो करेंसियां और टोकन तेज उछाल से आसमान छूने लगेंगे, जिसके बाद दुनिया भर से निवेशकों का एक नया झुंड अपनी पूंजी को दांव पर लगाने के लिए क्रिप्टो की तरफ दौड़ पड़ेगा। पर हां, हो सकता है कि ऐसा नहीं हो। अब भी काफी ऐसे प्रभावशाली लोग हैं, जो क्रिप्टो को और कुछ नहीं केवल ठगी के लिए बना रैकेट कहते हैं।

डोनल ने बताया तू जख्म है में अपनी भूमिका के बारे में

-एक्ट्रेस ने कहा- बिना बॉडी डबल के सभी स्टंट अपने दम पर किए

मुंबई(ईएमएस)। बिग बॉस 15 की प्रतियोगी डोनल बिष्ट ने तू जख्म है में अपनी भूमिका के बारे में लंबी चर्चा की। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने बिना बॉडी डबल के सभी स्टंट अपने दम पर किए। एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे उन्होंने तू जख्म है में अपनी भूमिका के लिए तैयारी की और शो की शूटिंग के दौरान कई चोटों का सामना किया। उन्होंने कहा वह बाहर से बहुत नरम है लेकिन अंदर से वह एक सख्त अखरोट की तरह है। वह मानसिक रूप से बहुत मजबूत है और वह अपनी मानसिक क्षमताओं के माध्यम से लोगों की मदद करती है। वह लोगों को समझती है और कैसे वह इन लोगों के दर्द से बाहर निकलने में उनकी मदद करती है। डोनल पानी के अंदर एक सीक्वेंस करते हुए याद करती हैं और कहती हैं मुझे पानी के भीतर रहना था और अपनी सांस को बनाए रखना था। चूंकि मैं तैराक नहीं हूं मुझे नहीं पता था कि इतने लंबे समय तक अपनी सांस कैसे रोकूं। यह मेरे लिए बहुत मुश्किल था। और वह भी कई शॉट्स के लिए हालांकि मैं एक कलाकार हूं और मैं वास्तव में अपने काम से प्यार करती हूं। वह उत्साह शायद मुझे वह सब करने में सक्षम बनाता है। 28 वर्षीय अभिनेत्री जिन्हें एक दीवाना था और रूप - मर्द का नया स्वरूप में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है ने साझा किया कि कैसे उन्होंने बिना बॉडी डबल के सभी स्टंट अपने दम पर किए। वह आगे कहती हैं मैंने इसे बॉडी डबल के बिना किया। आम तौर पर कलाकार ऐसा नहीं करते हैं। यदि वे कुछ चीजों को नहीं जानते हैं जो उचित है लेकिन मुझे लगता है कि मैं अपने जीवन में सभी प्रकार के रोमांच का अनुभव करना चाहती हूं और चीजों को करना चाहती हूं। डोनल ने श्रृंखला में अपने चरित्र की सराहना करने के लिए दर्शकों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए निष्कर्ष निकाला मैं भगवान की बहुत आभारी हूं और खुश हूं कि मेरी कड़ी मेहनत मुझे अपने दर्शकों से मिल रहे प्यार और सराहना के साथ भुगतान कर रही है। मेरे किरदार काव्या को इतना प्यार देने के लिए मैं अपने प्रशंसकों को पर्याप्त धन्यवाद नहीं दे सकती। बता दें कि अभिनेत्री वेब सीरीज तू जख्म है में काव्या ग्रेवाल का किरदार निभा रही हैं जो एक क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट हैं।

वरुण धवन स्टारर भेड़िया आते ही दृश्यम-2 की कमाई पर लगा ब्रेक

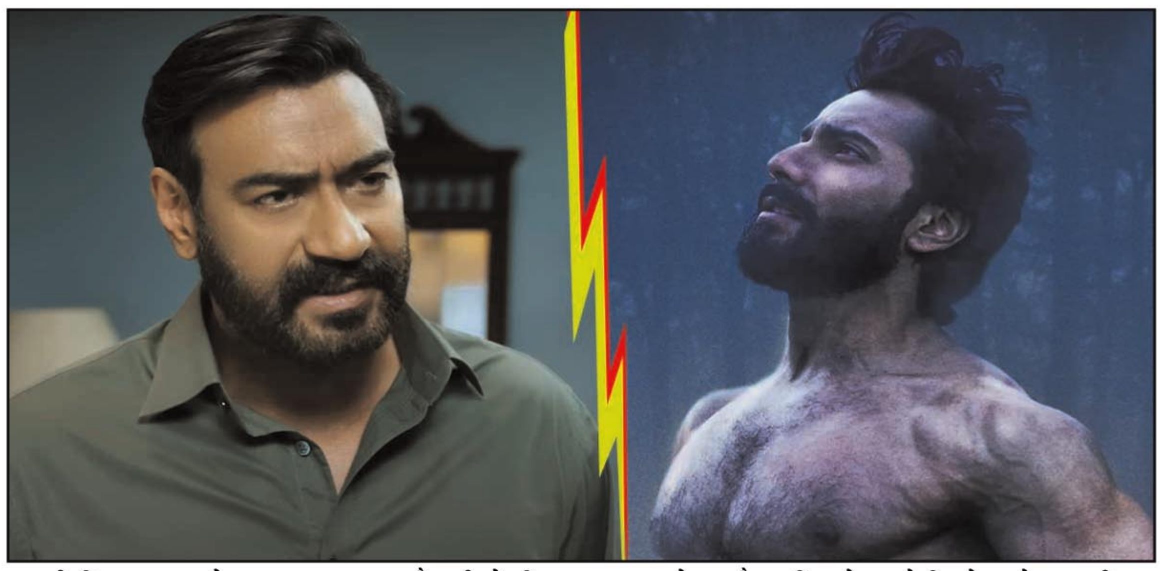

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेता अजय देवगन की दृश्यम 2 रिलीज हुए एक हफ्ते से ज्यादा दिन बीत चुके हैं। शानदार ओपनिंग लेने वाली इस फिल्म ने एक हफ्ते के ही अंदर 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। लेकिन फिल्म की रफ्तार यहीं खत्म नहीं होती बल्कि तेज स्पीड से आगे बढ़ रही इसकी शानदार कमाई का सिलसिला जारी है। इसी बीच 25 नवंबर को वरुण धवन की भेड़िया रिलीज हुई है। भेडिया की रिलीज ने दृश्यम 2 के बाक्स आफिस आंकड़ों को प्रभावित किया है। दृश्यम 2 ने आते ही बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया। पहले दिन फिल्म का बिजनेस 15.38 करोड़ पर क्लोज हुआ। दूसरे और तीसरे दिन फिल्म की कमाई में और इजाफा देखने को मिला। रिलीज के तीसरे दिन ही फिल्म ने बजट से अधिक का कलेक्शन किया। हालांकि आगे के दिनों के कलेक्शन में उतार-चढ़ाव देखने को मिला लेकिन इस थ्रिलर-एक्शन फिल्म की कहानी दर्शकों को बांधने में कामयाब रही है। पहले दिन 18 नवंबर से लेकर 25 नवंबर तक दृश्यम 2 ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया है। वीक डेज और वीकेंड पर भी फिल्म का कलेक्शन जबरदस्त रहा। दृश्यम 2 को अभिषेक पाठक ने डायरेक्ट किया है। फिल्म को रिलीज के बाद से लगातार प्रशंसा मिल रही है सात दिनों की धांसू कमाई के बाद आठवें दिन दृश्यम 2 के कलेक्शन में कुछ कमी देखी गई। लेकिन कलेक्शन का आंकड़ा गिरने के बाद भी लोगों में फिल्म का क्रेज खत्म नहीं हो रहा। सस्पेंस थ्रिलर फिल्म ने दूसरे और तीसरे दिन 21.59 करोड़ और 27.17 करोड़ का कलेक्शन किया। मंडे टेस्ट में 11.87 करोड़ का कलेक्शन करते हुए फिल्म अच्छे नंबरों से पास हुई। पांचवे दिन दृश्यम 2 ने 10.48 करोड़ छठे दिन 9.55 सातवें दिन 8.62 करोड़ का कारोबार किया। अब शुरूआती आंकड़ों के मुताबिक आठवें दिन फिल्म ने 7 करोड़ के आसपास बिजनेस किया है। भेड़िया के पहले दिन के कलेक्शन की बात करें तो इसने 7.5 करोड़ का कारोबार किया। हिंदी बेल्ट में दिखाई जा रही दृश्यम 2 इसी नाम से 2021 में रिलीज की गई मलयालम फिल्म का रीमेक है। मलयालम फिल्म में मोहनलाल ने लीड रोल प्ले किया था। दृश्यम की कहानी को दो पार्ट्स में दिखाया गया है। फिल्म का पहला पार्ट 2015 में रिलीज किया गया था।

पिता ने सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया

-प्रसिद्ध अभिनेता अनुपम खेर ने सुनाई जीवन की कहानी

पणजी (ईएमएस)। प्रसिद्ध अभिनेता अनुपम खेर ने कहा है कि उनका पहला अभिनय कार्यकाल काफी खराब था लेकिन उनके पिता ने उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया। एक मास्टरक्लास में अनुपम खेर नवोदित अभिनेताओं का मार्गदर्शन कर रहे थे। गोवा में 53वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के दौरान परफार्मिंग फॉर स्क्रीन एंड थिएटर पर आयोजित किया था। उन्होंने कहा अभिनेता पैदा नहीं होते हैं। स्कूल के नाटक में मेरा पहला अभिनय बहुत ही खराब था। लेकिन मेरे पिता ने शाम को मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए फूल दिए। अनुपम खेर ने अपने जीवन की कहानी सुनाई कि वह कैसे बने एक सफल अभिनेता। अभिनेता अनुपम खेर ने नए कलाकारों और अभिनेताओं को लेकर कहा जब तक गलतियां नहीं होतीं तब तक कोई अभिनेता नहीं हो सकता। किसी को भी गलतियों के बारे में चिंतित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभिनय का प्रशिक्षण किसी अन्य क्षेत्र या पेशे की तरह ही महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण आपको आत्मविश्वास देता है यह एक मोटर ड्राइविंग स्कूल की तरह है। यह डर को दूर करता है। उन्होंने कहा कि एक्टिंग का कोई सिलेबस नहीं होता। यह मानव स्वभाव के बारे में है। खेर ने एक अच्छे अभिनेता को परिभाषित करने का वर्णन करते हुए कहा एक अभिनेता को भावनाओं से भरा होना चाहिए जीवन से भरा होना चाहिए। एक अभिनेता के लिए तीन हथियार अवलोकन कल्पना और भावनात्मक स्मृति हैं।

रचनात्मक खोज का कोई अंत नहीं है : अलाया

अपनी अगली फिल्म फ्रेडी के बारे में बॉलीवुड अभिनेत्री अलाया एफ का कहना है कि जब अभिनय की बात आती है तो रचनात्मक खोज का कोई अंत नहीं है। अपने अनुभव के चलते अलाया एफ ने कहा कि इस काम के बारे में मेरा पसंदीदा हिस्सा यह है कि आपको कई अलग-अलग शैलियों इतने सारे अलग-अलग पात्रों और कई अलग-अलग प्रकार की कहानी कहने के साथ प्रयोग करने का मौका मिलता है।उन्होंने कहा मैंने अपनी पहली फिल्म के बाद से तीन फिल्मों की शूटिंग की है और हर एक दूसरे से बहुत अलग है इसलिए मैं वास्तव में दर्शकों के लिए उत्साहित हूं कि मुझे वास्तव में प्रत्येक प्रोजेक्ट के साथ खुद को आगे बढ़ाते हुए देखें। उद्योग में मेरी यात्रा बहुत पारंपरिक नहीं रही है तो मेरी फिल्म पारंपरिक क्यों होनी चाहिए? मैं लोगों को आश्चर्यचकित करना चाहती हूं और मुझे वास्तव में उम्मीद है कि मैं उन सभी अवसरों के साथ न्याय कर सकती हूं जो मुझे जवानी के बाद से मिले हैं।

फुटबॉल खेलना पसंद करते हैं रणबीर कपूर

-अब फुटबॉल क्लब में उनकी बेटी का भी स्वागत

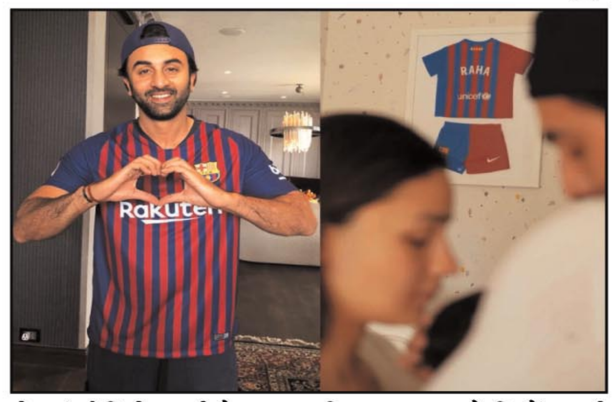

मुंबई (ईएमएस)। बालवुड एक्टर रणबीर कपूर फुटबॉल खेलना भी पसंद करते हैं। अबउनकी बेटी राहा कपूर का भी फुटबॉल से कनेक्शन है। दरअसल आलिया भट्ट ने बेटी के नाम को साझा करने के लिए जो तस्वीर साझा की थी उसमें बैकग्राउंड में फुटबॉल क्लब बार्सिलोना की ड्रेस दिखाई दे रही थी। इस पर अब एफसी बार्सिलोना ने राहा का स्वागत किया है। एफसी बार्सिलोना ने ट्विटर अकाउंट के जरिए राहा का स्वागत किया है। फुटबॉल क्लब की ओर से लिखा गया है बधाई हो आलिया और रणबीर कपूर। नए बार्सा फैन ने जन्म ले लिया है। हम आप सभी से बार्सिलोना में मिलने का इंतजार कर रहे हैं. एफसी बार्सिलोना ने इस पोस्ट के साथ आलिया की शेयर की हुई फोटो भी पोस्ट की है.रणबीर कपूर इंडियन सुपर लीग टीम मुंबई सिटी एफसी के सह-मालिक हैं। वे इस क्लब के बहुत बड़े फैन हैं। रणबीर के इस प्यार से एफसी बार्सिलोना भी वाकिफ है। यही कारण है कि रणबीर के बर्थडे पर एफसी की ओर से उनके बर्थडे पर टी शर्ट भेजी गईं थीं। खात बात यह थी कि इस टी शर्ट पर बार के बैलन डी ओर विनर लियोनल मेसी के साइन थे। इसे पाकर रणबीर काफी खुश हुए थे। रणबीर ने टी शर्ट पहनकर फोटोज क्लिक करवाए थे जिन्हें एफसी की ओर से शेयर भी किए गए थे। राहा के इस इंटरनेशनल लेवल पर हुए स्वागत को पाकर सभी खुश हैं। रणबीर के फैंस का मानना है कि रणबीर की बेटी अभी से ही दुनियाभर में फेमस हो गई हैं। बता दें कि रणबीर फिल्मों से फुर्सत मिलने पर फुटबॉल ग्राउंड पर जाना पसंद करते हैं।इन दिनों वे फीफा विश्वकप 2022 को लेकर उत्साहित हैं।

ओपनिंग इंट्रोडक्शन सीन को शूट करने में लगे 35 दिन

-तेलुगू स्टार राम चरण ने किया खुलासा

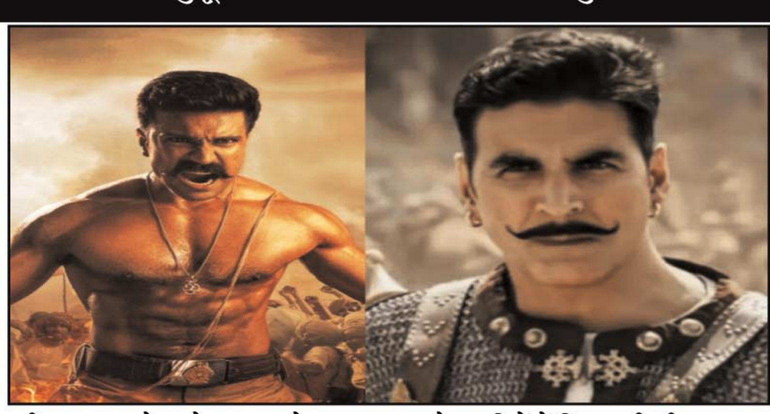

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में तेलुगू स्टार राम चरण ने राजामौली निर्देशित फिल्म के बारे में खुलकर बात की और ये बताया कि कैसे उनके ओपनिंग इंट्रोडक्शन सीन को शूट का जिक्र किया जिसे शूट करने में उन्हें पूरे 35 दिन लगे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें एलर्जी होने के बावजूद इतने समय तक धूल में काम करना पड़ा और इससे पहले उनकी साइनस की सर्जरी भी हुई थी। हाल ही में अभिनेता ने बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के साथ हाल ही में हुई लीडरशिप समिट 2022 में भाग लिया। इसी बीच उन्होंने मजाक-मजाक में बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार पर तंज कसा। जब चरण से उनके शुरूआती दृश्य के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अक्षय आमतौर पर 40 दिनों में एक फिल्म की शूटिंग पूरी कर लेते हैं और आरआरआर के एक इंट्रोडक्शन सीन के लिए उतने ही समय की आवश्यकता होती है। राम चरण ने कहा कुछ फिल्में इतने समय में खत्म हो जाएंगी मैने सुना है कि अक्षय सर ने 40 दिनों में एक फिल्म पूरी की।राम चरण ने आगे कहा हमने लगभग 3000 से 4000 लोगों के साथ 35 दिनों तक सीन शूट किया।

मुझे बचपन से धूल से एलर्जी है यहां तक कि मेरी साइनस की सर्जरी भी हुई थी। मेरा नसीब देखिए मुझे 35 दिनों तक धूल में काम करना पड़ा। अक्षय की फिल्म सम्राट पृथ्वीराज की पूरी फिल्म 42 दिनों में शूट हो गई। समिट के दौरान अपनी फ्लॉप फिल्म के बारे में अक्षय ने कहा था हमने 42 दिनों में फिल्म पूरी की। समय पर आना और समय पर जाना फिर फिल्म समय पर पूरी होती है। यह महामारी के कारण था कि फिल्म में देरी हुई वरना फिल्म बहुत पहले रिलीज हो गई होती। लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई और इसके लिए अक्षय कुमार को काफी ट्रोल भी किया गया। महामारी के बाद फिल्मों के बॉक्स-ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के बारे में बात करते हुए राम चरण ने कहा हम सभी को फिल्म बनाने के स्तर से भी पुनर्विचार और पुनर्गठन करना होगा। हम सभी को इस बड़े खेल में पिच करनी है। अच्छी फिल्में अच्छी कहानियां लोगों को थिएटर तक खींच कर ले जाएंगी। हम सब एक इकाई बन गए है। कोई दक्षिण या उत्तर नहीं है। यह अब भारतीय सिनेमा है और अब समय आ गया है कि हमारे सिनेमाघर हमारे राज्यों से आगे बढ़ें। मुझे खुशी है कि यह अब सभी तक पहुंच रहा है। मैं गुजरात बंगाल में निर्देशकों के साथ काम करना चाहता हूं।

राम चरण ने आगे कहा हमें अपने प्रशंसकों से जो प्यार मिला है वो वास्तव में अभिभूत करने वाला है। अभिनेताओं के रूप में लोगों का मनोरंजन करना और स्टारडम हमारे कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी है। मालूम हो कि राम चरण इन दिनों सुर्खियों में छाए हुए हैं और फैंस उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि अब भी वे आरआरआर के बारे में ही ज्यादा बातचीत करते दिख रहे हैं।

वॉल्टेयर वीरय्या 2023 में होने जा रही रिलीज

-फिल्म का बॉस पार्टी सॉन्ग रिलीज

हैदराबाद (ईएमएस)। दक्षिण भारत के सुपर स्टार चिरंजीवी और निर्देशक बॉबी कोल्ली की जबरदस्त मेगा मास एक्शन एंटरटेनर फिल्म वॉल्टेयर वीरय्या 2023 में रिलीज होने जा रही है।चिरंजीवी के चाहने वाल इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।मेगास्टार चिरंजीवी बैक टू बैक फिल्मों से प्रशंसकों का मनोरंजन कर रहे हैं। तेलुगु फिल्म वॉल्टेयर वीरय्या की पहली झलक के रूप में बॉस पार्टी गाना रिलीज हो गया है। चिरंजीवी और उर्वशी रौतेला ने बॉस पार्टी सॉन्ग में अपने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करने की पूरी कोशिश की है। मेगास्टार चिरंजीवी अपने अद्भुत डांस मूव्स के साथ गाने को अगले स्तर पर ले गए। लुंगी में उनका विंटेज मास अवतार और उनके डांस स्टेप्स लोगों को काफी आकर्षित कर रहे हैं। उर्वशी रौतेला चिरंजीवी की एनर्जी से मेल खाने की कोशिश करती हैं और वह एक हद तक सफल भी होती हैं। इसकी कोरियोग्राफी शेखर मास्टर ने की है।

रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद ने इस गाने को कंपोज किया लिखा और गाया भी है। बॉस पार्टी सॉन्ग असली डीएसपी स्टाइल में एक फुल-ऑन मसाला नंबर है। उनके रैप ने गाने में दोगुनी ऊर्जा भर दी है जिसमें नक्श अजीज और हरिप्रिया की डायनैमिक आवाज भी शामिल है। फिल्म का निर्माण माइथरी मूवी मेकर्स के नवीन येरनेनी और वाई रविशंकर द्वारा बड़े स्तर पर किया गया है जबकि जीके मोहन सह-निमार्ता हैं। आर्थर ए विल्सन ने कैमरे को क्रैंक अप किया है। वहीं निरंजन देवरमाने ने एडिटिंग की है और एएस प्रकाश फिल्म के प्रोडक्शन डिजाइनर हैं। तो वहीं सुष्मिता कोनिडेला कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं। जबकी कहानी और डायलॉग खुद बॉबी ने लिखे हैं। कोना वेंकट और के. चक्रवर्ती रेड्डी ने पटकथा लिखी है। राइटिंग विभाग में हरि मोहन कृष्णा और विनीत पोतलुरी भी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म वाल्टेयर वीरैय्या 2023 में संक्रांति पर रिलीज होगी।

सूडोकु नवताल- 6265

★★★★☆ मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6264 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्दजाल - 7012

ग	क	ल	ड	व	ल	र्प	धी	ऊं	ल	ज
र	धा	ल	भैं	स	ति	ड्ड	इं	ट	ट	वा
त	स	या	ल	बि	ल्ली	रा	रा	आ	ख	गा
ब	ज	ज	सु	पु	र	रा	प	ए	ली	य
म	क	दो	ग	ल्ता	लं	स	तू	उ	झ	म
स	क	री	प	ख	न	पू	ना	फ	घ	त
त्ते	अ	स	त	र	प	न	श	ज	ला	ट
पे	ता	दा	ई	गो	ब	कु	फ	रा	श	न
बं	बा	चे	न	श	जी	ई	त्ता	ल	प	रु
द	पा	ला	ल	न	क	दु	र	शा	स्त्री	ता
र	रा	जी	घो	ड़ा	धी	रा	इ	फ	ई	त

शब्दजाल में दस पालतू जानवरों के नाम ढूंढिए. दिए गए दस नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

खरगोश,बिल्ली,कुत्ता,गाय,भैंस,ऊंट,गधा, बकरी,बंदर,घोड़ा

शब्दजाल - 7011 का हल

बं	ल	र	ह	द	ब	निं	ग	ट्रे	न	आ
ज	दि	ल	म	आ	मो	ह	दो	तें	शा	म
अं	इ	श	दि	ल	दा	ल	उ	र	ला	ब
मे	क	व	ल	प	ल	क	स्ता	रि	श	न
स	रे	श	ज	वा	ब	स	द	ग	वी	व
ही	रं	अ	च	व	लि	र्त	ल	ती	प	च
व	रो	ल	प	गा	आं	धी	तू	फा	न	ले
श	बा	ज	स	ने	क	छ	र	ग	श	थ
छ	त्ती	स	घं	टे	न	ज	स	शा	जू	ध
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	र्मा
थो	बु	लं	दी	र	हो	ग	या	दु	र	त्मा

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5965

	4	5		7		
	28	1	36	2	30	4
2	3			6		
	33	2	34	3	29	6
4	5		7		2	
	33	7	37		33	
1			4	5	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5964 का हल

7	4	5	2	3	6	1
5	38	3	32	1	27	7
4	3	7	5	6	1	2
3	30	2	40	7	32	6
6	1	4	7	2	5	3
2	24	1	36	4	30	5
1	3	6	7	5	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

कतर में कैमल फ्लू का खतरा, रुक सकता है फीफा विश्व कप, दर्शक में बीमारी की चपेट में आने का डर

दोहा ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन से जुड़े डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि फीफा विश्व कप के दौरान कतर में कैमल फ्लू भी फैल सकता है। यह बीमारी कोरोनवायरस और मंकीपॉक्स जैसी गंभीर बीमारियों की तरह खतरनाक है। फीफा विश्व कप की वजह से दुनियाभर के फुटबॉल फैन इस देश में पहुंचे हैं और इन दर्शकों के बीच कैमल फ्लू फैलने का खतरा है। न्यू माइक्रोब्स एंड न्यू इंफेक्शन नामक पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, वैज्ञानिकों ने पाया कि दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसक कतर में 2022 फीफा विश्व कप देखने के लिए उमड़ रहे हैं, लेकिन इससे संक्रामक रोग का खतरा बढ़ गया है। फैंस स्थानीय लोगों के साथ-साथ खिलाड़ी भी कैमल फ्लू की चपेट में आ सकते हैं। कैमल फ्लू के अलावा भी कई बीमारियां फैंस के बीच फैल सकती हैं। अध्ययन के अनुसार, वेक्टर-जनित रोग जैसे कि त्वचीय लीशमैनियासिस, मलेरिया, डेंगू, रेबीज, खसरा, हेपेटाइटिस ए और बी के फैलने का खतरा कतर में बना हुआ है। हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक ऐसे वायरस की पहचान की है, जो आने वाले समय में महामारी पैदा कर सकता है। दुनिया भर से लगभग 1.2 मिलियन लोग विश्व कप देखने के लिए कतर पहुंचेंगे करेंगे। फीफा विश्व कप कोरोना महामारी का असर कम होने के बाद सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में से एक है। इससे खाड़ी देश की 2.8 मिलियन की आबादी में 1.2 मिलियन और लोग जुड़ रहे हैं। अध्ययन में कहा गया है कि जहां कतर ने अपने स्वास्थ्य विभाग को इस तरह की घटना के लिए तैयार किया था, वहीं निरंतर निगरानी और संक्रमण के फैलने पर अध्ययन महत्वपूर्ण था। उपर्युक्त जोखिमों को कम करने के लिए, टूर्नामेंट के आगंतुकों के लिए नियमित टीकाकरण जरूरी है। साथ ही भोजन और पेय के सुरक्षित उपयोग के नियमों का पालन करना चाहिए।

कतर की यात्रा करने वाले विश्व कप के प्रशंसकों को भी ऊंटों को छूने से बचने की सलाह दी गई है, जिन्हें घातक संक्रमण फैलने का खतरा है। यूके स्थित वेबसाइट के एक लेख के अनुसार, एमईआरएस को पहली बार 2012 में सऊदी अरब में पाया गया था, जो कतर की सीमा में है, और तब से 27 अलग-अलग देशों में 935 लोगों की मौत इसकी वजह से हुई है।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लिश खिलाड़ियों की पत्नियों ने पी इतनी शराब कि बिल देख उड़े होश, ईरान पर जीत का मनाया जश्न

दोहा । इंग्लैंड ने कतर विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। उसने 21 नवंबर को ईरान के खिलाफ 6-2 से शानदार जीत हासिल की थी। इस जीत के बाद सिर्फ इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने ही नहीं, बल्कि उनकी पार्टनर्स ने भी जमकर जश्न मनाया। खिलाड़ियों की पत्नी और गर्लफ्रेंड उनका हौंसला बढ़ाने के लिए दोहा में हैं। सबने ईरान के खिलाफ जीत के बाद जमकर शराब पी। जश्न मनाने वालों में डिफेंडर हैरी मैग्वायर की पत्नी फर्न, गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड की गर्लफ्रेंड मेगन और फॉर्वर्ड जैक ग्रिलिश की पत्नी साशा एटवुड शामिल रहीं। खिलाड़ियों की पत्नी और गर्लफ्रेंड को लग्जरी जहाज में रखा गया है। वह प्रीमियम पैकेज पर हैं। कतर पहुंचने से पहले इसका भुगतान कर दिया था। जीत के बाद जश्न मनाने के दौरान सबने 250 पाउंड (करीब 25 हजार रुपये) वाले पॉप के साथ-साथ कॉकटेल में शैंपेन की बोतलें ऑर्डर की। सबने इतनी शराब पी कि सुबह जब बिल आया तो हैरान रह गई। रिपोर्ट के मुताबिक, खिलाड़ियों की पत्नियों और गर्लफ्रेंड्स ने मिलकर 20000 पाउंड (लगभग 20 लाख रुपये) का बिल बनाया। इंग्लैंड के खिलाड़ियों की पार्टनर्स लगभग 98 अरब की कीमत वाली जहाज में रुकी हैं। इस जहाज की क्षमता 6762 लोगों की है। उन्होंने इसके लिए करीब छह-छह लाख रुपये का भुगतान किया है। यह क्रूज दोहा में समंदर किनारे रुका है। विश्व कप के चलने तक यह क्रीज वहां खड़ा रहेगा। इस क्रूज में 2500 से ज्यादा केबिन हैं। इसमें घूमने के लिए जगह है। साथ ही 14 पूल और 13 डाइनिंग स्पॉट हैं। शिप में 30 से अधिक बार हैं। इसके अलावा स्पोर्ट्स जोन भी हैं।

विवाद में फंसे इंग्लैंड फैंस, वेल्स समर्थकों के साथ मारपीट, कुर्सियां फेंकी, जमकर चलाए लात-घूंसे

दोहा । फीफा विश्व कप 2022 में फिलहाल लीग स्तर के मैच जारी हैं और इंग्लैंड के फैंस लगातार विवादों में आ रहे हैं। पहले इंग्लैंड के फैंस ने कपड़ो को लेकर कतर का नियम तोड़ा था। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। अब इंग्लैंड और वेल्स के समर्थकों के बीच जमकर मारपीट हुई है। इस दौरान स्टेडियम में खूब लात-घूसे चले। फैंस ने एक दूसरे के ऊपर कुर्सियां भी फेंकी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इंग्लैंड के फैंस के मजे ले रहे हैं। इंग्लैंड के फैंस मैच के दौरान अपने आक्रामक रवैये के लिए बदनाम हैं। इससे पहले भी कई बार फुटबॉल मैच के दौरान इंग्लैंड के फैंस विपक्षी टीम के समर्थकों और पुलिस के साथ भी मारपीट कर चुके हैं। इसी वजह से नया विवाद सामने आने के बाद उनका मजाक बनाया जा रहा है। हालाकिं, फीफा विश्व कप 2022 में यह पहला विवाद नहीं है। इससे पहले मैक्सिको के फैंस ने मेसी को गाली दी थी और मेसी के फैंस ने उनकी जमकर धुलाई की थी। एक मिनट 46 सेकेंड के वीडियो में इंग्लैंड के दर्शक नशे में दिख रहे हैं। वह वेल्स के समर्थकों के साथ लड़ रहे हैं। इस दौरान उनके हाथ में कुर्सी, बॉटल जो भी आया उसी से एक दूसरे को धोया।

फुटबॉल विश्व कप के दौरान कतर में बड़ा हादसा, खेल गांव के नजदीक लगी भीषण आग

दोहा । कतर में 20 नवंबर से फुटबॉल विश्व कप खेला जा रहा है। अभी ग्रुप दौर के मुकाबले चल रहे हैं। मैच से ज्यादा यह विश्व कप अलग-अलग तरह के विवादों के कारण चर्चा में है। अब आयोजकों को एक और चीज ने परेशान किया है। दरअसल, विश्व कप के लिए बनाए गए खेल गांव (फैन विलेज) के नजदीक आग लग गई। यह घटना देश के सबसे बड़े लुसैल स्टेडियम के करीब हुई है। सोशल मीडिया पर वायरल फोटो में यह दिख रहा है कि आग लगने के बाद आसमान में काला धुआं उठ रहा है। इस बारे में जब अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने कहा कि शहर के एक निर्माणाधीन इमारत में आग लगी थी। उस पर काबू पा लिया गया है। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

मैच रद्द होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड है भारत के नाम

हमारा हर 25वां वनडे बेनतीजा रहता है, हमेशा बारिश नहीं होती वजह

नई दिल्ली ।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया। सिर्फ 12.5 ओवर का खेल मुमकिन हो पाया। इसमें भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 1 विकेट खोकर 89 रन बनाए।

यह भारतीय टीम के वनडे इतिहास का 42वां रद्द वनडे मुकाबला है। इस मामले में टीम इंडिया पहले से ही वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए हुए हैं। भारत का हर 25वां वनडे रद्द हो जाता है। रद्द होने वाले मैचों के पीछे बारिश सबसे बड़ा फैक्टर है। हालांकि कुछ मैच बिना बारिश के भी रद्द हुए हैं। इसके बारे में आगे जानेंगे। इसके अलावा इस स्टोरी में देखेंगे कि किस टीम के खिलाफ भारत के कितने मुकाबले रद्द हुए हैं। साथ ही यह भी जानेंगे कि रद्द होने की स्थिति में मैच की परफॉर्मेंस को रिकॉर्ड में काउंट किया जाता है या नहीं।

सबसे पहले जान लेते हैं कि दर्शकों के साथ क्या होता है - अगर कोई मुकाबला बिना एक भी गेंद फेंके रद्द हो जाता है तो दर्शकों को पूरा रिफंड मिलता है। शर्त यही होती है कि उसने टिकट मेजबान बोर्ड द्वारा वेरिफाइड किसी ऑनलाइन या ऑफलाइन वेंडर से खरीदी हो। अगर मैच में एक भी गेंद का खेल हो जाता है तो आमतौर पर दर्शकों को कोई पैसा नहीं मिलता है। हालांकि कुछ क्रिकेट बोर्ड इस स्थिति में भी पैसे वापस कर देते हैं।

सबसे ज्यादा भारत-श्रीलंका वनडे रद्द हुए - वनडे क्रिकेट में टीम इंडिया के सबसे ज्यादा मुकाबले श्रीलंका के खिलाफ रद्द हुए हैं। भारत ने अब तक श्रीलंका के खिलाफ 162 वनडे मैच खेले हैं। इनमें से 11 मैच बेनतीजा रहे। इनमें 2002 चैंपियंस ट्रॉफी के दो फाइनल मैच भी शामिल हैं। फाइनल के पहले दिन श्रीलंका की पारी के दौरान बारिश शुरू हो गई। इसके बाद खेल नहीं हुआ और मैच को रिजर्व डे में ले जाया गया।

उस समय के नियम के मुताबिक रिजर्व डे में नए सिरे से मैच खेला गया। इस बार भी श्रीलंका की पारी के बाद खेल मुमकिन नहीं हुआ और मुकाबला रद्द कर दिया गया। अगली तस्वीर में देखिए कि किस टीम के खिलाफ भारत के कितने वनडे मैच रद्द हुए हैं।

दर्शकों की पत्थरबाजी के कारण भी रद्द हुआ मैच - ऐसा नहीं है कि इनमें से सभी मैच बारिश के कारण रद्द हुए हों। पाकिस्तान के खिलाफ 1989 में खेला गया वनडे मैच दर्शकों के खराब व्यवहार के कारण रद्द हुआ था। तब पाकिस्तानी दर्शकों ने अपनी टीम के तीन विकेट जल्दी गिर जाने के कारण पत्थरबाजी शुरू कर दी थी।

इसी तरह भारत और श्रीलंका के बीच 2009 में दिल्ली में खेला गया वनडे मैच खराब पिच के कारण रद्द कर दिया गया था। उस मुकाबले में 23.3 ओवर का खेल हुआ था। पिच से असमान उछाल मिल रही थी जिससे बल्लेबाजों के चोटिल हो जाने का खतरा था। स्टोरी में आगे पढ़िए कि बारिश के कारण मैच रद्द करने को लेकर आईसीसी के नियम क्या कहते हैं।

कितने ओवर का खेल हो जाए तो मैच रद्द नहीं होता - आईसीसी के मौजूदा नियमों के मुताबिक अगर किसी वनडे मैच की दोनों पारियों में कम से कम 20-20 ओवर का खेल हो जाए तो मुकाबला रद्द नहीं होता है। फिर डकवर्थ लुईस नियम के तहत फैसला होता है। अगर शुरुआत से ही पता चल जाए कि मुकाबला 20-20 ओवर का ही होगा तो फिर डकवर्थ-लुईस का रोल नहीं होता है। इसके अलावा अन्य स्थितियों में इसे लागू किया जाता है। अगर 20-20 ओवर का खेल भी मुमकिन नहीं होता है तो मैच रद्द कर दिया जाता है।

अब समझते हैं कि मैच की परफॉर्मेंस काउंट होती है या नहीं - अगर मैच में एक भी गेंद डाली गई है तो उस पर हुआ खेल रिकॉर्ड बुक में शामिल किया जाता है। इसका मतलब हुआ कि इस मैच में सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल, शिखर धवन के रन उनके करियर रिकॉर्ड में शामिल हुए। साथ ही मैट हैनरी का विकेट भी उनके खाते में जुड़ेगा। इसी तरह मैच की संख्या भी टीम के खाते में काउंट होती है। सचिन तेंदुलकर के नाम वनडे क्रिकेट में दुनिया में सबसे ज्यादा रन हैं। संयोग देखिए कि रद्द मैचों में भी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी सचिन ही हैं। सचिन ने 24 ऐसे वनडे खेले जिनका कोई नतीजा नहीं निकला। इनमें मास्टर-ब्लास्टर ने 47.09 की औसत से 518 रन बनाए।

पांच बच्चों की मां मेसी की फैन मैच देखने केरल से अकेले कतर पहुंची फिर पूरा हुआ सपना

दोहा ।

अर्जेंटीना के स्टार लियोनल मेसी की फैन केरल की एक महिला अपनी 'कस्टमाइज्ड एसयूवी' से अपनी पसंदीदा टीम का विश्वकप मैच देखने अकेले कतर पहुंच गई। खबर के अनुसार पांच बच्चों की मां नाजी नौशी ने केरल से 15 अक्तूबर को खाड़ी देशों की यात्रा शुरू की और संयुक्त अरब अमीरात पहुंची। 33 साल की नौशी अपने 'हीरो' मेसी और अर्जेंटीना को विश्व कप में खेलते हुए देखना चाहती थीं।

हालांकि सऊदी अरब से अर्जेंटीना को मिली हार से उनका दिल टूटा, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि अर्जेंटीना अगले मैच में जीत हासिल कर वापसी करेगी और ऐसा ही हुआ।

लियोनल मेसी को खेलते हुए देखना चाहती हूं। सऊदी अरब से मिली हार मेरे लिए निराशाजनक थी, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि यह ट्रॉफी जीतने की राह में छोटी सी बाधा होगी। नौशी के उम्मीद के अनुसार दूसरे मैच में ऐसा ही हुआ। मेसी ने शानदार खेल दिखाते हुए एक गोल किया और दूसरे गोल में मदद की। इस दौरान उन्होंने दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। अर्जेंटीना ने यह मैच 2-0 से जीतकर शानदार वापसी की और नौशी का सपना पूरा हो गया।

कार को मुंबई से ओमान पहुंचाया, मस्कट से शुरू की यात्रा

नौशी ने पहले अपनी 'एसयूवी' को मुंबई से ओमान पहुंचाया और संयोग से यह दाएं हाथ की ओर 'स्टीयरिंग' वाली गाड़ी देश में भेजी जाने वाली पहली भारतीय पंजीकृत कार है। उन्होंने मस्कट से अपनी यात्रा शुरू की और हाटा बॉर्डर से अपनी एसयूवी में यूएई पहुंची। इस दौरान वह दुबई में स्थित दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा देखने भी रूकीं। इस एसयूवी में अंदर ही 'रसोई' है और इसकी छत पर एक टेंट जुड़ा हुआ है। नौशी ने कार का नाम 'ऊलू' रखा हुआ है, जिसका मलयालम भाषा में अर्थ 'शी' (महिला) होता है। नौशी ने कार में चावल, पानी, आटा, मसाले और अन्य सूखी चीजें रखी हुई हैं। उन्होंने कहा, 'मैं खुद ही खाना बनाने की कोशिश करती हूं। इससे निश्चित रूप से पैसा बचता है और 'फूड प्वाजनिंग' का भी जोखिम कम रहता है।

फुटबॉल वर्ल्ड कप...अर्जेंटीना जीताः मैक्सिको को 2-0 से हराया, लियोनल मेसी ने मैराडोना के रिकॉर्ड की बराबरी की

दोहा।

दो बार की चैंपियन अर्जेंटीना ने कतर में चल रहे वर्ल्ड कप में अपनी उम्मीदें कायम रखी हैं। पहले मुकाबले में सऊदी अरब के हाथों बड़े उलटफेर का शिकार हुई इस टीम ने मैक्सिको पर 2-0 की जीत दर्ज करते हुए वापसी की। हालांकि, टीम को नॉकआउट में प्रवेश करने के लिए एक दिसंबर को पोलैंड से आखिरी लीग मुकाबला जीतना ही होगा।

अर्जेंटीना की ओर से लियोनल मेसी और एंजो फर्नांडो ने एक-एक गोल दागे। यह मेसी का 21वां मैच था। इसी के साथ उन्होंने अर्जेंटीना के ऑलटाइम ग्रेट डिएगो माराडोना के 21 मैच के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

अर्जेंटीना ने मैक्सिको पर लगातार 11वीं जीत दर्ज की है। उसे पिछली हार 18 साल पहले 2004 में कोपा अमेरिका में मिली थी। तब मैक्सिको 1-0 से जीता था।

लुसैल स्टेडियम में अर्जेंटीना के लिए पहला गोल लियोनल मैसी ने 64वें मिनट में दागा। 35 साल के स्टार फुटबॉलर ने एंजेल डि मारिया के पास पर पेनल्टी बॉक्स के बाहर से गोल दागा। यह मैसी का 8वां वर्ल्ड कप गोल था। मुकाबले का दूसरा गोल युवा एंजो फर्नांडो ने 87वें मिनट में दागा। वे कॉर्नर के बाद बाद मेसी के छोटे पास को बॉक्स के अंदर तक लेकर गए और दर्शनीय गोल दागा।

अर्जेंटीना ने 7 मैच बाद क्लीन शीट किया

मेसी की टीम ने 7 वर्ल्ड कप मैचों के बाद क्लीन शीट किया है। पिछली दफा उसने 2014 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में ऐसा किया था। तब नीदरलैंड के साथ वह मुकाबला गोल रहित ड्रॉ रहा था। हालांकि, पेनल्टी में टीम फाइनल में प्रवेश कर गई।

मैक्सिको ने वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना से चारो मैच हारे

मैक्सिको ने वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना के खिलाफ खेले गए चारों मुकाबले गंवाए हैं। अर्जेंटीना के खिलाफ सबसे अधिक वर्ल्ड कप गंवाने के मामले में वह नाइजीरिया से पीछे हैं। नाइजीरिया अर्जेंटीना से 5 मुकाबले हारा है।

तलाक के लिए तैयार है सानिया मिर्जा और शोएब मलिक टीवी शो का कॉन्ट्रैक्स साइन के वजह से हो रही देरी

नई दिल्ली ।

भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक के बीच तलाक की खबरें लंबे समय से चल रही हैं। हालांकि, इन दोनों हस्तियों ने इन खबरों पर अब तक चुप्पी साध रखी है। इस जोड़े अब तक तलाक की खबरों का खंडन भी नहीं किया है और तलाक को लेकर कोई जानकारी भी नहीं दी है। अब कुछ खबरों में दावा किया गया है कि सानिया और शोएब तलाक की तैयारी कर चुके हैं, लेकिन कानूनी अड़चन की वजह से आधिकारिक रूप से तलाक नहीं लिया है।

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट् में दावा किया गया है कि शोएब ने सानिया को धोखा दिया है। पाकिस्तानी एक्ट्रेस आयशा उमर के साथ शोएब का अफेयर चल रहा है। इसी वजह से इन दोनों की शादी टूटने की कगार पर आ गई है। इसमें औपचारिकताएं बाकी रह गई हैं।

क्यों तलाक नहीं ले रहे सानिया-शोएब

सानिया मिर्जा और शोएब मलिक ने कपल के रूप में कई टीवी शो का कॉन्ट्रैक्स साइन किया है। इन शो में उन्हें एक जोड़े के रूप में काम करना है। इसी वजह से ये दोनों तलाक नहीं ले रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस शो की शूटिंग पूरी करने के बाद सानिया-शोएब आधिकारिक रूप से तलाक का एलान कर सकते हैं।

क्या है मामला

शोएब और सानिया के बीच नजीदिकयां 2009 से बढ़ने लगी थी। इसके बाद 2010 में हैदराबाद में दोनों ने निकाह किया। 2018 में सानिया ने बेटे इजहान को जन्म दिया। सानिया शोएब की दूसरी पत्नी हैं। शोएब ने उनसे पहले हैदराबाद में ही आयशा सिद्दिकी से शादी की थी। सानिया और शोएब का बेटा इजहान चार साल का हो चुका है। दोनों ने इजहान को पैरेंटिंग देने का फैसला लिया है। इस वजह से भी तलाक में देरी हो रही है।

रिपोर्ट के अनुसार सानिया और शोएब के रिश्तों में पहले भी खटास रह चुकी है, लेकिन फिर दोनों साथ आए, लेकिन इस बार इसकी संभावना कम है। दोनों के बीच अनबन की खबरें तब सामने आई थीं, जब सानिया ने इंस्टाग्राम पर लिखा था- टूटे दिल वाले लोग कहां जाते हैं इसके बाद उन्होंने बेटे इजहान के साथ एक तस्वीर शेयर कर लिखा था- यह एक ऐसा पल है जो मुझे मुश्किल दिनों में भी हिम्मत देता है।

हालांकि, शोएब अभी भी सोशल मीडिया पर खुद को सुपरवूमन सानिया का पति बताते हैं और उनकी तरफ से इस बारे में कोई पोस्ट नहीं किया गया है। आधिकारिक तौर पर सानिया और शोएब ने तलाक को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है।

जम्मू-कश्मीर ने केरल को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर इतिहास रचा

जम्मू।

शुभम खजूरिया तूफानी बल्लेबाजी, आकिब नबी और युद्धावीर सिंह की शानदार गेंदबाजी की मदद से जम्मू-कश्मीर ने केरल को 7 विकेट से हराकर पहली बार विजय हजारे ट्राफी के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर नया इतिहास रचा है।

गुजरात कॉलेज क्रिकेट ग्राउंड, अहमदाबाद में चल रही विजय हजारे ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर के बल्लेबाजी के मुख्य आधार शुभम खजूरिया अपने पुराने फार्म में दिखे। उन्होंने 76 रनों की तूफानी पारी खेली और एक अन्य सलामी बल्लेबाज कमरान इकबाल की साहसिक और संभावित रूप से मैच जीतने वाली पारी ने फिर से प्रदर्शित किया कि उनकी टीम ट्राफी जीतने की दौड़ की अग्रिम पंक्ति में खड़ी है। इससे पहले बल्लेबाजी करने उतरी केरल की टीम 47.4 ओवरों में कुल 174 रन बना करऑल आउट हो गई। विनूप शीला मनोहरन ने सर्वाधिक 81 गेंदों पर 7 चौकों की मदद से 62 रन बनाए जबकि सिजोमोन जोसेफ और अखिल स्कारिया ने क्रमशः 32 और 23 रनों का योगदान दिया। जम्मू-कश्मीर के लिए औकिब नबी ने अपने 10 ओवर में 39 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट लिए। तेज गेंदबाज युधवीर सिंह सबसे किफायती गेंदबाज रहे। जिन्होंने अपने 7.4 ओवर में सिर्फ 16 रन देकर 2 विकेट लिए। मुजतबा यूसुफ, विवरांत शर्मा, आबिद मुश्ताक और साहिल लोत्रा ने एक-एक विकेट लिया। जवाब में जम्मू-कश्मीर ने 37.5 ओवर में आसानी से लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 3 विकेट खोकर 7 विकेट से मैच जीत लिया। शुभम खजूरिया और कामरान इकबाल ने शानदार अर्धशतक लगाने और कम स्कोरिंग मामले में 133 रनों की साझेदारी करने के लिए शानदार धैर्य और तप दिखाया जबकि हेनान मलिक और फाजिल राशिद ने शैली में औपचारिकता पूरी की। शुभम शानदार लय में दिखे। उन्होंने 61 गेंदों में 76 रन बनाए। जिसमें 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे। विस्फोटक कामरान ने 96 गेंदों में 7 चौकों के साथ 51 रन बनाए। हेनान और फाजिल ने क्रमशः नाबाद 14 और 13 रन बनाए जबकि विवरांत ने कुल 13 रनों का योगदान दिया। जम्मू-कश्मीर 28 नवंबर 2022 को क्वार्टर फाइनल में असम से भिड़ेगा। टीम के साथ पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर अजय शर्मा कोच, राजन सिंह और संदीप सिंह प्रबंधक और सह-प्रबंधक क्रमशः तन्मय श्रीवास्तव क्षेत्ररक्षण कोच, सनी कुमार ट्रेनर, दानिश इदरीस प्रदर्शन विश्लेषक के रूप में टीम के साथ हैं।

ब्रिगेडियर अनिल गुप्ता, सदस्य-प्रशासन सहित जेकेसीए की उप समिति के सदस्यय एडवोकेट सुनील सेठी, सदस्य कानूनी मामलों और क्रिकेटर मिथुन मन्हास, सदस्य क्रिकेट संचालन और विकास जेकेसीए ने इस शानदार जीत के लिए टीम को बधाई दी।

म्यूजिक थेरेपिस्ट के तौर पर भी बना सकते हैं कॅरियर

कहते हैं संगीत में ऐसी ताकत होती है जो मन की उदासी को दूर कर सकता है। साथ ही संगीत कई तरह की शारीरिक और मानसिक परेशानियों से भी छुटकारा दिला सकता है। अगर आपको भी संगीत से प्यार है और आप अपने इस गुण का इस्तेमाल करके लोगों की मदद करना चाहते हैं तो बतौर म्यूजिक थेरेपिस्ट अपना एक उज्जवल भविष्य देख सकते हैं। एक म्यूजिक थेरेपिस्ट संगीत में छिपी ताकत का इस्तेमाल करके कमजोर से कमजोर व्यक्ति को भी मानसिक व शारीरिक रूप से सशक्त बनाने का काम करता है।

क्या होता है काम

एक म्यूजिक थेरेपिस्ट फिजिकल, डेवलपमेंट व मानसिक रूप से अशक्त लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए काम करते हैं। इतना ही नहीं, कभी-कभी वे जानलेवा बीमारियों जैसे एचआईवी, कैंसर से पीड़ित व्यक्तियों के भीतर भी जीने की एक नई आशा उत्पन्न करते हैं। वे मेडिकल टीम के साथ मिलकर लोगों को उनकी बीमारियों से उबरने में मदद करते हैं। जहां मेडिकल टीम ट्रीटमेंट पर जोर देती है, वहीं म्यूजिक थेरेपिस्ट पेशेंट पर अपना फोकस करते हैं और उन्हें शारीरिक व मानसिक रूप से बेहतर बनाने के लिए कार्य करते हैं। साथ ही वे संज्ञानात्मक व व्यवहार में बदलाव तकनीक के माध्यम से न सिर्फ रोगी के मन में एक पॉजिटिव एटीट्यूट का निर्माण करते हैं, बल्कि शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम लोगों को स्वयं की अभिव्यक्ति करना भी सिखाते हैं।

स्किल्स

चूंकि एक म्यूजिक थेरेपिस्ट का कार्य मानव सेवा से जुड़ा हुआ है, इसलिए एक बेहतर म्यूजिक थेरेपिस्ट बनने के लिए आपके भीतर मानव सेवा का जज्बा, उनके प्रति केयर व उनकी भावनाओं को समझने की क्षमता होनी चाहिए। सहानुभूति, धैर्य, क्रिएटिविटी, कल्पना, नए विचारों को स्वीकारना और स्वयं की समझ भी इस क्षेत्र के लिए कुछ आवश्यक योग्यताएं हैं। साथ ही आपको अपने कार्य को अंजाम देने के लिए संगीत का सहारा लेना पड़ता है, इसलिए आपको संगीत को समझने की क्षमता, विभिन्न संगीत शैलियों का ज्ञान व उसका बेहतर तरीके से इस्तेमाल भी करना आना चाहिए। कभी-कभी आपको अपने क्लाइंट को न सिर्फ बोलकर बल्कि लिखकर भी बातों को समझाना पड़ता है, इसलिए आपके भीतर भाषण व लेखन पर भी अच्छी पकड़ होनी चाहिए। दूसरे अर्थों में कहा जाए तो आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स काफी अच्छी होनी चाहिए तभी आप अलग-अलग प्रकार के लोगों को अच्छे से डील करके उनकी समस्याओं का समाधान कर पाएंगे। आपके भीतर हर उम्र, हर कल्चर व पृष्ठभूमि के लोगों से स्वयं को रिलेट करने की क्षमता भी होनी चाहिए।

योग्यता

जहां विदेशों में म्यूजिक थेरेपिस्ट के लिए बैचलर डिग्री व पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर भी कोर्सेस अवेलेबल हैं। साथ ही वहां पर छात्रों को द सर्टिफिकेशन बोर्ड ऑफ म्यूजिक थेरेपिस्ट द्वारा मान्यता भी प्रदान की जाती है। वहीं, भारत में म्यूजिक थेरेपिस्ट के लिए ग्रेजुएट व पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर कोर्स बेहद कम उपलब्ध है। लेकिन अगर आप इस क्षेत्र में अपना भविष्य देख रहे हैं तो डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करने के बाद कदम बढ़ा सकते हैं।

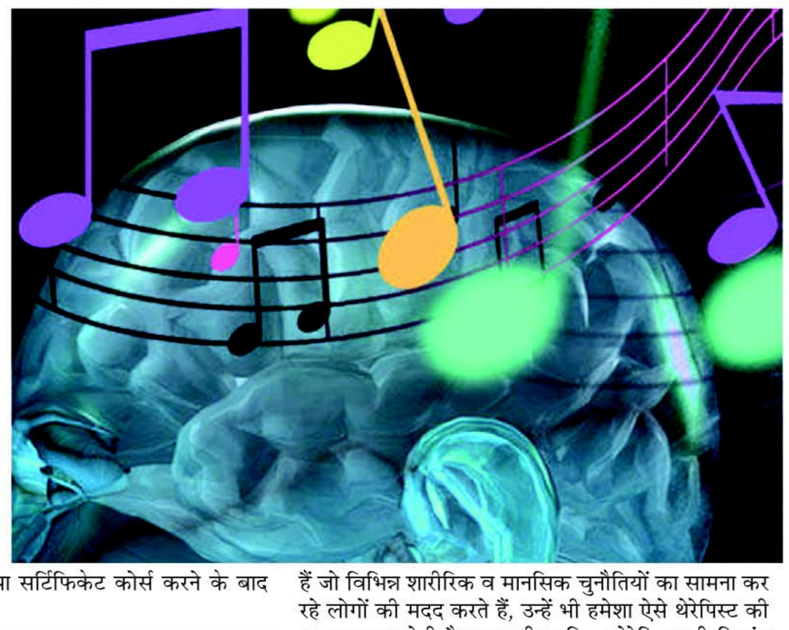

संभावनाएं

एक म्यूजिक थेरेपिस्ट चिकित्सा और मनोरोग अस्पतालों, रिहेबिलिटेशन सेंटर के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे बहुत से एनजीओ व संस्थाएं हैं जो विभिन्न शारीरिक व मानसिक चुनौतियों का सामना कर रहे लोगों की मदद करते हैं, उन्हें भी हमेशा ऐसे थेरेपिस्ट की आवश्यकता होती है। साथ ही म्यूजिक थेरेपिस्ट की डिमांड हमेशा नेशनल हेल्थ सर्विस टस्ट, स्पेशल स्कूल्स, कम्युनिटी मेंटल हेल्थ एंजेसी, जेलों, डग व एल्कोहल रिहेबिलिटेशन सेंटर आदि में हमेशा ही बनी रहती है, आप वहां भी नौकरी की तलाश कर सकते हैं। वैसे कई म्यूजिक थेरेपिस्ट प्राइवेट प्रैक्टिशनर के तौर पर भी काम करते हैं। कहीं-कहीं पर थेरेपिस्ट रोगी के घर पर जाकर भी उनकी मदद करते हैं। आप चाहें तो किसी मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान में बतौर म्यूजिक थेरेपिस्ट टीचर बनकर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं। चूंकि म्यूजिक थेरेपिस्ट की डिमांड सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी है, इसलिए आप चाहें तो विदेशों में भी अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

म्यूजिक थेरेपी एकेडमी, नई दिल्ली।
इंडियन एसोसिएशन ऑफ म्यूजिक थेरेपी, दिल्ली।
इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल म्यूजिक थेरेपी, चेन्नई।
चेन्नई स्कूल ऑफ म्यूजिक थेरेपी, चेन्नई।
महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीटयूट, पांडिचेरी।
एमईटी इंस्टीटयूट ऑफ अल्टरनेटिव कॅरियर, मुंबई।

आमदनी

एक म्यूजिक थेरेपिस्ट की कोई निश्चित आमदनी नहीं है। आपकी आमदनी आपके अनुभव, शिक्षा व जिम्मेदारियों पर निर्भर करती है। साथ की आपकी कमाई का आकार आपकी नौकरी की भौगोलिक स्थिति व संस्थान की प्रतिष्ठा से भी प्रभावित होता है।

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं स्मार्ट

आपकी निजी जिंदगी हो या व्यावसायिक जिंदगी, यह बात जरूर सुनने को मिलेगी कि स्मार्ट होना बहुत जरूरी है। लेकिन आपको यह बात स्पष्ट होनी चाहिए कि स्मार्ट होने का मतलब खूबसूरत दिखना नहीं है बल्कि आपका व्यवहार, सोच, आदतें और काम को करने का तरीका है। तो आइए जानते हैं ऐसे टिप्स जिनसे आप स्मार्ट बन सकते हैं-

- स्मार्ट दिखना चाहते हैं तो सबसे पहली शर्त है कि आप हमेशा खुश रहें। आपके चेहरे पर एक मुस्कान रहे। इससे आप स्मार्ट तो रहेंगे ही और वातावरण खुशनुमा हो जाएगा। लोग आपको पसंद करेंगे।
- अगर आप स्मार्ट नजर आना चाहते हैं तो आपको हमेशा नए और ट्रेंडी ड्रेसअप की जरूरत नहीं बल्कि आप जो भी पहने वह आप पर फबे, व्यवस्थित हो।
- इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता है कि आपका बॉडी पोश्चर आपकी पर्सनैलिटी के बारे में बहुत कुछ कहता है। इसलिए आपकी बॉडी लैंग्वेज और पोश्चर ऐसा होना चाहिए कि आपका कॉन्फिडेंस झलके।

- आपका व्यवहार बहुत मायने रखता है। आपका शांत मन स्मार्ट बनने के लिए बहुत जरूरी है लेकिन उतना ही जरूरी है आपका शारीरिक रूप से फीट होना। अगर आप तन स्वस्थ रहेगा तो ही मन स्वस्थ रहेगा। आपको सकारात्मकता महसूस होगी और यह आपके चेहरे पर भी झलकेगा।
- स्मार्ट बनने की एक शर्त यह भी है कि जिस क्षेत्र में आप हो उसका आपको अच्छा ज्ञान होना चाहिए। वहीं स्मार्ट लोगों की पहचान है कि वे खुद को हमेशा अपडेट रखते हैं।
- स्मार्ट बनने के लिए आपकी डिसीजन मेकिंग भी मायने रखती है। इसलिए कोशिश करें कि हर परिस्थिति से निपटते हुए आप क्विक डिसीजन में माहिर हो जाएं।

जीवन में आगे बढ़ना हैं तो हासिल कर लें ये हुनर

स्कूल खत्म हो जाने का यह कतई मतलब नहीं है कि सीखना भी खत्म हो गया। सीखना जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है। हर समय सीखने का क्रम चलता रहता है और जीवन में हर वक्त कुछ-न-कुछ नई चुनौतियां आती ही आती हैं। ये चुनौतियां भी सीखने के क्रम में आपकी मदद करती हैं।

गुस्से का उपयोग

गुस्सा किसी भी परिस्थिति में आ सकता है। कुछ लोगों को बहुत ही जल्दी-जल्दी गुस्सा आता है, कभी-कभी कोई छोटी-सी बात पर ही गुस्सा आने लगता है। मगर गुस्से का सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शन सभ्यता और शिष्टाचार की दृष्टि से अच्छा नहीं माना जाता है। इसलिए अमूमन हम गुस्से को दबाना सीखते हैं। लेकिन क्या हो यदि आप अपने गुस्से को अपनी रचनात्मकता के लिए इस्तेमाल कर पाएं? क्यों नहीं हम अपने गुस्से का उपयोग सकारात्मक दिशा में करें, बजाए अपने आसपास के लोगों पर चिढ़ने और चिल्लाने के? आपका गुस्सा आपको ऐसी चीजें करने के लिए प्रेरित कर सकता है जो आप अन्यथा नहीं सोच पाते हैं। इसलिए आप अपने गुस्से को मैनेज करना सीखें। यह आपको बहुत आगे ले जाएगा।

ईमानदार कैसे रहें?

ईमानदारी एक बड़ा गुण है, जो मुश्किल से मिलता है। हममें से अधिकतर ईमानदार होने के बजाए दिखना ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसे में होता यह है कि हम दूसरों से बहुत उम्मीदें करते हैं और फिर दूसरे को दुखी भी करते हैं। मूल बात यह है कि दूसरों के प्रति ईमानदारी का गुण हमें तब हासिल होगा, जब हम खुद के प्रति ईमानदार होंगे। अपनी गलतियों, कमियों को लेकर सचेत रहें। यदि आपको परीक्षा में नंबर कम आए हैं, तो इसे महसूस करें कि आपकी तैयारी में कमी थी। खराब परिणामों के लिए आत्ममंथन करें, जानें कि कहां कमी रह गई है। जब आप स्वयं के प्रति ईमानदार रहेंगे तभी दूसरों के प्रति रह पाएंगे। इसलिए अपने प्रति ईमानदारी बरतें।

आलोचना सहना सीखें

हममें से हरेक की यह प्रवृत्ति होती है कि वह स्वयं को गलत कहलाना पसंद नहीं करता है। हममें से कोई भी टोका-टोकी नहीं चाहता, आलोचना नहीं चाहता है। लेकिन इसके साथ का सच भी यह है कि बिना अपनी कमियों को जाने, हम स्वयं में सुधार नहीं कर सकते हैं। इसलिए यदि किसी भी काम को बेहतर तरीके से करना चाहते हैं, स्वयं में लगातार सुधार चाहते हैं तो जरूरी है कि आप आलोचनाओं के प्रति सहज रहें। उसे सहजता से लें। आपके व्यक्तित्व के बेहतर होने और आपकी प्रतिभा के धारदार होने के लिए यह बेहद जरूरी है। कभी भी आलोचना के प्रति असहिष्णु न रहें। उसे स्वीकार करें। जीवन के बेहतर करने की दिशा में सुधार के लिए यह बहुत जरूरी है।

संवाद भी एक कला है

संवाद करना एक महत्वपूर्ण कला है, जिसका महत्व कम ही लोग जानते हैं। सही समय पर किसी भी बहस में सही तरह से अपनी बात शुरू करके आप नए दोस्त बना सकते हैं। किससे किस तरह से बात करनी चाहिए, इस कला को भी स्कूल में नहीं सिखाया जाता है। हम जानें कि संवाद के माध्यम से हम रिश्तों को बना और बिगाड़ सकते हैं। साथ ही संवाद करने की कला हमें जीवन में हर जगह सफलता और सुकून दिलाती है।

सुविधा के गुलाम नहीं, मालिक बनें

हमारे यहां कहा जाता है कि उतने ही पैर पसारें, जितनी लंबी चादर हो। इसका सीधा-सा मतलब यह है कि सुविधा जुटाने के चक्कर में अपनी क्षमता से ज्यादा खर्च न करें। यह कभी न बुझने वाली प्यास है, इसलिए सुविधाओं को जुटाने से पहले दो बार सोचें कि क्या हमें सचमुच इसकी जरूरत है? चीजें खरीदकर हम समझते हैं कि हम इनके मालिक हुए, लेकिन ये हमें कब अपना गुलाम बना लेती हैं, हम जान ही नहीं पाते हैं। इसलिए बेहतर है सामान की गुलामी न करें और इसके मालिक बने रहें। चाहे हम कितना ही अच्छा कमाते हों, हमें अपने खर्च पर नियंत्रण करने की आदत डालनी ही चाहिए।

कुछ तरीके आय बढ़ाने के

अपनी आय बढ़ाने का इरादा है तो इस दिशा में योजनाबद्ध ढंग से बढ़ना होगा। अपने संसाधनों, योग्यताओं और भविष्य की कुछ नई मंजिलों का खाका तैयार करना होगा। खुद में और माहौल में कुछ बदलाव भी करने होंगे। और क्या-क्या करें, इसके लिए यहां दिये जा रहे हैं ऐसे पांच तरीके, जिन्हें अपना कर अपनी आय को आसानी से बढ़ाया जा सकता है।

करियर का लंबा रास्ता चुनें

अगर आप बेहतर आय चाहते हैं तो अपनी करियर योजना को भी नए सिरे से व्यवस्थित करना होगा।

करियर प्लानिंग के टिप्स

■ अपने व्यावसायिक गुणों की पहचान के लिए करियर काउंसलर से मिल कर अभिरुचि परीक्षण आदि कराएं। इससे अपनी योग्यताओं को लेकर आपकी स्पष्टता बढ़ेगी, जिससे आप बेहतर निर्णय ले पाएंगे।

■ अगले पांच-दस सालों में आप खुद को किस पद पर या कंपनी में देखना चाहते हैं, ऐसे लंबी अवधि के लक्ष्य साधें। उसी के अनुसार योजना बनाएं।

कैसे बढ़ेगी आय

जब आप सही मौके पर और सही जगह पर सही क्षमताओं के साथ मौजूद होंगे तो इससे आपके लिए संभावनाएं बढेंगी।

खतरें उठाएं, चुनौतियां लें

करियर की राह में चुनौतियों का सामना करने की हिम्मत बनाएं। जो चुनौतियां आपको असहज करती हैं, उन्हें जरूर हाथ में लें। इस तरह आप अपने कम्फर्ट जोन से बाहर आएंगे।

कुछ नया करने के टिप्स

■ खुद को चुनौती दें। जो काम एकरस होते हैं, उन्हें करना आसान है, लेकिन उनसे आपको उपलब्धियां भी उसी स्तर की हासिल होंगी। कुछ नया करना, भले ही वह चुनौतीपूर्ण हो, आपको पहचान के साथ बेहतर अवसर देगा।

■ उन कार्यों की जिम्मेदारी लें, जिनसे आप में एक नई क्षमता का विकास होगा, भले ही इससे आपके जीवन और कार्यक्षेत्र में एकदम बदलाव आ जाए।

कैसे बढ़ेगी आय

अपनी आरामदायक स्थितियों को छोड़ते ही आपका दायरा बढ़ेगा, इसलिए अवसर बढ़ेंगे और जाहिर है कि इससे आय बढ़ाने के लिए भी आपके पास ज्यादा विकल्प होंगे।

निवेश बढ़ाएगा आय

आय बढ़ाने का एक तरीका विभिन्न निवेश योजनाओं में अपना पैसा लगाना भी है। आदर्श तरीका तो यही है कि निवेश योजनाओं को अपने करियर के शुरुआती दौर से ही अपनाना शुरू कर दिया जाए, लेकिन अगर आपने इस पर अमल नहीं किया है तो और देर करना ठीक नहीं।

निवेश के कुछ टिप्स

■ आमतौर पर लंबी अवधि के निवेश ज्यादा फायदेमंद साबित होते हैं।

■ अपने पैसे को अगर आप कम से कम पांच साल तक के लिए किसी योजना में निवेश करेंगे तो लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे।

■ इक्विटीज या ऐसी ही योजना का चयन करें या फिर इन योजनाओं के बारे में गहरी समझ रखने वाले लोगों से बात कर सकते हैं।

क्यों कई लोग अपनी नौकरी से करने लगते हैं नफरत? ये रही 10 वजहें

आजकल बहुत से लोग अपनी जॉब से परेशान नजर आते हैं. वह अपनी नौकरी से इतना पक जाते हैं कि हर समय उसकी बुराई करने लगते हैं. कई बार तो ऑफिस में प्रवेश करते समय इस तरह की नकारात्मक बातें सुनने को मिलती हैं. और आपको पता लगता है कि वो लोग अपनी जॉब से कितनी नफरत करते हैं. यहां हम आपको बताते हैं लोगों के ऑफिस में अपने काम से परेशान होने की 10 वजहें...

1. बहुत से केस में जॉब से परेशान होने का कारण खराब बॉस और मैनेजमेंट होता है. अगर आपकी आपके बॉस से नहीं बन पा रही है, काम को टीम में बांटने का तरीका भी आधारहीन है, आपके ऐतराज नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, तो अच्छी सैलरी और पसंदीदा जॉब होने के बावजूद भी काम के प्रति जोश खत्म होता चला जाता है.

2. अगर जॉब में स्थायित्व नहीं है और आपको हमेशा अपनी नौकरी जाने का डर सताता रहता है तो आप ऑफिस में कभी खुश नहीं रह पाएंगे. जॉब के प्रति असुरक्षा की भावना उसके प्रति नफरत को जन्म देती है.

3. ऑफिस में काम कम हो रहा है और राजनीति ज्यादा... ऐसे माहौल से भी आप तंग आ जाते हैं.

4. काम बहुत ज्यादा है और उसके मुताबिक सैलरी नहीं मिल रही है. पद व वेतन के मुताबिक जिम्मेदारियां नहीं दी गई है और आप बेवजह काम के बोझ से दबे हुए हैं.

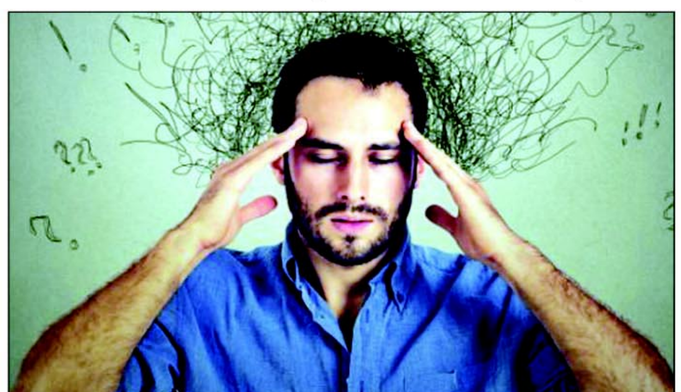

5. बहुत से लोगों के इमिडिएट बॉस उस पद के काबिल नहीं होते. उनका तानाशाही रवैया और काम के प्रति अज्ञानता से जूनियर परेशान रहते हैं. ऐसे माहौल में नकारात्मक विचार ही दिमाग में आते हैं.

6. काम के लिए जिन साजो-सामान व मशीनों की जरूरत है, उनके न होने की स्थिति में भी फ्रस्ट्रेशन होती है. कई बार तो बहुत बार शिकायत करने के बावजूद जरूरी टूल्स नहीं दिए जाते.

7. ऑफिस में आप जो काम कर रहे हैं उस फील्ड का आपको कोई भविष्य नजर नहीं आता, तो भी आप हतोत्साहित होते हैं.

8. ऑफिस की लालफीताशाही से भी बहुत से लोग तंग आ जाते है. आपकी बात व आप कभी सही शख्स तक नहीं पहुंच पाते.

9. काम में जोश व उत्साह के खत्म होने की स्थिति में आप अपनी नौकरी से नफरत करने लगते हैं.

10. अगर आप अपने नॉन-वर्किंग हॉवर्स मनमुताबिक इस्तेमाल नहीं पा रहे हैं तब भी जॉब के प्रति झल्लाहट पैदा होती है.

ऐसे सीख सकते हैं आर्ट ऑफ लिसनिंग

हमेशा बोलते रहना, दूसरों की बात बिना सुने-समझे प्रतिक्रिया जताना, विषय की जानकारी न होने के बावजूद यह जाहिर करना कि उसके बारे में बहुत पता है... अगर यह आदत आपके भीतर भी है तो संभल जाएं। इन आदतों के कारण प्रोफेशनल वर्ल्ड में पिछड़ सकते हैं। हो सकता है, आप अच्छे वक्ता हों, यह भी हो सकता है कि कुछ विषयों में आपकी नॉलेज बाकियों की तुलना में ज्यादा अच्छा हो, लेकिन अच्छा वक्ता होने के साथ-साथ अच्छा श्रोता भी बनना चाहिए। सुनने की कला सीख लें तो मंजिलें आसान हो सकती हैं। सुनने और मनन करने से विषय को गहराई से समझने में मदद मिलती ही है, उसे दूसरे के नजरिए से भी देख पाते हैं। किसी भी विषय को समग्रता में जानना आगे बढ़ने की जरूरी शर्त है।

फिर वही बोरिंग लेक्चर!

एक अध्ययन के अनुसार, हम जो भी सुनते हैं, उसका 50 प्रतिशत ही हमें याद रहता है। अगर सुने गए को हम नोट कर लें तो यह मेमोरी में बस 20 प्रतिशत तक ही शेष रह जाता है। अक्सर किसी मीटिंग, सेमिनार या वर्कशॉप में अपनी पसंद का विषय न होने पर लोग कहने लगते हैं, क्या पकाऊ लेक्चर है यार...। कई बार मीटिंग्स को बहाने बनाकर टाल देते हैं। ऐसा करना करियर के लिहाज से ठीक नहीं है। मीटिंग्स, सेमिनार, कांफ्रेंस में बढ़-चढ़कर हिस्सा नहीं लेंगे तो आपको अपने काम से संबंधित नई जानकारियां पता नहीं चल सकेंगी

सुनने की कला

कुछ लोग जब बात करते हैं तो सामने वाले को इतना मौका तक नहीं देते कि वह भी अपनी राय रख सकें। सामने वाला आपकी बातों को ठीक से समझ रहा है कि नहीं, यह जाने बिना वे बोलते रहते हैं। कोई भी संवाद एकतरफा नहीं होता है। सुनते समय कई बार हम वक्ता की भावनाओं, ज्ञान, अनुभव, शारीरिक हाव-भाव के आधार पर परिस्थिति और वस्तुस्थिति का आकलन कर लेते हैं। ध्यान रहे, अच्छा श्रोता ही अच्छे लीडर में तब्दील हो सकता है।

स्टेप 1 ध्यान से सुनें

कम्युनिकेशन स्किल्स के अंतर्गत सामने वाले की बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है। वक्ता जब संवाद कर रहा हो तो इस बीच ध्यान भटकाने वाली चीजें न करें। इसकी जगह वक्ता को प्रोत्साहित करने के लिए हां में सिर हिलाएं, उपयुक्त बात पर मुस्कुराएं या अपनी बॉडी लैंग्वेज से यह जाहिर करें कि आप उनकी बात समझ रहे हैं। संवाद के बीच में भूलकर भी बालों को संवारने, बात खत्म हुए बिना बीच में बोलने, पैर हिलाने, पेन से खेलने जैसे कार्यों से बचें।

स्टेप 2 बॉडी लैंग्वेज सुधारें

कम्युनिकेशन का बड़ा हिस्सा है बॉडी लैंग्वेज। इसके माध्यम से पता चलता है कि किस स्थिति के लिए कैसे और क्या बात करनी चाहिए। जैसे कोई दुखद समाचा हो तो उस समय मुस्कुराने से स्थिति बिगड़ सकती है, इसलिए ऐसे मौकों पर गंभीर बने रहें।

स्टेप 3 भटकाव न हो

कभी-कभी हम सुनने के बजाए उतावले होकर संवाद के बीच में कूद पड़ते हैं। इस बात से जाहिर होता है कि आप सामने वाले की बात नहीं सुन रहे थे,बल्कि अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। जब तक सही मौका न हो या आपसे बोलने को न कहा जाए, तब तक आप अपनी प्रतिक्रिया न व्यक्त करें।

स्टेप 4 रोको, टोको मत

हो सकता है कि आप सामने वाले की बात से असमहत हों। ऐसी स्थिति में उस समय चुप रहना ही बेहतर विकल्प है। अपनी असहमति जताने के लिए उपयुक्त मौके या उसकी बात खत्म होने का इंतजार करें।

स्टेप 5 खुला रखें दिमाग

जब आप दिमाग खुला रखेंगे, तभी सामने वाले की बातों को समझ पाएंगे। जब आपका ध्यान सामने वाले व्यक्ति की बातों पर होगा तो आप कभी उतावले होकर बीच में नहीं बोलेंगे बल्कि मन ही मन बातों पर मनन करेंगे और उसे समझने की कोशिश करेंगे।

स्टेप 6 फीडबैक जरूरी

आप अच्छे श्रोता तभी कहलाएंगे, जब आप उचित संवाद पर अपना फीडबैक देंगे। इससे वक्ता को यह लगेगा कि आपने उसकी बातों को ध्यानपूर्वक सुना है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)